सेंसेक्स	~
निफ्टी	~
सोना	~
चांदी	~
डॉलर	~

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 16 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 353
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आचार्य देवव्रत बने महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

मुंबई। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने सी पी राधाकृष्णन का स्थान लिया है, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आचार्य देवव्रत की नियुक्ति का आदेश जारी किया था। एनडीए के उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन (सीपी राधाकृष्णन) 9 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। उन्हें 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति बनने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति का पदभार संभाला।

वंतारा को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने गुजरात के जामनगर स्थित वन्य जीव और पुनर्वास केंद्र वंतारा को बड़ी राहत देते हुए उसे क्लीन चिट दे दी है। एसआईटी के अधिकारियों ने वंतारा में नियमों के पालन और नियामक उपायों पर संतोष जताया। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि अधिकारियों ने वंतारा में अनुपालन और नियामक उपायों के मुद्दे पर संतुष्टि व्यक्त की है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को पेश की गई थी और सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को इसका अध्ययन किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद एक विस्तृत आदेश पारित करेगी।

नीचे गिरा ट्रक, दो लोगों की मौत

रतलाम। सोमवार तडके 5 बजे जावरा से गुजर रहे दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर लालाखेड़ा अंडरब्रिज पर चुकंदर से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गया। हादसे में ट्रक का केबिन जमीन पर जा गिरा, जबकि पिछला हिस्सा ब्रिज पर अटक गया। केबिन में दबे तीन लोगों में से दो की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। मरने वालों के नाम हरियाणा निवासी आशिक और इरफान के रूप में हुई है। घायल बखान को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया है।

कुछ ना कहना

वक्फ कानून बरकरार... कुछ धाराओं पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

कलेक्टर नागरिकों के हक तय नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूरे वक्फ संशोधन अधिनियम पर रोक लगाने से इनकार किया, लेकिन इसके कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी। अदालत ने उस प्रावधान को रोक दिया जिसमें कहा गया था कि वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को 5 साल तक इस्लाम का अनुयायी होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बोर्ड में 3 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए और कुल 4 गैर-मुस्लिम सदस्य ही हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वक्फ बनाने के अधिकार को सीमित करने वाले प्रावधान पर तब तक रोक रहेगी जब तक यह तय करने के नियम नहीं बनते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ अधिनियम के उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी जिसमें कलेक्टर को यह तय करने का अधिकार दिया गया था कि वक्फ घोषित संपत्ति सरकारी संपत्ति है या नहीं और उस पर आदेश पारित करना।

चीफ जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि कलेक्टरों को निजी नागरिकों के अधिकार तय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और यह शक्तियों के विभाजन का उल्लंघन होगा। जब तक मामले की सुनवाई ट्रिब्यूनल द्वारा नहीं हो जाती, तब तक किसी भी पक्ष के खिलाफ तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं बनाए जा सकते। कलेक्टर को दिए गए ऐसे अधिकारों से जुड़े प्रावधान पर रोक रहेगी। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि वक्फ बोर्ड में 3 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य और कुल 4 से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकते।

पांच साल वाली शर्त खारिज

मुख्य आपत्ति धारा 3(आर), 3(सी), 3(डी), 7 और 8 सहित कुछ धाराओं पर थी। इनमें से धारा 3(आर) के उस प्रावधान पर कोर्ट ने रोक लगा दी, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई थी। अदालत ने कहा कि जब तक सरकार इस पर स्पष्ट नियम नहीं बनाती, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा, वरना यह मनमाना साबित हो सकता है।

कार्यपालिका नहीं तय कर सकती संपत्ति के अधिकार

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी कलेक्टर या कार्यपालिका को संपत्ति के अधिकार तय करने की अनुमति देना शक्तियों के पृथक्करण के खिलाफ है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक धारा 3(सी) के तहत वक्फ संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट से नहीं हो जाता, तब तक न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड से छेड़छाड़ होगी। साथ ही, इस दौरान किसी तीसरे पक्ष के अधिकार भी नहीं बनाए जाएंगे।

धार्मिक दान केवल इस्लाम तक सीमित नहीं

सीबीआई बीआर गवई ने कहा था, धार्मिक दान केवल इस्लाम तक सीमित नहीं है। हिंदू धर्म में भी मोक्ष की अवधारणा है। दान अन्य धर्मों का भी मूल सिद्धांत है। तभी जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने भी सहमति जताते हुए कहा, ईसाई धर्म में भी स्वर्ग की चाह होती है।

बोर्ड में अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम सदस्य ही होंगे

वक्फ बोर्ड की संरचना पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि बोर्ड में अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम सदस्य ही हो सकते हैं, यानी 11 में से बहुमत मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए। साथ ही, जहां तक संभव हो, बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुस्लिम ही होना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका यह आदेश वक्फ एक्ट की वैधता पर अंतिम राय नहीं है। अदालत ने साफ किया कि पूरे कानून पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है, लेकिन कुछ प्रावधानों पर अंतरिम सुरक्षा दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि सामान्य तौर पर किसी कानून के पक्ष में संवैधानिक वैधता की धारणा रहती है।

सुप्रीम कोर्ट में 5 याचिकाओं पर सुनवाई हुई

वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई की। इसमें सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल थी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने सुनवाई की। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और राजीव धवन पैरवी कर रहे थे।

चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए - एसवाई कुरैशी

विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने चुनाव आयोग की तीखी आलोचना कर कहा कि चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों की जांच करनी चाहिए थी, न कि उनके खिलाफ 'आपत्तिजनक और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने मीडिया हाऊस को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाते समय कई राजनीतिक शब्दों का इस्तेमाल किया था जैसे 'हाइड्रोजन बम' लेकिन यह महज 'राजनीतिक बयानबाजी' है। इसके बावजूद उन्होंने जो गंभीर शिकायतें उठाई हैं, उनके द्वारा उठाई गई शिकायतों की विस्तार से जांच होनी चाहिए थी।

कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया की आलोचना कर कहा कि इससे आयोग ने 'भानुमती का पिटारा' खोल दिया है और 'मधुमक्खी के छत्ते' में हाथ डाल दिया है, जिससे खुद संस्था की साख को नुकसान होगा। कुरैशी ने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष होने के साथ-साथ निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है।

कुरैशी ने कहा कि राहुल विपक्ष के नेता हैं और करोड़ों लोगों की आवाज उठाते हैं। इसके बाद चुनाव आयोग को उनसे 'शपथपत्र दीजिए, वरना कार्रवाई होगी' जैसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उन्होंने इस बयानबाजी को चुनाव आयोग की गरिमा के खिलाफ बताकर कहा कि सामान्य प्रक्रिया शिकायत पर जांच करवाने की होती है, डराने की नहीं।

उन्होंने एसआईआर को खतरनाक कदम बताया। उनके अनुसार 3 दशक में जो काम धीरे-धीरे हुआ था, उसे कुछ महीनों में बदलने की कोशिश गलत है और इससे विवाद और बढ़ेगा उन्होंने मतदाता पहचान पत्र (एपिक) को दस्तावेजों की सूची से बाहर करने को भी गंभीर चूक बताकर कहा कि यह आयोग की अपनी ही पहचान है जिसे नकारने से लोकतंत्र पर असर पड़ेगा।

कुरैशी विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की है। उनका कहना था कि विपक्ष को सुनना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है, लेकिन आज हालात यह हैं कि 23 दलों को कहना पड़ा कि उन्हें आयोग से मिलने का समय नहीं मिल रहा। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

नवजोत सिंह की मौत के मामले में आरोपी महिला हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट थाना क्षेत्र में बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से हुई वित्त मंत्रालय के उपसचिव नवजोत सिंह की मौत के मामले में आरोपी महिला को हिरासत में लिया है। बताया गया कि गुरुग्राम निवासी आरोपी महिला गगनप्रीत को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, आगे की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है।

बता दें कि रविवार को तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी थी। बाइक पर वित्त मंत्रालय में तैनात उपसचिव सिंह अपनी पत्नी के साथ अपने घर लौट रहे थे। इस हादसे में नवजोत सिंह की मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी घायल हो गई। डॉक्टर शकुंतला ने बताया कि 14 सितंबर दोपहर 2 बजे गगनप्रीत कौर और उसके पति परीक्षित एक महिला और उसके पति को सड़क हादसे में घायल होने के बाद लेकर आए। जिसमें घायल व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। जिसकी पहचान सिंह के रूप में हुई थी। संदीप कौर की हालत गंभीर देख उन्हें रेफर कर दिया गया। वहीं, गगनप्रीत और उसके पति को भी चोट लगी थी। जिनका इलाज किया गया।

राहुल गांधी पंजाब बाढ़ पीड़ितों से मिले, ट्रैक्टर चलाकर पहुंचे गांव और गुरदासपुर में किसानों से की मुलाकात

अमृतसर,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे। वे गुरदासपुर जिले के घोनेवाल गांव पहुंचे, जो बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में गिना जा रहा है। यहां बांध टूटने से खेतों और घरों में पानी भर गया था। इस दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। गांव में पैदल चलकर पहुंचने के बाद उन्होंने करीब आधा किलोमीटर तक ट्रैक्टर भी चलाया। इस दौरान राहुल गांधी ने क्षतिग्रस्त घर वाले एक परिवार से मुलाकात की। वहीं बाढ़ एक ग्रामीण ने कहा, कि यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी हमारे पास, हम सब से मिलने आए। हम चाहते हैं कि हमारा घर बने और बेटे को नौकरी मिले। बाढ़ के कारण घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। राहुल गांधी के दौरे के दौरान पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी उनके साथ मौजूद रहे। इससे पहले राहुल गांधी अमृतसर पहुंचे थे, जहां स्थानीय नेताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा साहिब जी में मत्था टेका और प्रदेश की भलाई के लिए अरदास की। गौरतलब है कि पंजाब में हालिया बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 23 जिलों के करीब 2,097 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दी चेतावनी

कोई भी गड़बड़ी मिली तो पूरी रद्द होगी एसआईआर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में एसआईआर(वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्तूबर की तारीख तय की है। कोर्ट ने कहा कि हम मानते हैं कि एक संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार एसआईआर प्रक्रिया में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। अगर हमें बिहार एसआईआर के किसी भी चरण में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता मिलती है, तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दी जा सकती, अंतिम फैसला पूरे भारत के लिए लागू होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यह मानकर चल रही है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते चुनाव आयोग ने एसआईआर के संचालन में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन किया है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कोई भी विस्तृत राय देने से इनकार कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसके अंतिम फैसले का एसआईआर प्रक्रिया पर अखिल भारतीय प्रभाव पड़ेगा।

देश भर में प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकते

पीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव आयोग को देश भर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाकर्ताओं को 7 अक्टूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी बहस करने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकती। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एसआईआर पर लागू होगा। मामले पर 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। इससे पहले 8 सितंबर को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा कि आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

एक अन्य याचिका पर नोटिस

इस बीच शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के उस आदेश को वापस लेने की मांग वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था। 8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर इसकी वास्तविकता का पता लगा सकता है।

भिक्षा आश्रित घर में दूषित पानी से हुई मौतें, सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भिक्षा आश्रित के गृहों की स्थिति में सुधार के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए हैं। यह फैसला दिल्ली के लामपुर भिक्षा गृह में दूषित पानी के कारण हुई मौतों से संबंधित मामले पर दिया गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इन गृहों को अब दंडात्मक केंद्र नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना के अनुरूप पुनर्वास और गरिमा देने वाले स्थानों में बदला जाना चाहिए।

पीठ ने कहा कि देश के भिक्षावृत्ति विरोधी कानून औपनिवेशिक मानसिकता की उपज हैं, जिनका मकसद गरीबी को अपराध मानना था, न कि उसका समाधान निकालना। इस सोच से बाहर आना अब जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की 24 घंटे के भीतर मेडिकल जांच अनिवार्य होगी। हर महीने स्वास्थ्य जांच और रोग निगरानी प्रणाली लागू की जाएगी। पीने का साफ पानी, स्वच्छ शौचालय, कीट नियंत्रण और उच्च स्वच्छता मानक सुनिश्चित किए जाएंगे। दो साल में एक बार स्वतंत्र बुनियादी ढांचा ऑडिट अनिवार्य होगा। अधिक भीड़ पर रोक, केवल स्वीकृत क्षमता तक ही निवासी रह सकेंगे। साफ हवा और खुली जगह वाले सुरक्षित घर उपलब्ध कराने होंगे। हर गृह में पोषण विशेषज्ञ नियुक्त होंगे जो भोजन की गुणवत्ता और पोषण मानकों की जांच करेंगे। एक मानकीकृत डाइट चार्ट बनाया जाएगा जिससे पोषण की कमी न हो।

पीठ ने कहा, भिक्षा गृहों को अब ऐसे स्थान के रूप में देखा जाना चाहिए जहां पुनर्प्राप्ति, कौशल विकास और समाज में पुनः एकीकरण की प्रक्रिया हो। गृह शब्द अपने आप में सुरक्षा, गरिमा, अपनापन और देखभाल का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे किसी भी इंतजाम को, जो जेल जैसे हालात बनाता है। जैसे भीड़भाड़, गंदगी, जबरन या मनमाने तरीके से बंद करना, इलाज से इनकार, मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा, या व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर रोक को नीति की विफलता नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन माना जाएगा, जो जीवन और गरिमा का अधिकार सुनिश्चित करता है। कौशल विकास केंद्र स्थापित होंगे ताकि निवासी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। एनजीओ और निजी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। निवासियों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के वकील हर तीन महीने में दौरा करेंगे। महिलाओं और बच्चों के लिए अलग और सुरक्षित स्थान सुनिश्चित किया जाएगा। भिक्षावृत्ति में लिप्त पाए गए बच्चों को भिक्षा गृहों में नहीं, बल्कि बाल कल्याण संस्थाओं में भेजा जाएगा। हर भिक्षा गृह में निगरानी समिति होगी जो सालाना रिपोर्ट जारी करेगी। लापरवाही से मृत्यु होने पर राज्य सरकार मृतक के परिजनों को मुआवजा देगी और दोषी अधिकारियों पर अनुशासनात्मक या आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। तीन महीने में केंद्र सरकार को मॉडल गाइडलाइंस बनानी होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में अनियंत्रित विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान के मामले में संज्ञान लिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में अनियंत्रित विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सोमवार को मामले में सुनवाई की। अदालत ने फिलहाल अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले में 23 सितंबर को आदेश पारित किया जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई के समय हिमाचल में एक और भयावह पर्यावरणीय घटना हुई, जो चिंता का विषय है। कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी ने सुझाव दिया कि इस मामले का दायरा बहुत व्यापक है, इसलिए एक समिति गठित की जा सकती है, जो इसके विभिन्न पहलुओं की गहन जांच करे।

हिमाचल प्रदेश सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, ग्लेशियरों का पांचवां हिस्सा गायब हो चुका है, जिससे नदियों का तंत्र प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन का पहाड़ों की सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। इससे पहले, राज्य में बिगड़ती स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने कहा था कि जलवायु परिवर्तन का राज्य पर 'स्पष्ट और चिंताजनक प्रभाव' पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि अगर अनियंत्रित विकास इसी तरह जारी रहा तो हिमाचल प्रदेश एक दिन नक्शे से गायब हो सकता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर पर्यावरण संरक्षण के लिए उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

अपने जवाब में राज्य सरकार को बताना था कि उसने पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए हैं और भविष्य को लेकर क्या योजना है। सोमवार को राज्य सरकार ने कोर्ट के निर्देश के अनुसार रिपोर्ट दाखिल की है।

एसआईटी कर रही बिसेन दंपत्ति की हत्या की जांच

पति-पत्नी का एक ही चिता में हुआ अंतिम संस्कार पुत्र ने दी मुखाग्नि

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के मोहगांव के बिसेन दंपत्ति की निर्मम हत्या की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है. इस विशेष जांच दल में 09 सदस्य शामिल है. शनिवार-रविवार की दरमियानी रात्रि बिसेन दंपत्ति व्यवसायी हेमेद्र बिसेन और उनकी धर्मपत्नी योगिता बिसेन की अज्ञात आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हीं के घर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी है. दोनों के शव रविवार की सुबह साढ़े 08 बजे बेडरुम में खून से लथपथ मिले थे. इस पूरी घटना से क्षेत्र भर में सनसनी फैली हुई है यह कोई बिसेन दंपत्ति की हत्या किसने की, क्यों की यही जानना चाहता है. मगर, पुलिस को घटना के 24 घंटे बाद भी हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिला है. सोमवार बिसेन दंपत्ति का गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया दोनों के शवों के लिए एक ही चिता बनाई गई थी. पुत्र वशिष्ट ने अपने माता-पिता को मुखाग्नि दी. इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, नाते-रिश्तेदार और राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। बिसेन दंपत्ति की हत्या की जांच एसआईटी को सौंपी गई. वहीं सोमवार को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा फिर एक बार मोहगांव पहुंचे. उन्होंने परिवार के प्रत्येक सदस्य से अलग-अलग बातचीत कर उनके कथन दर्ज करवाए है. एसपी ने उन सभी सदस्यों के कथन दर्ज करवाए जो घटना वाली रात्रि को घर पर मौजूद थे.

वहीं एफएसएल की टीम ने भी फिर से मौका-ए-वारदात की सूक्ष्मता से जांच की. पुलिस सूत्रों की मानें तो एफएसएल को भी कोई सबूत हाथ नहीं लगा. मृतक के बड़े भाई ईश्वरी प्रसाद बिसेन और करण बिसेन बताते है घटना के बाद से हेमेन्द्र के गले की सोने की चैन, योगिता का एक सोने का हार और कुछ अन्य सोने के जेवरात गायब है. नकदी रकम के गायब होने की वह पुष्टि तो नहीं करते लेकिन गायब होने अनुमान लगा रहे है. गौरतलब हो कि पुलिस अधीक्षक रविवार को भी करीब 3 घंटे तक घटनास्थल पर मौजूद थे. वहीं सोमवार को भी करीब 02 बजे वह मोहगांव आ गए थे और शाम 06 बजे तक अपने समक्ष ही उन्होंने पीड़ित परिवार के कथन दर्ज करवाएं है. पुलिस के लिए यह हत्या बहुत बड़ी गुत्थी बन चुकी है. सूत्रों की माने तो पुलिस को अब तक हत्यारों के घर में एंट्री के कोई साक्ष्य नहीं मिल पाए है. बिसेन दंपत्ति की हत्या के पीछे हत्यारों का क्या मकसद हो सकता है. इसकी पुलिस बहुत ही बारीकी से जांच कर रही है. पुलिस वह तमाम एंगल से हत्या को जोड़कर देख रही है जिससे आरोपियों की पतासाजी की जा सकें. इसलिए पुलिस अधीक्षक ने परिवार के प्रत्येक सदस्य से अलग-अलग कथन दर्ज करवाएं. बिसेन दंपत्ति की हत्या के बाद जमीन खरीदी-ब्रिकी के पैसे आने और इस पैसे की लूट के लिए हत्या की चर्चाएं चल रही थी. इस तरह की चर्चाओं मृतक के भाई करण बिसेन ने सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अभी कोई जमीन खरीदी-ब्रिकी जैसी बात नहीं हुई है. व्यापारिक लेन-देन और पुरानी रंजिश जैसे मामलों को जोड़कर पुलिस जांच कर रही है।

किसानों को शासन से चल रही योजनाओं का लाभ दिलाने भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय किसान संघ द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। जिसमें भारतीय किसान संघ के पदाधिकारीयों ने बताया कि वह प्रतिवर्ष 15 सितंबर को ज्ञापन के माध्यम से किसानों की समस्या सरकार के समक्ष रखते हैं, उसी क्रम में आज उनके पदाधिकारीयों द्वारा ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्होंने किसानों को सरकार से दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं में आ रही समस्या को सही से क्रियान्वयन करने की मांग की

है। आपको बता दे कि भारतीय किसान संघ द्वारा प्रतिवर्ष 15 सितंबर को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाता है। उसी क्रम में संघ के पदाधिकारीयों द्वारा ज्ञापन अपर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम दिया गया है। जिसमें संगठन के पदाधिकारी देवराम धामडे और पूरन लाल शर्मा द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा शासन से संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं को पुन: संचालित सहित उनमें आ रही टूटीयों को सही करने को लेकर ज्ञापन सोपा गया है। उन्होंने बताया कि आज मुख्यमंत्री सड़क योजना बंद कर दी गई है, जिसे शुरू करवाने, शासन द्वारा चुनाव के समय धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये दिए जाने की बात कही गई थी, फिर भी अभी तक किसानों को धान का समर्थन मूल्य सरकार द्वारा नहीं दिया जा रहा है। वह चाहते हैं कि इस वर्ष धान के पंजीयन के समय सरकार किसानों से 3100 रुपए में धान खरीदें और वह चाहते हैं कि जिले का किसान रबी में धान की फसल लगाता है, उसका भी सरकार पंजीयन करवाये और उसे भी समर्थन मूल्य के तहत सोसाइटी में खरीदा जाए। सरकार द्वारा जैविक खेती किए जाने को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन धरातल पर देखा जाए तो जैविक खेती किए जाने को लेकर किसानों को उतनी सुविधा शासन से नहीं मिल रही है, वह चाहते हैं कि शासन किसानों को जैविक खेती किए जाने को लेकर सुविधा दे, बहुत से किसानों को प्रोत्साहन राशि तक शासन द्वारा नहीं दी जा रही है, जिस कारण आज किसान जैविक खेती की ओर अधिक नहीं पड़ पा रहा है, वह चाहते हैं कि प्रोत्साहन राशि किसान को दी जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान जैविक खेती की ओर अपना रुख करें।

अभियंता दिवस के रूप में मनाई गई डॉ. मोक्षगुंडम विश्वैरैया की जयंती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। धरती को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ.सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वैरैया की 165 वीं जन्मजयंती, डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन ने 15 सितंबर को अभियंता दिवस के रूप में मनाई गई। डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वैरैया चौक में उनकी

प्रतिमा पर डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन और ने माल्यार्पण किया। डिप्लोमा इंजीनियर्स एशोसिएशन प्रतिनिधि एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने बताया कि तकनीकि ज्ञान के ज्ञाता डॉ. विश्वेश्वैरैया को आज इंजीनियर्स साथियों ने याद कर नमन किया है। जो हम सबके प्रेरणास्त्रोत है और वे एक महान इंजीनियर थे। आज का दिन इंजीनियर्स साथियों के त्यौहार का दिन है, इस महत्वपूर्ण दिवस पर डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वैरैया जैसी शख्सियत ने जन्म लिया था, जिसे अंग्रेज भी सर कहकर संबोधित करते थे। यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है कि देश में इतने बड़े महान इंजीनियर ने जन्म लिया था। जिसे आज पूरे जिले में अभियंता याद करते हुए उन्हें नमन कर रहे है। इस दौरान बड़ी संख्या में अभियंता साथी उपस्थित थे। इस दौरान एशोसिएशन सहित अन्य विभागो के इंजीनियर साथी मौजूद थे।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर शिक्षकों एवं कलमकारों को किया सम्मानित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर स्थानीय टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में संस्कार भारती परिवार एवं हिंदी साहित्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस मनाया गया। जिसमें प्रणय श्रीवास्तव,हीरा सिंह चंदेल,संजय रूसिया ,मनोहर सिंह ठाकुर शिव दयाल पटले की प्रमुख उपस्तिथि में कलमकारों, साहित्य कारों, हिंदी भाषा के शिक्षकों , विद्वानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड के विद्यार्थियों के लिए प्रश्न मंच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के साथ ही अनेकों सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। उपस्थित कलमकारों में हिंदी शिक्षक रहे मनीराम बिसेन, सुरेश सिंघई , भेजेंद्र कुमार चौधरी,गणेश चुरहे ,संगीता नेमा,श्रीमती प्रीति सुराना,मीना जैन,अदिति रूसिया,दिव्या श्रीवास्तव,गुलराज जिज्ञासी,नरेंद्र पारधी ,युगेश चौबे, विजय कलम धार,मुकेश मनमौजी ,राजेंद्र शुक्ल,राम कुमार रामरिया,किशोर सागर ,शैलेश टी शैल,नन्हे सिंह ठाकुर,प्रेमलता उपाध्याय ,भोले प्रसाद नेमा,कृष्ण कुमार पांडेय ,मोहिता मुकेश कमलेंदु, राम लाल सराठे ,जगदीश कुमार कुशवाहा ,प्रियंका सोनी ,,बी एम दुबे , रश्मि वाजपेई,सुधीर कुमार तिवारी, नवीन कुमार ब्यौहार,संजीव वर्मा , मंजू गोरे ,अर्चना जैन ,सुनीता सोनी,श्याम बैरागी ,रमेश श्रीवास्तव ,प्रिया शर्मा,विजय कलमधार को सम्मान पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन भेजेंद्र चौधरी के द्वारा किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम केशव इंग्लिश स्कूल के विदित पांडेय,द्वितीय पी एम श्री विद्यालय जराह मोहगांव के आयुष डहरवाल, तृतीय कमला नेहरू कन्या विद्यालय वारासिवनी की शिवानी बिसेन, सांत्वना पुरस्कार आरुषि चौधरी ,देवेंद्र ठाकरे, हर्षल चचाने एवं माही नगपुरे ने प्राप्त किया।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मोहगांव ध.

पं. क्र. 401
क्रमांक / आमसभा/2025 दिनांक - 01.09.2025
वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स), मोहगांव ध. पं.क्र. 401 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक 17.09.2025 दिन बुधवार को समय 1 बजे दिन से संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभी की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट कीजिए।

-: विषय सूची :-

1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
2. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
3. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2024-2025 के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
4. आगामी सहकारी वर्ष 2026-2027 के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
5. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
6. वर्ष 2024-2025 का पूरक बजट की स्वीकृति बाबद्।
7. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
8. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
9. किसी अन्य विषय पर जो उपविधि के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

एच.सी. बसेने — संस्था प्रबंधक
राजेश दुबे — प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) मोहगांव ध. पं. क्र. 401

संस्कृत एवं दर्शन के महत्व पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के द्वारा 15 सिम्बर को संस्कृत एवं दर्शन का महत्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण तथा वंदना से की गई। इसके पश ?चात अतिथि स्वागत कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे द्वारा संस्कृत एवं दर्शन विषय पर अपने विचार व्यक्त किये गए। इसके पश्चात मुख्य वक्ता डॉ. जागेश्वर पटले, प्रांत संगठन मंत्री संस्कृत भारती, मध्य प्रांत ने संस्कृत एवं दर्शन का महत्व विषय पर अपना व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने संस्कृत भाषा की

प्राचीनता, वैज्ञानिकता एवं वर्तमान प्रासंगिता एवं दर्शन की महत्ता, जीवन में दर्शन की उपयोगिता के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि मुख्य वक्ता ने पूरा व्याख्यान संस्कृत भाषा में दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. सीमा श्रीवास्तव आईक्यूएसी प्रभारी, डॉ. कंचन मसराम, डॉ. प्रतिमा बिसेन, डॉ.आर.एन. झारिया, प्रो. विजय यादव, डॉ. गीतेश पटले, डॉ. ताराचंद बडघैया एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

16 से 20 सितम्बर की अवधि में हल्की वर्षा होने की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रिय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 05 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 16 से 20 सितम्बर की अवधि में हल्की वर्षा होने के साथ बिजली गिरने व मध्यम बादल कवर के साथ आंधी, तूफान चलने की संभावना रहेगी। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि वर्षा जल को खेत में संरक्षित करने के लिए मेड़ बनाएं। मेड़ ऊँचा एवं चौड़ा होना चाहिए ताकि वर्षा जल का अधिकाधिक संचय खेत में हो सके। वर्षा के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किसानों को सब्जी नर्सरी में जल निकासी के उचित प्रबंधन की सलाह दी गई है, साथ ही कीट नाशक के छिड़काव के साथ-साथ उर्वरक के प्रयोग से भी बचना चाहिए।

23 नवम्बर को होगी विभागीय लेखा प्रशिक्षण परीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर द्वारा वर्ष 2025 की लेखा प्रशिक्षण परीक्षा की तिथि 23 नवम्बर निर्धारित की गई है। इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षार्थियों द्वारा 19 सितम्बर शाम 06 बजे तक परीक्षा फॉर्म कार्यालय शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर में जमा किये जा सकते है। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर द्वारा इस बात से भी अवगत कराया गया है कि आवेदकों को अपना परीक्षा फॉर्म 02 प्रतियों में भेजना सुनिश्चित करना होगा।

कलार समाज किरनापुर की नवीन कार्यकारिणी का किया गया गठन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। कलार समाज भवन किरनापुर में 14 सितंबर को नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सहित अन्य सभी पदों पर सर्वसम्मति से समिति का गठन हुआ। जिसमें अध्यक्ष के लिए भूपेन्द्र धुवारे की सर्वसम्मति बनी। भूपेन्द्र धुवारे जो कि काफी समय से समाज के विभिन्न पदों पर रहकर और पूर्ण तत्परता, सहजता, दूरदर्शी विचारों के साथ समाज की सेवा लगे रहते है। वही उपाध्यक्ष पद हेतु अशोक मेश्राम, सचिव इमेश चिपरी, सहसचिव- भूपेन्द्र दौने, कोषाध्यक्ष जीवनलाल देशमुख मीडिया प्रभारी संदीप सिरसाज, राम तेलासे, महामंत्री रूपेन्द्र सिरसाज

शिवदयाल मलघाटी, दीपक हरडे तथा सदस्य राजेन्द्र सोनेकर, योगेश धुवारे, डॉ.बुधराम हिरखाने, संदीप सहारे, सुमित डोहरे, पीरमलाल केकती और अशोक हिरवाने शामिल है। इसी तरह संरक्षक मण्डल में कृष्ण कुमार बावनथडे, बी.आर सोनेकर, आई.के.सोनवाने, अजय सोनेकर, लिलेन्द्र सेवईवार, उगेन्द्र मेश्राम, छगनलाल सोनेकर और भीवराम तेलासे सहित अन्य उपस्थित सदस्यों में मोहन सोनेकर, ताराचन्द देशमुख, सुरेश मेश्राम, संजू बिसेन, नंदकिशोर मेश्राम, फागूलाल सोनेकर, महेश कावड़े और महेन्द्र कावडे उपस्थित रहे। उपरोक्त नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और अन्य सदस्यों ने समाज के हित में काम करने और प्रगति पथ संचालित करने का संकल्प लिया और सभी ने एक दूसरे बधाईयाँ दी तथा स्वागत अभिनंदन किया। उक्तशय की जानकारी कलार समाज किरनापुर के मीडिया प्रभारी संदीप सिरसाज व राम तेलासे द्वारा संयुक्त रूप से दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर एक अक्टूबर को होंगे विविध कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 01 अक्टूबर को मध्यप्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वृद्धजन दिवस का प्रमुख उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों की समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और उन्हें समावेशी भविष्य के निर्माण में सशक्त पहचान दिलाना है। कार्यक्रम की थीम समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजन की पहचान को सशक्त बनाना निर्धारित की गई है। जिला स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, संवाद सत्र एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित होंगी। इन आयोजनों का मुख्य फोकस यह रहेगा कि वृद्धजन केवल परिवार और समाज के अनुभव का आधार ही नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। विशेष आकर्षण के रूप में जिले में 'शतायु सम्मान' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके वृद्धजनों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। इस पहल से राज्य सरकार का उद्देश्य बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का संदेश देना है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने सभी जिला कलेक्टर और विभाग के जिला अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि कार्यक्रमों का स्वरूप स्थानीय परिस्थितियों और संसाधनों के अनुरूप तैयार किया जाए तथा प्रत्येक जिले में अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के आयोजन से प्रदेश में न केवल वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि समाज में उनके अनुभव और मार्गदर्शन की उपयोगिता को भी पुन: रेखांकित किया जाएगा। यह आयोजन प्रदेश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें बुजुर्गों को समाज की धरोहर मानते हुए उन्हें सम्मान और सहयोग प्रदान करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सहकारी कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन सहकारी बैंक के गेट पर लगाया ताला

बैंक प्रबंधन के खिलाफ जमकर की नारेबाजी, मांगे पूरी नहीं होने पर और उग्र आंदोलन किए जाने की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बीते कुछ दिन पहले ही सहकारी कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। 15 सितंबर को सहकारी कर्मचारीयों ने अपनी मांगों पर सरकार द्वारा कोई सुनवाई नहीं करने पर जिला मुख्यालय में उग्र प्रदर्शन किया। यहां सहकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बालाघाट पहुंचे, यहाँ कर्मचारियों ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया, उसके बाद सभी सहकारी कर्मचारी एक रैली के रूप में उग्र प्रदर्शन करते हुए, सहकारी बैंक पहुंचे ,यहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए बैंक के मुख्य गेट पर ताला लगाया और बैंक प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की , उसके बाद सरकारी कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल बैंक प्रबंधक श्री जोशी से मिला और अपनी विभिन्न मांगों का मांग पत्र उन्हें सौंपा और उनकी मांग को जल्द पूरी किए जाने की बात कही। वहीं चर्चा के दौरान बैंक प्रबंधक श्री जोशी ने बताया कि कुछ मांगे उनके वरिष्ठ स्तर की है , जिसमें वह कुछ नहीं कर सकते, किंतु कुछ स्थानीय स्तर की मांगों को पूरा किया जायेगा। वह भी चाहते हैं की हड़ताल पर गए कर्मचारी जल्द से जल्द अपने काम पर लौटे

। आपको बता दे की विगत एक सप्ताह से कामबंद हड़ताल पर गए, जिले के सभी 126 सहकारी समिति कर्मचारियों ने, 15 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष बी.एस. चौहान की मौजूदगी में आक्रोश रैली निकाली और सहकारी केन्द्रीय बैंक के गेट पर तालाबंदी की। इस दौरान यहां बैंक प्रबंधन को लेकर भी जमकर नाराजगी जाहिर की। प्रदेश अध्यक्ष बी.एस. चौहान ने प्रदेश और जिला पदाधिकारियों के साथ बैंक महाप्रबंधक पी. जोशी से मुलाकात कर उन्हें तीन सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा और चर्चा की। इस दौरान बैंक ने सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ को भरोसा दिलाया है कि प्रशासनिक तौर से वह मांगो को लेकर गंभीर है। इससे पहले प्रदेशाध्यक्ष जयस्तंभ चौक में आयोजित हड़ताल स्थल से पैदल सहकारी समिति कर्मचारियो को साथ लेकर आदिवासी नृत्य के साथ बैंक पहुंचे। जिसमें जिले के सहकारी समिति कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष बी.एस. चौहान ने बताया कि बैंक महाप्रबंधक से चर्चा हुई है। जिसमें हमने बताया कि जिला बैंको में आदेश के बावजूद 60 प्रतिशत कर्मचारियों का चयन नहीं किया गया है, उसे तत्काल किया जाए। अक्टूबर 2023 से प्रति विक्रेता को मिलने वाला भुगतान और बढ़ा हुआ वेतन जिले में कर्मचारियो को प्रदान किया जाएगा। महाप्रबंधक पी.सी. जोशी ने बताया कि तीन मांगो को लेकर महासंघ का प्रतिनिधिमंडल मिला था। जो मांगे है वह शासनस्तर की है। जिस पर शासन के नीति में

मनरेगा संविदा अधिकारी कर्मचारियों ने एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर सौंपा ज्ञापन

मांगे पूरी नहीं होने पर हड़ताल की बनाई जा रही रणनीति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों जिला मुख्यालय में अधिकतर शासकीय अधिकारी ,कर्मचारी अपने-अपने बैनर तले, अपनी विभिन मांगे पूरी नहीं होने को लेकर हड़ताल कर रहा है और कुछ शासकीय, अधिकारी हड़ताल किए जाने की रणनीति बना रहे हैं । इसी क्रम में मनरेगा संविदा अधिकारी ,कर्मचारी संघ द्वारा भी दो महीने का मानदेय नहीं मिलने सहित संविदा नीति 2023 को लागू किए जाने की मांग को लेकर एकदिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें उनकी मांगे शीघ्र पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की रणनीति बनाई जा रही है । आपको बता दे कि रोजगार गारंटी अधिकारी एवं कर्मचारी संघ द्वारा दो माह से मानदेय नहीं मिलने पर शीघ्र मानदेय दिये जाने सहित अपनी पुरानी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान मनरेगा अधिकारी कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष विनोद कुमार वट्टी ने बताया कि संगठन के प्रदेश व्यापी आव्हान पर सोमवार को सभी मनरेगा अधिकारी कर्मचारियों द्वारा एक दिवसीय अवकाश पर रहकर वर्ष 2023 में संविदा नीति लागू हुई थी, वह नीति न लागू कर 2025 में म.प्र शासन ने संशोधन कर नई नीति लागू की है। जिसका मनरेगा के समस्त संविदा अधिकारी कर्मचारी द्वारा घोर विरोध करते हुये वर्ष 2023 की संविदा नीति लागू करने पूर्व में भी ज्ञापन सौंपा गया है। लेकिन सरकार इस पर अमल नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि शीघ्र मांग पूरी नहीं हुई तो प्रांतीय संगठन के द्वारा जो भी रूपरेखा तैयार की जाएंगी उस अनुसार आंदोलन किया जाएंगा। ज्ञापन सौंपते समय संविदा मनरेगा अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने मांगों के संबंध में बताया कि मनरेगा अधिकारी कर्मचारियों को दो माह का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे आर्थिक संकटों से गुजरना पड़ रहा है। शीघ्र वेतन का भुगतान किया जाए। शासन द्वारा वर्ष 2023 में संविदा अधिकारी कर्मचारी के हितों को ध्यान में रखते हुये नीति जारी की गई थी। लेकिन सरकार द्वारा उस नीति को लागू न कर वर्ष 2025 में उक्त नीति को संशोधित कर अधिकारी कर्मचारियों की उपेक्षा करते हुये नीति जारी की गई है। जिससे प्रदेश के समस्त संविदा अधिकारी कर्मचारी इससे आक्रोशित है। जिससे अधिकारी कर्मचारियों को अपने हितों व अधिकारों के लिये सडक पर उतरकर आंदोलन करने बाध्य होना पड़ रहा है।

सरपंच पति पवन चिखले पर गाली देने और जान से मारने की धमकी देने का अपराध दर्ज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम बकोड़ी के वार्ड नंबर ६ निवासी आनंद बंसोड़ के द्वारा झाडगांव सरपंच पति पवन चिखले पर गाली देकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी आनंद पिता अनिल बंसोड के द्वारा थाने में लिखित शिकायत दी गई की मैं ग्राम बकोडी रहता हूँ खेती किसानी का काम करता हूँ १४ सितंबर की रात्रि १२.३० बजे की बात है। मुझे गांव के बेमन पंचेश्वर ने फोन करके बताया कि आकुटोला घाट में पिछले सात दिनो से कुछ लोग रेत खनन का कार्य कर रहे है। फिर मैं और गांव के लोग मिलकर आकुटोला घाट पहुंचे तो वहां पर ट्रेक्टर में रेत भरे हुये थे। जिसे मैंने व गांव वालो ने रोका तो पवन चिखले मुझे बोलने लगा की तू कौन होता है मेरे ट्रेक्टर रोकने वाला बोलकर मुझे गालियां देने लगा जो सुनने में बुरी लग रही थी और मुझे बोलने लगा कि अगर तुम लोगो ने मेरे ट्रेक्टर को रोका तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। पुलिस ने प्रार्थी आनंद बंसोड की शिकायत पर पवन चिखले झाड़गांव निवासी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा २९६,३५१ २ के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

गढ़ी पुलिस ने धोखाधड़ी के दो मामले का किया खुलासा-तीन आरोपी गिरफ्तार

किराए से लिए गए ट्रैक्टर की ट्राली को बेचकर तो धान खरीदी में की धोखाधड़ी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की गढ़ी पुलिस ने धोखाधड़ी के दो मामले में खुलासा करते हुए जहां किसानों से किराया से लिए गए 7 ट्रैक्टर ट्राली को बेचकर धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी कमलेश पिता सुखदेव यादव 24 वर्ष ग्राम जामटोला थाना गढ़ी निवासी को गिरफ्तार किये। तो वही इस आरोपी से उनके द्वारा बेचे गए 7 ट्रैक्टर ट्राली भी जप्त की गई जिनकी कीमत करीब 11 लाख रुपए बताई गई है। वहीं किसानों से धान खरीद कर उन्हें खरीदी गई धान की राशि का भुगतान न कर धोखाधड़ी करने के इस मामले में भी दो आरोपी बंशी उर्फ बसंत पिता श्याम लाल यादव 38 वर्ष बैजलपुर थाना गढ़ी और दिनेश कुमार पिता धनवा सिंह मरकाम 43 वर्ष वार्ड नंबर 9 गढ़ी निवासी को गिरफ्तार किए हैं। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है

इस मामले में एक आरोपी विनोद भासन्त फरार है।

किराए से लिए गए ट्रैक्टर ट्राली बेचकर की धोखाधड़ी-एक आरोपी गिरफ्तार

गढ़ी पुलिस के मुताबिक तीन महीने पहले कमलेश यादव ने सात कृषकों से 7 ट्रैक्टर की ट्रालियां किराए पर ली थी। किंतु कमलेश यादव ने इन लोगों को ट्रैक्टर ट्राली का किराया नहीं दिए और और ट्रैक्टर ट्राली भी वापस न करते हुए इन ट्रैक्टर ट्रालियों को बिक्री कर कर दिया था। ट्रैक्टर ट्राली के मालिक सुनील अर्मो, नितेश मांगरे, देवराज कुसरे,देवेंद्र तिल्लासी,संपत धुर्वे,राजू पट्टावी मनीष कुसरे ने शिकायत गढ़ी पुलिस थाना में की थी। गढ़ी पुलिस द्वारा की गई पुलिस ने शिकायत जांच में कमलेश यादव द्वारा इन लोगों से किराए से लिए गई 7 ट्रैक्टर ट्राली को बिक्री करके इन लोगों के साथ धोखाधड़ी किया जाना पाया गया।गढ़ी पुलिस ने कमलेश यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी की इस मामले में धारा 316(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई और कमलेश यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ किये जाने पर उसने किराए से ली गई 7 ट्रैक्टर ट्राली को बेचना बताया। जिसकी निशानदेही 13 सितम्बर को ट्रैक्टर की ट्राली को ग्राम पडरिया, नारायणगंज, टिकरिया, माढोगढ़ कूड़ामेली, झाजनगर जिला मंडला एवं मलाजखंड बिरसा से जप्त की गई। सात ट्रालियों की कीमत करीब 11 लाख रुपए बताई गई है। गढ़ी पुलिस ने इस मामले में कमलेश यादव को गिरफ्तार कर बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

किसानों से धान खरीदी में की धोखाधड़ी-2 आरोपी गिरफ्तार

हालोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड गढ़ी के नाम पर किसानों से धान खरीदी कर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। धोखाधड़ी के इस मामले में दो आरोपी बंसी उर्फ बसंत यादव और और दिनेश कुमार मरकाम को गिरफ्तार कर लिया गया है। जनवरी माह से इन लोगों ने अपने साथियों के साथ इस क्षेत्र के किसानों से 2300 रुपए प्रति कुंटल के हिसाब से 3 लाख रुपये से अधिक की धान खरीदी की थी किंतु इन्होंने किसानों से खरीदी गई धान की राशि का भुगतान नहीं किया। इन किसानों ने जब भी बंसी उर्फ बसंत यादव और दिनेश कुमार मरकाम से खरीदी की गई धान की राशि भुगतान करने कहे तो ये लोग टालमटोल करने लगे। किसानों को उनकी बिक्री की गई धान की राशि नहीं मिलने पर कृषक ममता धुर्वे, कृषक धरम सिंह टेकाम, कृषक विष्णु परते, कृषक सुमित परते सहित अन्य कृषिकों ने गढ़ी थाना में रिपोर्ट की थी। गढ़ी पुलिस इन कृषकों द्वारा की गई शिकायत पर धारा 318(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की और विवेचना दौरान आरोपी बंसी उर्फ बसंत यादव और दिनेश कुमार मरकाम को गिरफ्तार कर लिए । 15 सितंबर को दोनों आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। इस मामले में एक विनोद भासन्त फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। इस संपुर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी भुपेन्द्र सिंह पन्द्रो के नेतृत्व में गढी पुलिस थाने के समस्त कर्मचारीयों का सहयोग रहा।

निर्माणाधीन अमृत भारत स्टेशन के कार्यों का रेलवे महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

कहा जल्द दूर होगी बालाघाट से गोंदिया ट्रेन की लेटलतीफी की समस्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश पहली बार बालाघाट रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने

अमृत भारत योजना से चल रहे निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया । साथ ही उन्होंने बताया कि बालाघाट से गोंदिया के बीच हो रही लेटलतीफी की समस्या का यात्रियों को जल्द ही छुटकारा मिलेगा ,उन्होंने स्टेशन में साफ सफाई सहित अन्य यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं को और अच्छा किए जाने की बात कही । आपको बता दे कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने सोमवार को सायंकाल 5 बजे, बालाघाट स्टेशन का निरीक्षण किया। वह पूरे अमले के साथ सोमवार को मंडला फोर्ट से गोंदिया तक होने वाले निरीक्षण कार्य में निकले थे। स्पेशल ट्रेन से बालाघाट पहुंचे महाप्रबंधक ने बालाघाट स्टेशन में अमृत भारत योजना से बालाघाट रेलवे स्टेशन के हो रहे कायाकल्प, यात्रियो की सुविधा के लिए बनाए गए वेटिंग रूम, कर्मचारियों की ड्यूटी सहित स्टेशन परिसर का निरीक्षण कर अधिनस्थ अमले को निर्देश दिए। पहली बार बालाघाट पहुंचे तरूण प्रकाश ने निरीक्षण के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मंडला फोर्ट से गोंदिया तक आज निरीक्षण किया जा रहा हैं। इस निरीक्षण का उद्देश्य,यात्रियों की सुरक्षा, सुविधाएं और मैटनेंस ड्युटी के कर्मचारियों का आंकलन करना था। साथ ही अमृत भारत स्टेशन के तहत हो रहे कार्य समय से पूर्व हो जाए। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन से बालाघाट स्टेशन के कायाकल्प का काम लगभग पूर्ण हो चुका है, 15 से 20 दिनो में सभी कार्य पूरे हो जाएंगे। स्टेशन का फ्रंट सुंदर बना है, टॉयलेट, वेटिंग हॉल का कायाकल्प हो गया है। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। बालाघाट-गोंदिया खंड पर टेऊनो की लेटलतीफी के सवाल पर उन्होंने बताया कि गोंदिया स्टेशन में बने आरओआर में मालगाड़ी का संचालन शुरू हो गया है जल्द ही इस खंड में, ट्रेनो के देरी की समस्या खत्म हो जाएगी। नैनपुर तक आने वाली पेंचवली के पाद्रीगंज में खड़े रहने पर उसे बालाघाट तक विस्तारित किए जाने के सवाल पर उन्होंने बताया कि ऐसी कोई योजना नहीं है। उन्होंने गोंदिया से जबलपुर तक डबल लाईन के सवाल पर बताया कि इस परियोजना का काम पूरा हो गया है और रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजकर स्वीकृति मिलने के बाद, इस काम को शुरू कर दिया जाएगा।

अपनी मांगो को लेकर शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के निर्देशानुसार एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ भोपाल के मार्गदर्शन में जिला कार्यकारिणी बालाघाट ने उच्चतम न्यायालय द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए दिए गए आदेश जिसमें 20-30 वर्ष पूर्व लगे शिक्षको को भी परीक्षा हेतु आदेशित किया गया है, जबकि यह सभी शिक्षक कोई न कोई पात्रता परीक्षा देकर ही विभाग में आए हैं। आदेश से उत्पन्न संकट एवं दुष्परिणाम के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नाम ज्ञापन देकर उक्त आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई है। ज्ञापन में जिला अध्यक्ष पंकज चिले, संभागीय संगठन मंत्री श्री यादोकांत बिसेन, जिला संगठन मंत्री देवनलाल गोलेन्द्र, अशोक दीक्षित, बसंत डोंगरे, संभागीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटले, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रेश पटले, डी के रामटेके, अरविन्द मिश्रा उपस्थिति रहे।

वन परिक्षेत्र पश्चिम बैहर के जंगल में रेत का अवैध रूप से परिवहन कर रहे ट्रैक्टर ट्राली जप्त

वन व्रत बालाघाट के उड़नदस्ता ने की कार्रवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन विभाग द्वारा रेत के अवैध परिवहन को रोकने चलाए जा रहे अभियान के तहत उड़नदस्ता दल बालाघाट ने वन परिक्षेत्र पश्चिम (बैहर,)सामान्य के अंतर्गत वन क्षेत्र से रेत का अवैध रूप से परिवहन कर रहे ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया और ट्रैक्टर चालक अजय पिता कृपाल सिंह पुसाम ग्राम ढिपुर थाना परसवाड़ा निवासी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 एवं 15 सितंबर की दरमियानी रात उड़न दस्तादल वन व्रत बालाघाट को मुखबीर जरिए सूचना मिली कि वन परिक्षेत्र पश्चिम(बैहर) सामान्य के अंतर्गत आने वाले बीट के वन क्षेत्र से ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से रेत का अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। मुखबिर की इस सूचना पर उड़नदस्ता दल बघोली बीट के अंतर्गत पोगारझोडी मार्ग पर स्थित कक्ष क्रमांक 1461 में घेराबंदी किये। इस दौरान वहा से गुजर रही ट्रैक्टर ट्राली को रोके और पूछताछ करने पर ट्रैक्टर चालक ने अपना नाम अजय पुसाम ग्राम ढिपुर थाना परसवाड़ा निवासी बताया। जिससे इस रेत के परिवहन से सम्बंधित दस्तावेज मांगे गए। किंतु अजय पुसाम जे पास इस रेत के परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। अजय पुसाम द्वारा वन क्षेत्र से ट्रैक्टर ट्राली में अवैध रूप से रेत भरकर परिवहन करना पाया गया। रेत से भरे ट्रैक्टर ट्राली एमपी 50ए 7285 को जप्त किया गया और इस रेत के अवैध परिवहन करने के आरोप में ट्रैक्टर चालक अजय पुसाम के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत कार्रवाई की गई।

आठवें दिन भी जारी रही सहकारिता कर्मचारियों की हड़ताल, किसान और गरीब परेशान

गरीब बिना राशन तो किसान बिना खाद लिये ही लौट रहे, शासन प्रशासन के प्रति जताई नाराजगी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय आव्हान पर लालबर्रा विकासखंड के सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर पिछले आठ दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। 8 सितंबर से शुरू हुई इस हड़ताल के कारण सहकारिता विभाग से जुड़े सभी कार्य पूरी तरह से ठप्प हो गए हैं। जिससे गरीब और किसान वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। इस हड़ताल ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के तहत मिलने वाला राशन, खाद वितरण, ऋण वितरण और बैंक से जुड़े लेन-देन जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरी तरह से रुक गये हैं। सेवा सहकारी समितियों और उचित मूल्य की दुकानों पर ताले लटके होने के कारण, ग्रामीण और किसान बिना काम करवाए ही वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

ये है प्रमुख मांगे

सहकारी कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों को जिला बैंकों में प्रबंधक पद पर तत्काल चयन कराना, विक्रेताओं को 3000 रुपये का मानदेय दिलवाना और समितियों को प्रबंधकीय अनुदान की राशि मुहैया कराना शामिल है। कर्मचारियों का आरोप है कि ये मांगें पिछले कई वर्षों से लंबित हैं और सरकार के द्वारा इन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है। जिससे सहकारिता विभाग के कर्मचारियों में शासन प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

किसानों को हो रही सबसे ज्यादा परेशानी

सहकारिता विभाग के कर्मचारियों के हड़ताल का सबसे ज्यादा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान में धान की फसल में यूरिया खाद की सख्त आवश्यकता है, लेकिन सोसायटियों के बंद होने से उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। किसान बार-बार समितियों के चक्कर लगा रहे हैं, पर उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। इस समय यूरिया की कमी से उनकी फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे किसान परेशान है। वही कर्मचारियों की इस हड़ताल से आम जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिन लोगों को हड़ताल की जानकारी नहीं है, वे रोज अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए समितियों पर पहुँच रहे हैं, लेकिन ताला लटका देखकर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

गरीब राशन से वंचित

इस हड़ताल ने न केवल किसानों की परेशानी बढ़ाई है, बल्कि गरीब परिवारों के लिए भी भुखमरी का संकट पैदा कर दिया है, क्योंकि उन्हें पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के तहत मिलने वाला राशन नहीं मिल पा रहा है। क्षेत्र के गरीब परिवार, जो हर महीने सरकारी राशन पर निर्भर रहते हैं, इस हड़ताल से सबसे %यादा प्रभावित हैं। उन्हें उचित मूल्य की दुकानों पर ताला लटका हुआ मिल रहा है। कई ऐसे परिवार हैं जिनके पास राशन खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं और वे पूरी तरह से पीडीएस के चावल, गेहूं और शक्कर पर निर्भर हैं। दुकानों के बंद होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही जिन लोगों को हड़ताल की जानकारी नहीं है, रोज राशन लेने के लिए आते हैं और खाली हाथ वापस लौट रहे है। गरीबों का कहना है कि अगर यह हड़ताल जल्द खत्म नहीं हुई तो उनके सामने खाने का संकट खड़ा हो जायेगा।

धान खरीदी का पंजीयन कार्य रहा ठप्प

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन के लिए 15 सितंबर से पंजीयन शुरू हुआ, लेकिन सहकारिता विभाग के कर्मचारियों की चल रही हड़ताल के कारण पहला दिन ही पंजीयन कार्य पूरी तरह ठप्प रहा। किसान अपने दस्तावेज लेकर पंजीयन केंद्रों पर भटकते रहे और वापस लौटने को मजबूर हुए। हड़ताल के कारण पंजीयन केंद्रों पर कोई काम नहीं हो पा रहा है जिससे किसानों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

राशन के लिये लगा रहे है सोसायटी के चक्कर - गोविंद

गोविंद मड़ावी ने बताया कि राशन के लिए हम लोग रोज सोसायटी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन सोसाइटी में हमें ताला ही बंद मिलता है। जब हमने जानकारी ली तो पता चला कि कर्मचारियों की हड़ताल के कारण राशन नहीं बंट रहा है, जिसके कारण हमें बिना राशन लिये ही वापस लौटना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में हमारे सामने अनाज की समस्या उत्पन्न हो गई है। हम रोज कमाने-खाने वाले लोग हैं और राशन मिलने से ही भरण-पोषण होता है। सितंबर माह के 15 दिन बीत चुके हैं और अब तक हमें राशन नहीं मिला है, जिससे हम लोग बेहद परेशान हैं। प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द हड़ताल समाप्त की जाए और हमें राशन उपलब्ध कराया जाए, ताकि हमारी समस्या का समाधान हो सके।

हड़ताल से किसानों को नहीं मिल रही है खाद - सिलेकर

डी.पी. सिलेकर ने बताया कि किसानों की बोवाई का काम पूरा हो चुका है और वर्तमान में फसलों के लिए यूरिया खाद की अत्यंत आवश्यकता है। ऐसे समय में प्राथमिक कृषि समितियों की हड़ताल प्रारंभ हो चुकी है, जिसके कारण किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है यदि शीघ्र खाद की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो कई किसानों की फसलें नष्ट होने की स्थिति में आ सकती हैं। किसानों के समक्ष यह गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। श्री सिलेकर ने कहा कि अक्सर समितियों व कर्मचारियों द्वारा वेतन वृद्धि और अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया जाता है। इसका खामियाज़ा गरीब किसानों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि तत्काल हस्तक्षेप करते हुए हड़ताल समाप्त कराई जाए और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराया जाए।

किसानों की फसल हो जायेगी बर्बाद - रामचंद्र

किसान गर्जना संगठन अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों की हड़ताल के चलते जरूरतमंदों को राशन और किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है। जबकि वर्तमान में किसानों को सबसे अधिक आवश्यकता खाद की है क्योंकि फसले पूरी से तैयार हो चुकी है यदि समय पर किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हुई तो पूरी फसल बर्बाद होने का खतरा है। वहीं गरीब मजदूरों तक अनाज की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है, जिससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल में पड़ी हुई है। शासन-प्रशासन से हमारी मांग की है कि वे हड़ताली कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का जल्द समाधान निकालें और हड़ताल को समाप्त कराएं, ताकि किसान और मजदूर वर्ग को इस संकट से राहत मिल सके।

ओरिएंटल इंस्टिट्यूट ऑफ लालबर्रा में हिंदी दिवस पर न्यायिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट मार्ग पर स्थित ओरिएंटल इंस्टिट्यूट में 15 सितंबर को हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम सुश्री नेहा बाथरी न्यायाधीश प्रथम वर्ग वारासिवनी के मुख्य आतिथ्य, डायरेक्टर एच.सी. हनवत के निर्देशन तथा संस्था प्रमुख ऐश्वर्य बिसेन की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये न्यायिक व्यवस्था, कानून की मूलभूत समझ और नागरिकों के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि न्याय और कर्तव्यों के प्रति सजग रहना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर हिंदी भाषा के महत्व, उसकी उपयोगिता और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया। संस्थान परिसर में सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं शिक्षकीय स्टाफ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। सभी ने हिंदी दिवस कार्यक्रम के माध्यम से भाषा के संरक्षण और न्यायिक जागरूकता जैसे गंभीर मुद्दों से जुड़े संदेशों को आत्मसात किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रमुख ऐश्वर्य बिसेन ने सिविल कोर्ट वारासिवनी से पधारी मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदी दिवस समारोह उत्साह, अनुशासन और प्रेरणा से परिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रानी नगपुरे, डॉ. मंजूषा शांडिल्य, रक्षा ठाकरे, नेहा दमाहे, आंचल भौतेकर, दीपिका बिसेन, शीतल बिसेन, आंचल कटरे, रितिक कटारे, देवेंद्र यादव, सुरभि ठाकरे एवं संजय नदरधने सहित समस्त स्टाप उपस्थित रहा।

जनपद में सचिव-रोजगार सहायको की बैठक सम्पन्न

लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के दिये निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभा कक्ष में 15 सितम्बर को पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों की बैठक सम्पन्न हुई। यह बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई, खंड पंचायत अधिकारी खिलेंद्र सोनवंशी तथा समग्र सामाजिक सुरक्षा अधिकारी आकाश बोकडे की उपस्थित में प्रारम्भ हुई। आयोजित बैठक में मनरेगा के अंतर्गत लंबित निर्माण कार्यों, सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों तथा अन्य सामाजिक योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई ने सचिव एवं रोजगार सहायकों से निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूर्ण कर, गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने, जनता को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले इस ओर बेहतर प्रयास करने के लिये कहा क्योंकि शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाना यह हमारी प्राथमिकता है। इसलिए सभी पात्र लोगों को योजना का लाभ दिलवाये। खंड पंचायत अधिकारी खिलेंद्र सोनवंशी ने पंचायत से संबंधित शिकायत निवारण में तेजी लाकर लोगों की समस्याएं समय पर सुलझाने की बात कही। समग्र सामाजिक सुरक्षा अधिकारी आकाश बोकाडे ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों की सूची का नियमित अद्यतन एवं सही जानकारी का प्रवाह आवश्यक है ताकि लाभ सीधे पात्रों तक पहुंचे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पंचायत के सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन की बैठक सम्पन्न

बैठक में विभिन्न बिंदु पर की गई चर्चा, 17 को मनाई जायेगी विश्वकर्मा जयंती

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के बालाघाट रोड स्थित लान में रविवार को राष्ट्रीय कॉन्ट्रेक्टर लेबर यूनियन की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। यह बैठक यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय पटले, राष्ट्रीय टीम प्रदेश अध्यक्ष केशव अजीत एवं लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष हुकुमचंद पंचेश्वर के प्रमुख आतिथ्य में प्रारम्भ हुई। बैठक में बिल्डिंग वर्क के काम करने में आने वाली परेशानी, मजदूर व ठेकेदारों के हित में काम करने सहित अन्य बिन्दुओ पर चर्चा की गई। साथ ही 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती मनाने का निर्णय लिया गया और सभी को संगठित होकर काम करने की बात कही गई। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया कि यदि किसी कार्यस्थल पर हादसा होता है तो यूनियन की ओर से पीड़ित परिवार को तत्काल 51000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। यह कदम मजदूरों एवं ठेकेदारों की सुरक्षा तथा सहयोग को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। वही आगामी 17 सितंबर को मानपुर स्थित लान में विश्वकर्मा जयंती मनाने का भी निर्णय लिया गया। वही इस आयोजन में क्षेत्र के सभी ठेकेदारों एवं मजदूरों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बैठक को सम्बोधित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि हमारा कार्य मजदूरों के सहयोग पर आधारित है और मजदूरों के बिना कोई भी काम पूर्ण नहीं हो सकता। कई बार कार्यस्थल पर हादसों में मजदूर भाई-बहन घायल हो जाते हैं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वे उचित इलाज नहीं करवा पाते और परिवार के भरण-पोषण में भी कठिनाई झेलनी पड़ती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए यूनियन ने यह निर्णय लिया है कि यदि किसी मजदूर को कार्य के दौरान चोट लगती है या वह किसी दुर्घटना का शिकार होता है, तो पीड़ित परिवार को यूनियन की ओर से तत्काल 51000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। साथ ही यहां भी कहा कि 17 सितंबर को मानपुर लॉन में विश्वकर्मा जयंती मनाई जायेगी। इस अवसर पर संगठन ने सभी मजदूर भाइयों और बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाये।

जाम में बंदर और आवारा कुत्तों से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

बंदरों एवं आवारा कुत्तों को पकड़कर जंगलो में छोड़ने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत जाम में विगत कई दिनों से आवारा बंदरों और कुत्तों ने आतंक मचाया हुआ है। जिससे ग्रामीणजन खासा परेशान है। वही आवारा कुत्तो व बंदरो के आतंक इतने बढ़ गये है कि लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि रोजाना करीब 60 से 70 की संख्या में बंदरों का झुंड गाँव में घुस आता है। ये बंदर घरों के आंगनों और खेतों में लगी लौकी, कद्दू, तोरई, पपीता सहित अन्य सब्जियों को भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं। इससे तंग आकर जब ग्रामीण इन्हें भगाने का प्रयास करते हैं तो बंदर उनके ऊपर जानलेवा हमला कर देते हैं। परिणामस्वरूप गाँव के कई लोग घायल हो चुके हैं जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। आगे बताया कि इसी तरह, बड़ी संख्या में घूम रहे आवारा कुत्तों का झुंड भी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। रास्ते से गुजरने वाले लोगों पर अचानक झपटकर ये कुत्ते उन्हें घायल कर रहे हैं। ब%चों एवं बुजुर्गों में इन घटनाओं को लेकर भय का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने आवारा बंदरों और कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़कर किसी अन्य स्थान पर छोड़ने की मांग की है, ताकि गाँव के लोग राहत की साँस ले सकें।

मंगेझरी में जंगली सूअर के आतंक से किसान परेशान

जंगली सूअर के हमले में किसान उरकुड़ पटले घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी में लंबे समय से जंगली सूअर का आतंक बना हुआ है। जहां पर वर्तमान में सबसे ज्यादा किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि किसानों का खरीफ का सीजन चल रहा है खेतों में किसानों के द्वारा धान की फसल लगाई गई है। जहां पर समय समय पर खेती कार्य के लिए किसान आना जाना करते हैं तो वहीं प्रतिदिन घूमने के लिए भी किसान खेतों के तरफ आते हैं। ऐसे में लगातार किसान जंगली सूअर के हमले में घायल होते जा रहे हैं। इसी कड़ी में १४ सितंबर की शाम ५ बजे अपने खेत में काम कर रहे किसान उरकुड़े पिता मयाराम पटले मंगेझरी निवासी पर अचानक जंगली सूअर के द्वारा हमला कर दिया गया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना में घायल के दाएं पैर की पिंडरी को जंगली सूअर ने फाड़ दिया है तो वहीं दाएं हाथ और सर में भी चोट आई है। किसान के चिल्लाने पर आस पड़ोस के लोग दौड़ के आए जिन्होंने देखा कि जंगली सूअर है तो उसे खदेड कर तत्काल घायल के परिवार को सूचना देकर संजीवनी १०८ की मदद से उसे सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां उनका उपचार जारी है। इस प्रकार के हमले जंगली सूअर के द्वारा पहले भी ग्राम के किसानों के ऊपर किया जा चुके हैं जिसमें महिला

और पुरुष को घायल होना पड़ा है। ग्राम में लंबे समय से स्थिति यह बनी हुई है कि खेत की तरफ अकेला व्यक्ति जाने के लिए सोचता है ,जहां समूह बनाकर दो.चार लोग खेतों में कार्य करने के लिए जाते हैं। तो वहीं महिलाएं अकेली नहीं जा पा रही है इस प्रकार ग्राम के अंदर लोगों में जंगली सूअर का डर भरा हुआ है। लंबे समय से फेंसिंग या अन्य कार्यवाही कर वन विभाग के द्वारा जंगली सूअर को भगाने की मांग ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है । किंतु वर्तमान तक वन विभाग के द्वारा इस ओर कोई कार्य नहीं किया गया है। ऐसे में ग्रामीणों के अंदर वन विभाग के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है की लगातार उन्हें जान माल के नुकसान से जूझना पड़ रहा है। क्योंकि ग्राम में लगी किसानो की खेती में भी जंगली सूअर दौड़कर उसे नुकसान पहुंचा रही है। जगह.जगह गड्ढे कर उनकी फसल पर भी असर देखने को मिल रहा है ।इस दौरान समूह में यह जंगली सूअर आती है जो बीच खेत से दौड़ने पर पौधे भी मर जाते हैं। किसानो को जान का जोखिम तो लगा ही है परंतु फसल का नुकसान भी उसे सहन करना पड़ रहा है। जंगली सूअर की संख्या भी ग्राम के अंदर इतनी ज्यादा हो गई है कि किसानों को आसानी से खेतों में यह देखने मिल जाते हैं और कई बार किसानों को जान बचाकर भागना पड़ता है। यह स्थिति किसानों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है जिसको लेकर ग्रामीण वन विभाग से व्यवस्था बनाने की मांग कर रहे हैं।

जंगली सूअर के भय से किसानों का खेती में कार्य करना बंद हो गया है-मंगलप्रसाद उइके

ग्रामीण मंगलप्रसाद उइके ने बताया कि हमारे यहां जंगली सूअर की अती हो गई है स्थिति यह है कि खेत जाने की इच्छा नहीं होती है। महिलाएं अकेली जा नहीं सकती है जंगली सूअर हम पर कभी भी अचानक हमला कर देती है। कल मैं अपने खेत गया तो मुझे एक बड़ा सूअर दिखाई दिया जहां डरकर वापस घर आ गया। खेत में इनका बहुत ज्यादा हंगामा है मेढ और खेत को खोदती रहते हैं । खेत में पानी जमा नहीं हो पता है झुंड में जब दौड़ते हैं तो पूरी फसल को रौंद देते हैं उखाड़ देते हैं। इनका बंदोबस्त होना चाहिए क्योंकि हम खेतों में डर कर जा रहे हैं सामूहिक रूप से जा रहे हैं अकेले कोई महिला नहीं जा सकती है।

जंगली सूअर के आंतक से जान के साथ फसलो का भी नुकसान हो रहा है-देवेंद्र चौहान

वन समिति अध्यक्ष देवेंद्र चौहान ने बताया कि हमारे ग्राम के उरकुड पटले शाम को खेत में घूमने के लिए गए थे तो वहां पर जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया। इनके हाथ पैर सर में गंभीर चोटे आई है हमारे गांव में बहुत ज्यादा जंगली सूअरो का आतंक हो गया है जंगली सूअर की संख्या भी बहुत ज्यादा हो गई है। यह तो कोई पहला केस नहीं है इसके पहले भी मंगेझरी बस्ती की एक महिला घायल हुई थी उसके पहले तीन चार लोग घायल हुए हैं। वन विभाग के रेंजर को फेंसिंग लगाकर कुछ व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि किसानों के खेतों में जंगली सूअर ना आए। पिछले दो से चार वर्ष हो गया है हम बहुत ज्यादा परेशान है स्थिति बहुत ज्यादा खराब है पूरी धान जंगली सूअर उखाड़ रही है जान के साथ फसल का नुकसान भी लगा हुआ है।

कोचेवाही में बी टी एक्ट रद्द करने कार्यक्रम आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ग्राम कोचेवाही में बौद्ध उपासक उपाशिकाएं एवं बच्चे एवं डॉक्टर बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष एकत्र हुए। और पूज्य भंते तथा अतिथियों की गरीमा मयी उपस्थिति में प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर तथा माल्यार्पण कर डॉक्टर आर के डोंगरे के द्वारा सामूहिक त्रिशरण पंचशील ग्रहण करवाई गई। पश्चात जय भीम, जय बुद्ध, बी टी एक्ट रद्द करो का जय घोष करते हुए रैली विश्वदीप बौद्ध विहार पहुंची । जहां पर पूज्य भंते बुद्धपाल का सभी उपासक उपासिकाओं ने पुष्प देकर स्वागत सत्कार किया। तत्पश्चात डॉक्टर आंबेडकर एवं बुद्ध प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प एवं पुष्प मालाओं से स्वागत सत्कार कर पूज्य भंतेजी के द्वारा पूजा वंदना करवाई गई । इसी तरह सभा मंच में भी उपस्थित बाहर से आए हुए बालाघाट जिला बौद्ध संघ के जिला संरक्षक जे एस चौरे ,कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर आर के डोंगरे , एच आर रानाडे ,जी आर डोंगरे ,एल सी मेश्राम ,सुजीत डोंगरे ,हअशोक मेश्राम का ग्राम समिति के पदाधिकारियों ने पुष्पों से स्वागत सत्कार किया। तत्पश्चात पूज्य भंते बुद्धपाल के द्वारा विस्तार से बुद्ध ,आंबेडकर एवं मनुष्य के जीवन में सुख और दुख का कारण पर सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए धर्म देशना दी गई। तत् पश्चात प्रमुख समिति पदाधिकारी जिनमें राजेंद्र मेश्राम को धम्मपद, योगीराज गजभिए को शील्ड, मनोज बारमाटे को शील्ड ,राजकुमार पहले को शील्ड,भारती बारमाटे को डॉक्टर आंबेडकर ,अम्लता झरिया को डॉक्टर आंबेडकर, सरिता पहले को डॉ आंबेडकर तथा कशिश पटले को को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया । तत्पश्चात संस्कारकर्त एवं बोधाचार्य एच आर रानाडे के द्वारा भी बुद्ध एवं डॉक्टर आंबेडकर पर सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की गई । डॉक्टर आर के डोंगरे बोधाचार्य एवं संस्कारकर्त के द्वारा बुद्ध धम्म एवं संघ तथा पंचशील का हिंदी अनुवाद बताते हुए ,कढाई से पालन करने ,जिसमें हिंसा करने से विरत रहना , चोरी करने से विरत रहने ,व्यभिचार से विरत रहने ,झूठ बोलने से विरत रहने एवं नशीली वस्तुओं के सेवन से दूर रहने तथा डॉक्टर आंबेडकर के द्वारा सभी लोगों के लिए २२ प्रतिज्ञाओं का कढ़ाई से पालन करने की अपेक्षा की ।तथा बुद्ध धर्म अनुसार आचरण कर अपने जीवन को सुखी बनाने की बात कही गई ।सफल मंच संचालन जे एस चौरे एवं योगीराज गजभिए के द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेंद्र मेंश्राम , योगीराज गजभिए ,मनोज बारमाटे ,राजकुमार पटले, भारतीय पटले का सराहनीय योगदान रहा।

डंडो से मारने वाला मोटरसाइकिल गैंग नगर में हुआ सक्रिय

सोमवार की प्रात: तीन व्यक्तियों को अज्ञात व्यक्तियों ने मारे डंडे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में सोमवार की सुबह विभिन्न स्थानों पर तीन व्यक्तियों को अज्ञात मोटरसाइकिल सवारो के द्वारा डंडे मारकर रफूचक्कर होने का मामला प्रकाश में आया है। इसमें बताया जा रहा है कि इसके पहले भी इस प्रकार की हरकतें नगर में हो चुकी है यह फिर से प्रारंभ हो गई है। इस घटना में अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल में सवार होकर हाथों में डंडा लेकर प्रात: काल के समय निकलते हैं जो सड़कों में घूमने वाले व्यक्तियों की पीठ पैर या हिप्स पर डंडे बरसाकर फरार हो जाते हैं ऐसे में रहा चल रहा व्यक्ति परेशान हो जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद वारासिवनी में सफाई कर्मचारी का काम करने वाले जीतू चौहान प्रतिदिन की तरह सोमवार की प्रात: काल करीब ४ बस स्टैंड में झाड़ू लगाने के लिए जा रहे थे। तभी दीनदयाल चौक पर अचानक पीछे से बाइक सवार आए और उन्होंने उसे डंडा मार कर फरार हो गए। जहां वह चीखे परंतु कोई नहीं आया और मोटरसाइकिल वाले भी नहीं रुके वह लालबर्रा रोड़ की ओर फरार हो गए। इसके बाद वह बस स्टैंड पहुंचे तो वहां दो और व्यक्ति के साथ इस प्रकार की वारदात होने की जानकारी लगी। जिसमें एक किराना दुकान का संचालक और दूसरा कबाड़ी चुनने वाला व्यक्ति बताया जा रहा है। सफाई कर्मी को पैर में मामूली चोट आई है वहीं सफाई कर्मी की माने को बाइक पर तीन युवक सवार थे। जिनमें से एक युवक ने काली टीशर्ट पहना हुआ था वहीं उसके हाथों में डंडे थे। विदित हो की २२ सितंबर से शारदेय नवरात्र प्रारंभ होने वाली है मातारानी की पूजा अर्चना करने मंदिरों में सुबह से लोग जाते है। ऐसे में अज्ञात युवकों द्वारा राहगीरों को मारकर वहां से रफूचक्कर हो जाना यह शहर में पहली घटना नहीं है पिछले कुछ महीनों से यह नगर में लगातार घटना घटित हो रही है। जिसकी सूचना पुलिस को कुछ आम नागरिकों ने अवगत कराया गया था ऐसे में यह घटना नवरात्रि के समय और बढ़ सकती है। जिस पर पुलिस को स्वत संज्ञान लेकर ऐसे असामाजिक उपद्रवी तत्वों पर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। ताकि नगर में किसी को भी आगामी समय में इस घटना से परेशान ना होना पड़े।

अज्ञात मोटरसाइकिल वालों ने मुझे डंडो से मारा-जीतू चौहान

जीतू चौहान ने बताया कि सुबह ४ बजे मैं अपने काम पर जा रहा था तभी पीछे से कुछ व्यक्ति मोटरसाइकिल में सवार होकर मेरी तरफ आए और एक डंडा मुझे मार कर मोटरसाइकिल से भाग गए। सुबह करीब ४.१० बजे कि यह घटना है मैं बस स्टैंड में झाड़ू लगाने के लिए प्रतिदिन की तरह सोमवार की सुबह भी जा रहा था। जय स्तंभ चौक में यह घटना हुई वह लोग कटंगी रोड़ की तरफसे आए थे और लालबर्रा रोड़ की तरफ भाग गए। मेरे पैर में उनके द्वारा मारा गया बस स्टैंड फिर मैं गया तो वहां सुनने में आया कि दो लोग और है जिनके साथ यह घटना हुई है उनकी शक्ल और नाम तो पहचानता नहीं हूं।

विधायक पटेल के हस्ते आंगनबाड़ी केंद्रों को एलईडी टीवी का किया वितरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासन के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को हाईटेक बनाने की तैयारी चल रही है। इसी के तहत वारासिवनी में महिला एवं बाल विकास के द्वारा वारासिवनी ब्लाक के अंतर्गत आने वाली १३१ आंगनबाड़ी केंद्रों में से ४० सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों को एलईडी टीवी से लैस कर दिया गया है । एलईडी के माध्यम से नैनीहालो को फ्री एजुकेशन देकर शिक्षित किया जाएगा । जिसके तहत सोमवार को विधायक विवेक पटेल के द्वारा ४० सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों को एलईडी टीवी का वितरण किया गया। इन चिन्हित आंगनबाडी केंद्रों पर फ्री एजुकेशन लेने के लिए आने वाले नैनीहालो को एलईडी टीवी के माध्यम से शिक्षा दी जाएगी । एलईडी के माध्यम से बच्चों को पढ़ने में भी सहायता होगी । इस दौरान परियोजना अधिकारी यशोदा भगत,अंकुर चंदेले,उदय स्वामी,सुखचंद कावरे, अमित सोनी,शेखर राहंगडाले,सुनीता जंगेले,रंजना सतेश्वर,नीमा बोरकर, गीता उर्वेदी,प्रीति बोपचे,रजनी आमिलकर,कामिनी लिल्हारे, कोतिका धारने,सरिता वैष्णव सहित आंगनबाडी कार्यकर्ता मौजूद रही। विधायक विवेक पटेल ने कहा की बच्चे जो देखते है वही सीखते है । महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों को विकास पोषण ट्रैक के माध्यम से निगरानी का निर्णय लिया गया इसके लिए सामान्य आंगनबाड़ी केंद्र को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में अपग्रेड किया गया है । सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के लिए कुछ आवश्यक मापदंड भी किए गए हैं ,जिसके आधार पर चयन किया जा रहा है। वारासिवनी ब्लाक में लगभग ४० सक्षम आंगनबाडी केंद्रों का चयन किया गया है और बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए एलईडी टीवी का वितरण किया गया है। हमारी बहने पूरी ईमानदारी के साथ काम करती है विषम परिस्थितियों में भी हमेशा साथ दिया है,हमारे क्षेत्र में कुछ आंगनबाडी किराए के भवनो में संचालित हो रही है। वही आंगनबाडी भवन भी जर्जर है हमारे द्वारा इसके बारे मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया को अवगत कराया गया है। उन्होंने हमें आश्वस्त किया है बहुत जल्द नवीन आंगनबाडी भवन का निर्माण किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी के छात्र छात्राओं ने किया बेंगलुरू कर्नाटक का शैक्षणिक भ्रमण

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के चार छात्र छात्राओं ने बेंगलुरू कर्नाटक का शैक्षणिक भ्रमण किया। म.प्र.शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में शाला के चार छात्र छात्राओं जिसमें रुचिता लिल्हारे,ज्योति मस्करे, रूपेश नगपुरे एवं असीम मेश्राम का चयन किया गया। भ्रमण के दौरान छात्रों को शैक्षणिक संस्थाओं, संग्रहालय ,उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश एवं पाठ्यक्रम की जानकारी प्रदान की गई। भ्रमण के बाद छात्र छात्राओं ने शाला में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार सहारे एवं स्टाफ के द्वारा छात्रों को बधाई दी।

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्याल वारासिवनी में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ अन्तर्गत सितंबर माह की गतिविधि में हिन्दी दिवस का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलन कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस गेड़ाम, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागध्यक्ष राजनीतिविज्ञान डॉ. सरिता कोल्हेकर, तृप्ती सोनवे, कृष्णा पराते, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, ' के द्वारा हिन्दी की उपयोगिता एवं हिन्दी के अन्तर्राष्ट्रीय परिदृष्य पर विचार प्रस्तुत किए गए। साथ ही वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर ने हिन्दी के स्वरूप और उसके हृदयस्पर्षी रूप पर चर्चा की। तृप्ती सोनवे ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही। कृष्णा पराते ने हिन्दी के वैश्विक परीदृष्य पर चर्चा की । सरिता नागवंशी के द्वारा हिन्दी के सरल प्रयोग पर बात कही गई। डॉ. अनिरूद्ध सिंह काकोड़िया ने हिन्दी के ऑनलाइन प्रयोग को बढ़ावा देने के विचार रखे। अंत में प्राचार्य के द्वारा आशीर्वचन एवं हिन्दी के मानक एवं व्याकरणिक स्वरूप का विश्लेशण किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया। हिन्दी दिवस के कार्यक्रम में विनोद गजभिये, पंकज वाहने, श्रीमती नंदिनी टेंभरे, सुश्री शिखा देवगीरकर, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती रश्मिबाला पारधी सभी छात्र-छात्राएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओजोन परत के बिना असंभव है पृथ्वी का अस्तित्व

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2025 की थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान की भूमिका और आवश्यक वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी। विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुंचने वाली पराबैंगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं।

कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस!यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें

तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए।

साथियों बात अगर हम परिस्थितियों पर निर्भर सटीक निर्णय लेने की करें तो, आधा-अधूरा ज्ञान सदा ही विध्वंस कारक होता है। जो भी देखें या सुने उसे निकष पर कसें। इससे भी बढ़कर यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि हमारी सोच कहाँ तक सही है। किसी भी घटना के सारे पहलुओं को जाने बिना कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चटकारे लेकर, मिर्च-मसाला लगाकर दूसरों को अपमानित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। ऐसे अफवाहें फैलाने वालों की जब पोल खुल जाती है तो वे कहीं के भी नहीं रह जाते। लोग उन पर विश्वास करना छोड़ देते हैं और उनकी बातों को सीरियसली न लेकर मजाक में उड़ा देते हैं। इसलिए मनुष्य को ऐसी स्थितयों से बचना चाहिए। उसे एक जिम्मेदार मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों व निर्णय पर बीरबल और अकबर के सीख वाले किस्से की करें तो उपरोक्त कहावतों को सटीकता से समझने के लिए, मेरे पिताजी द्वारा बताया गया किस्सा जरूर सुनना चाहिए, राजा अकबर जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौकर नें रूम में मखमली बेड को देखा तो दिल बेड पर एक बार सोने के लिए ललचाया और वह चादर ओढ़ कर सो गया उसे नींद आ गई!!उधर रानी साहिबा भी अपनी धुन में ही आई और बेड पर राजा आराम फरमा रहे हैं समझकर उन पर हाथ रख कर सो गई। जब देर रात्रि राजा अपने रूम में आया तो किसी और के साथ रानी को सोते देख गुस्से से लाल हुआ और बंदूक निकाल कर दोनों को गोली से उड़ाने ही वाले थे कि उन्हें बीरबल की बात याद आई कि कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए!! इसलिए राजा रुक गया और इंतजार किया!! जब रानी और नौकर की नींद टूटी तो दोनों बहुत भौचक्के रह गए और रानी ने नौकर पर चिल्लाया तब नौकर ने माफी मांगी और बेड पर सोने का अपना किस्सा सुनाया कि वह मखमली बेड देखकर वह सोया और रानी ने भी राजा समझ कर बेड पर सोई यह सच्चाई सुनकर राजा ने कहा बड़े बुजुर्गों की कहावतों के निर्णय नें आज रानी और नौकर की जान बचाई यह समझ में आया और दूसरे दिन बीरबल को बुलाकर पुरस्कृत किया।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें, कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए,अनियोजित निर्णय लेते समय बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर गौर करने से विपत्तियों से बचने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुविधा होती है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

राजनीति में नफरती भाषणों का बढ़ता दौर

साम्प्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का एक दु:खद पहलू है। सांप्रदायिक हिंसा, साम्प्रदायिक राजनीति का आधार है। सांप्रदायिक राजनीति का लक्ष्य है समाज को धर्म के आधार पर बांटना। इस नफरत की नींव अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की नीति के जरिये रखी। इसकी शुरूआत इतिहास को साम्प्रदायिक नजरिए से प्रस्तुत करने से हुई। सांप्रदायिक राजनीति के विकास में दो समानांतर किंतु विपरीत दिशाओं में बहने वाली धाराओं ने अहम् योगदान दिया। इसे एक ओर मुस्लिम लीग तो दूसरी ओर हिंदू महासभा-आरएसएस ने बढ़ावा दिया। इससे साम्प्रदायिक हिंसा की नींव पड़ी और वह भयावह होती गई। दूसरे समुदाय के प्रति नफरत को और बढ़ाने के लिए इसमें तोड़े-मरोड़े गए इतिहास के साथ-साथ अन्य भावनात्मक मुददे भी जोड़ दिए गए। हिंसा की आग फैलती गई और देश के विभाजन तक उसने भयावह रूप ले लिया। विभाजन की त्रासदी के बाद 'दूसरे से नफरत करो' की प्रवृत्ति बार-बार सिर उठाती रही है। बंटवारे के पहले की हिंसा की प्रकृति बहुत अलग थी और इसमें दोनों समुदायों की एक बराबर भूमिका हुआ करती थी। बंटवारे के बाद परिदृश्य बदल गया। ज्यादातर मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्व पाकिस्तान जा चुके थे। ऐसे में साम्प्रदायिक हिंसा ने मुस्लिम विरोधी हिंसा का रूप ले लिया। धीरे-धीरे मुस्लिम समुदाय के प्रति नफरत बढ़ती गई और इसने समाज की व्यापक सोच में गहरी जड़ें पकड़ लीं। आरएसएस की शाखाओं में सुनाई जाने वाली महान हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं की कहानियों और अन्य मुद्दों से नफरत पैदा होती है और इसे स्कूलों और मीडिया के माध्यम से हवा दी जाती है। मीडिया का यह दुरूपयोग 1977 के बाद बहुत बड़ा क्योंकि सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में लालकृष्ण आडवानी ने समाचार एजेंसियों में बड़ी संख्या में साम्प्रदायिक मानसिकता वाले लोगों की घुसपैठ करवा दी। मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके नजदीकी धन्ना सेठों ने बड़े समाचार माध्यमों को खरीदना शुरू कर दिया। बची खुची कसर सोशल मीडिया और भाजपा के आईटी सेल ने पूरी कर दी। मुस्लिम समुदाय और बाद में ईसाईयों के खिलाफ नफरती बातों का सिलसिला शीर्ष स्तर यानि प्रधानमंत्री से शुरू हुआ और निचले स्तरों पर इसका अनुसरण होने लगा। इसने सामाजिक सोच में मजबूत जड़ें जमा लीं। मोदी ने बहुत कुटिलता से नफरती नारे गढ़े जैसे उनकी (मुसलमान) बहुत सी बीबियां और बच्चे होते हैं, उन्हें कपड़ों से पहचाना जा सकता है आदि। इसके साथ ही श्मशान-कब्रिस्तान और बहुत से अन्य नारे जुबानी प्रचार प्रोपेगेंडा के चलते प्रचलित होते गए और इन्होंने सोशल मीडिया के लिए असलहा का काम किया। अत्यंत कुटिल चालों के जरिए इस अभियान को आगे बढ़ाया गया जिसका नतीजा लगातार बिगड़ते हालातों के रूप में सामने आया। हर बीतते दिन के साथ अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत बढ़ती जा रही है। नए-नए शब्द इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यहां तक कि हिंदुओं से हथियारबंद होने तक का आव्हान किया जा रहा है। नफरत भरी बातें कैसे गढ़ी जाती हैं और कैसे फैलाई जाती हैं, इस पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तक है स्वाति चतुर्वेदी की 'आई वा ए ट्रोल'। वे हमें आईटी सेल की दुनिया के अन्दर ले जाती हैं और बताती हैं कि कैसे सोशल मीडिया के जरिए नफरत फैलाने के लिए बहुत से युवाओं को नौकरी पर रखा जाता है। कुणाल पुरोहित की पुस्तक 'द हिन्दी पॉप' हमारी आंखें खोल देती है। उन्होंने गहन जांच-पड़ताल के आधार पर अपनी किताब लिखी है। उन्होंने लोकप्रिय पॉप गायकों के गानों की पड़ताल में पाया कि उनके केंद्र में साम्प्रदायिक सामग्री होती है, जो अपने आकर्षक संगीत के कारण लोकप्रिय हो जाते हैं। प्रमुख पॉप गायकों की प्रस्तुतियों का विश्लेषण करते हुए पुरोहित पॉप संगीत, कविताओं और इन्फ्यूलेंसर संस्कृति के बारे में बताते हैं। द हिंदी पॉप कई स्तरों पर काम करती हैङ्क वह हिंदुत्व की दुनिया का मानवशास्त्रीय विश्लेषण करती है, एक खोजी पत्रकार की तरह गायकों के भाजपा से संबंधों का खुलासा करती है और हिंसा भड़काने में संगीत, कविता और पॉप संस्कृति की भूमिका का विश्लेषण करती है। यहाँ तक कि बॉलीवुड की फिल्में भी हिंदुत्व का प्रचार करती हैं, सत्ताधारी दल के नेता खुलकर नफरती भाषण देते हैं और पाठ्यपुस्तकें इतिहास के हिन्दुत्ववादी संस्करण को तथ्य की तरह प्रस्तुत करती हैं। पूजा प्रसन्ना (न्यूज मिनिट) अपने वीडियो "कम्युनल कलर फ्राम केरेला राईट विंग टू हिन्दुत्व पॉप", जो उनके एक सहयोगी के शोध पर आधारित है, में बताती हैं कि केरल में कई हिन्दू लेटनाईट चेटरूम्स (रात 11।30 बजे के बाद से) में मुसलमानों के खतरे का सामना करने के लिए हिन्दुओं से हथियार रखने और अपनी हिफाजत हेतु आरएसएस की स्थानीय शाखा के संपर्क में रहने का आव्हान करते हैं। वे मुसलमानों को खतरा और टिकटिक करता टाईम बम बताते हैं, वे बुल्लीबाई और सुल्लीबाई जैसी अपमानजनक बातों को भी याद करते हैं जो सोशल मीडिया पर मुस्लिम महिलाओं की नीलामी की चर्चा कर उन्हें नीचा दिखाने के प्रसंग में इस्तेमाल की गई थीं। इन सबके अलावा बालीवुड में कश्मीर फाईल्स, केरेला स्टोरी, बेंगाल फाईल्स आदि जैसी फिल्मों की बाढ़ आई हुई है। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि कश्मीर फाईल्स फिल्म को आरएसएस प्रमुख भागवत और प्रधानमंत्री मोदी ने भी अनुशंसित किया था। अगस्त 2025 में विज्ञान भवन में दिए गए बहुप्रचारित व्याख्यानों में भागवत ने कुटिलतापूर्वक अपने विभाजनकारी एजेंडे को चाशनी की पर्त लगाकर पेश करते हुए कहा "हिंदू वह है जो दूसरों की आस्थाओं को नीचा दिखाए बिना और अपमानित किए बिना स्वयं अपने रास्ते पर चलने में विश्वास रखता है। जो भी इस परंपरा और संस्कृति का पालन करते हैं, वे हिन्दू हैं..."। जब वे यह सब कह रहे थे तब मुसलमानों के प्रति असहनशीलता और घृणा फैलाने का काम पूरी तेजी से बदस्तूर जारी था। यह असम में जो कुछ हो रहा है, उससे भी यही जाहिर होता है। हेमंत विस्व सरमा बांग्लाभाषी मुसलमानों का मताधिकार छीनने और उन्हें प्रताड़ित करने में जुटे हुए हैं और भागवत दूसरी ओर देख रहे हैं और संभवत: अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के आगे बढ़ने से खुश होंगे। हर्ष मंदर स्क्रोल में लिखे लेख में बताते हैं कि हेमंत सरमा ने कहा था कि "मैं असमियों को इजराइल से प्रेरणा लेने का अनुरोध करता हूं। मध्यपूर्व में यह देश मुस्लिम कट्टरपंथियों से घिरा हुआ है। ईरान और ईराक उसके पड़ोसी हैं मगर छोटी सी जनसंख्या वाला इजराइली समाज अभेद्य बन गया है..."। भाजपा के पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी जोर देकर कहते हैं कि हमें सबका साथ सबका विकास का नारा छोड़ देना चाहिए। एक ऐसे दौर में जब सरमा बंगाली मूल के असमी मुसलमानों को खतरनाक 'दूसरे', 'घुसपैठिए' और ऐसा शत्रु जो असम के वास्तविक और (एकमात्र) हकदारों के भविष्य के लिए खतरा बताते हैं, हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? यह एक बहुत बड़ा बदलाव है और एक नस्लवादी राष्ट्रवादी आंदोलन के एक नफरत भरे साम्प्रदायिक आंदोलन बन जाने को दर्शाता है, जिसके निशाने पर केवल बंगाली मूल के मुसलमान हैं। वे तो इस हद तक चले गए हैं कि उन्होंने विदेशी अधिकरणों को सभी हिंदू बांग्लादेशियों के खिलाफ चल रहे मामलों पर खात्मा लगाने का निर्देश दिया है, जो 2014 या उसके पहले असम आ गए थे और केवल मुसलमानों के खिलाफ चल रहे मामले जारी रखने की बात कही है।

-राम पुनियानी

आखिर आज हिंदी का प्रचार क्यों नहीं हो पा रहा है

हिंदी की जड़ें संस्कृत में हैं और अपभ्रंश से होती हुई पुरानी हिंदी, फिर आधुनिक हिंदी के रूप में विकसित हुई है। आज भारत की राजभाषा है, और इसे कई लोग पहली, दूसरी, या विदेशी भाषा के रूप में बोलते हैं.हिंदी में रामायण की सबसे लोकप्रिय कृति गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस है, जो अवधी भाषा में लिखी गई है। इससे पहले, महर्षि वाल्मीकि ने मूल रामायण को संस्कृत भाषा में लिखा था, जिसका नाम भी वाल्मीकि रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास जी का नाम भारतीय भक्ति साहित्य में विशिष्ट स्थान रखता है। उनकी प्रमुख कृति श्री रामचरितमानस ने हिंदी भाषा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और रामकथा को अत्यंत सरल एवं भावपूर्ण रूप में जन-जन में स्थापित किया। तुलसीदास जी का जीवन और साहित्य हमें सद्भाव, आस्था और सनातन संस्कारों की अमर विरासत से परिचित कराता है। हम उनके जीवन, कार्यों, भक्ति आंदोलन और भारतीयता में उनके अमूल् योगदान का सम्यक् चिंतन करेंगे।तुलसीदास जी का जन्म संयोगवश 1532 ई. में माता रत्नावली के घर हुआ था। बचपन से ही ऋषि-मुनियों के जीवन के प्रति उनमें गहरी श्रद्धा थी। बचपन में ही सीता-राम नाम के प्रथम कीर्तन ने उनके हृदय में रामभक्ति जागृत कर दी। उनकी शिक्षा शिष्य-अध्यापकों से नहीं, बल्कि ग्राम्य जीवन में पाए जाने वाले लोकगीतों, भजनों और काव्यों से हुई। इस प्रकार की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ने उन्हें लोकभाषा और लोकभावना से सहज ही जोड़ दिया।रामचरितमानस तुलसीदास जी के जीवन का चरमोत्कर्ष था। अवधी भाषा में लिखा गया यह महाकाव्य, जिसके कारण यह ग्राम्य जीवन में भी सहज रूप से समाहित हो गया।बालकाण्ड से उत्तरकाण्ड तक, राम का प्रत्येक चरित्र सागर के समान है, नीति, दर्शन और भक्ति का अनूठा मिश्रण, श्लोकों में गहन अर्थ और छंदों में मधुरता।इन विशेषताओं ने रामचरितमानस को न केवल एक धार्मिक ग्रंथ, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भों में एक मार्गदर्शक भी बनाया।तुलसीदास जी की साहित्यिक भाषा ने भारतीय समाज को गहन आध्यात्मिक अनुभूति से परिचित कराया। उनके द्वारा रचित काव्यों ने समाज पर गहरे प्रभाव छोड़े। 1. सामाजिक समरसता- जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव के बिना सभी के लिए भक्ति सुलभ बनाई।2. उपासना की सरलता- जटिल कर्मकांडों के स्थान पर सरल उपासना पद्धतियाँ प्रस्तुत की गईं।3. नैतिक शिक्षा- राम के आदर्श चरित्र के माध्यम से नैतिकता, त्याग और कर्तव्य का संदेश दिया।इन गुणों ने रामचरितमानस को हर घर, हरिजन, किसान, कारीगर, व्यापारी और राजकुमार के हृदय में जीवंत कर दिया।तुलसीदास जी ने सनातन संस्कृति की जड़ें मजबूत कीं और भारतीयता का स्वर बुलंद किया। उन्होंने रामायण के प्रमाणों को न केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित रखा, बल्कि उसे वैश्विक मानवता के आदर्श के रूप में भी प्रकट किया। उनके भक्ति गीतों और दोहों ने नैतिकता, सत्कर्म और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रबल आह्वान किया।तुलसीदास जी के गीतों में राम नाम पुण्य का सार है, जीवन में प्रेम बहा दीनदयालु रामचंद्र, विनती हमारी स्वीकार ये पद लोगों को नैतिक आधार पर खड़ा करने का एक प्रयास हैं।भक्ति आंदोलन में तुलसीदास की भूमिका अविस्मरणीय है। उन्होंने मध्यकालीन भारत में अनेकता में एकता का जो संदेश दिया, उसने देश की सांस्कृतिक एकता को नवजीवन प्रदान किया। गाँव-गाँव में भक्ति संगीत, कीर्तन, पदयात्रा और रामलीला के आयोजनों ने लोगों को एकता का एहसास कराया। उनसे प्रेरित होकर अनेक संतों और ऋषियों ने राम नाम का प्रचार किया और राममय वातावरण का निर्माण किया।आज, जब दुनिया में तर्क, वैज्ञानिकता और तात्कालिकता का बोलबाला है, तुलसीदास जी का संदेश हमें मानसिक शांति, समाज की सहिष्णुता और आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग दिखाता है।तनाव और मानसिक अशांति के समय रामचरितमानस का पाठ मन को शांति प्रदान करता है। सामाजिक विभाजन और हिंसा के युग में रामराज्य का आदर्श प्रेरणा देता है, यह युवाओं के लिए कर्तव्य और चरित्र निर्माण के आदर्श स्थापित करता है।इस प्रकार, तुलसीदास जी का मानस आज भी एक कालजयी मार्गदर्शक बना हुआ है।पूज्यपाद तुलसीदास जी द्वारा रचित सभी ग्रंथों में प्रमुख हैं, श्री रामचरितमानस, विनयपत्रिका, कविता-विलास, दोहावली आदि अन्य। अत: उनका साहित्य न केवल धार्मिक प्रवचन का उदाहरण है, बल्कि हिंदी भाषा, साहित्य और भारतीय संस्कृति की सर्वांगीण दृष्टि का भी प्रतिनिधित्व करता है।तुलसीदास जी की अविरल वाणी का प्रवाह सदैव लोगों को श्री राम के चरित्र, आदर्शों और मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। उनका जीवन, उनका साहित्य और उनका भक्तिमय चिंतन हमें न केवल आध्यात्मिक उत्थान प्रदान करता है, बल्कि नैतिक और सामाजिक जागृति की सर्वोत्तम नींव भी रखता है। हम उनकी जयंती पर उन्हें नमन करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनकी अमर गाथा हमारे हृदय में सदैव जीवित रहे।अत: श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर हमें उनके उच्च आदर्शों को आत्मसात कर अपने जीवन को राममय बनाना चाहिए।भारत में भगवान राम जी की महिमा को उजागर करने गोस्वामी तुलसीदास ने भारत को राममई किया क्योंकि पहले जो पंडित थे वो पहले जातपात आपस में बड़ा बनने की चाहत में बाल्मीकि रामायण को संस्कृत में ही पाठ करते और इस तरह लोगों में संस्कार में कमी आई इसी को दूर करने निकलें गोस्वामी तुलसीदास जी ने उसे हिंदी में ही लोगों को समझाना चालू किया और जन जन में राम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन भी काफी संघर्ष से जुड़ा रहा उनके जन्म के समय अशुभ घटनाओं के कारण, उन्हें चौथी रात को उनके माता-पिता ने त्याग दिया, अपनी रचनाओं कवितावली और विनय पत्रिका में, तुलसीदास ने अपने माता-पिता द्वारा अशुभ ज्योतिषीय विन्यास के कारण जन्म के बाद उन्हें त्यागने दिया ।चुनिया बच्चे को अपने गाँव हरिपुर ले गई और साढ़े पाँच वर्ष तक उसकी देखभाल की, जिसके पश्चात् उसकी मृत्यु हो गई। रामबोला को एक दरिद्र अनाथ के रूप में स्वयं की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया गया था, और वह भिक्षा मागते हुए दर-दर भटकता रहा। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने एक ब्राह्मण महिला का रूप धारण किया और रामबोला को हर दिन भोजन कराया। बाद में साधु अनन्ताचार्य के शिष्य बने व दस वर्ष की उम्र में ही सभी वेदों का ज्ञान हुआ कुछ काल राजापुर रहने के बाद वे पुन- काशी चले गये और वहाँ की जनता को राम-कथा सुनाने लगे। कथा के दौरान उन्हें एक दिन मनुष्य के वेष में एक प्रेत मिला, जिसने उन्हें हनुमान जी का पता बतलाया। हनुमान? जी से मिलकर तुलसीदास ने उनसे श्रीरघुनाथजी का दर्शन कराने की प्रार्थना की। हनुमान्जी ने कहा- तुम्हें चित्रकूट में रघुनाथजी दर्शन होंगें। इस पर तुलसीदास जी चित्रकूट की ओर चल पड़े।चित्रकूट पहुँच कर उन्होंने रामघाट पर अपना आसन जमाया। हर दिन की भांति वे भगवान राम जी की पूजा करते और सभी को चन्दन लगा जय श्री राम को बोलने को कहते एक दिन भगवान राम और लखन वहाँ चन्दन लगाने आएं और तुलसीदास जी पहचान ना सके तो उन्होंने चन्दन लगाने के बाद जय श्री राम बोलने को कहा लक्ष्मण जी ने बोला भगवान राम चुप हो गए तब तुलसीदास कहते हैं आप भगवान राम को नहीं जानते वह परमात्मा है जो सभी की रक्षा करता है तभी भगवान श्री राम जय श्री राम बोलकर अन्तर्याध्यान हो गएयह संवत 1607 की मौनी अमावस्या को बुधवार की घटना है हनुमान? जी ने ने तोते का रूप धारण करके यह दोहा कहा-चित्रकूट के घाट पर, भइ सन्तन की भीर।तुलसिदास चन्दन घिसें, तिलक देत रघुबीर॥ इसके बाद रामचरित्रमानस को लिखने वाराणसी के अस्सी घाट में आये वहाँ के साधु संतो ने उनका हिंदी में रामचरित्र मानस का घोर विरोध किया बाद में सबों ने विश्वनाथ मंदिर में अपना अपना ग्रन्थ रखा सुबह देखा तो रामचरित्र मानस सबसे उपर था यह देखकर सबों ने उनका सम्मान किया और उनकी शक्ति ? को पहचाना और उसका कारण पूछा तब तुलसीदासजी ने उत्तर दिया की हिंदी में मैं इसे इसलिए लिख रहा हूँ की यह हर हिन्दू के घर घर में हो और राम नाम की महिमा को पहचान सके उनकी कीर्ति और व्यक्तित्व का प्रकाश हमें बलवान, दयालु और धार्मिक बनाकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा हेतु प्रेरित करता रहे।पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमनश्री रामचरितमानस के रचयिता, आस्था, सद्भाव और सनातन संस्कारों के अखंड वाणी, भक्ति और भारतीयता को स्वर देने वाले प्रसिद्ध भक्त , पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास को श्री राम के मार्ग पर चलने का अवसर प्रदान किया क्योंकि उन्होंने हिंदी में राम कथा कह कर सुनाया और जो गिने चुने लोगों के पास थी और संस्कृत में कहते थे जिसे कुछ लोग नहीं समझ पाते और डर का माहौल पैदा कर इसका प्रचार नहीं हुआ वो रामचरित मानस में पड़ा जो लगभग सबके घर में होगी क्योंकि उनकी आस्था और निस्वार्थ भाव से रचना की आखिर आज हिंदी का प्रचार क्यों नहीं हो पा रहा है क्योंकि कुछ लोग इसके नाम पर इसका गलत इस्तेमाल कर रहें हैं इसके नाम पर पत्रिका छापते हैं सरकारी पैसे से और अपने ही लोगों का लेख बार बार छापते हैं और मानदेय मिलता है हालांकि सभी संस्था ऐसी नहीं है जो सही में हिंदी का काम निस्वार्थ भाव से करती है उससे लोग जुड़ते है और पत्रिका की गरिमा भी बढ़ती है अच्छे लेखक का लेख कहीं ना कहीं तो छप जायेगा लेकिन जो अच्छे लेखकों का लेख पढ़ते भी नहीं है उनके पत्रिका का स्तर गिरता है और लोगों में यही मैसेज जाता है अपनी डफली अपना राग दूसरे को जब तक मौका नहीं देंगे तब तक हिंदी का विकास नहीं होगा हालांकि जो पत्रिका निजी संस्था से निकलती है वो बराबर ठोक बजा कर एक उच्च स्तरीय पत्रिका का बनाने का पूरा प्रयास करती है क्योंकि उसे ऐसा नहीं करने पर लोगों के नापसंद होने का डर रहता है और मार्केट में अपना दबदबा बनाती है जो आपको बुक स्टाल पर रखी गई पत्रिका से ही मालूम हो जायेगा की किसमे कितना दम है अत: जब तक हिंदी को गिने चुने लोगों के हाथ में रहेगा तो इसका विकास नहीं होगा ऐसा ही कई आयोजन से भी है जब भी हिंदी जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौक कुछ हो रहा है, उससे भी यही जाहिर होता है। हेमंत विस्व सरमा बांग्लाभाषी मुसलमानों का मताधिकार छीनने और उन्हें प्रताड़ित करन हैं उन्हें पद के आधार पर बुलाते तक नहीं यही हाल किसी सम्मान या पुरस्कार देने में भी हो रहा हैं हालांकि सभी ऐसा सब नहीं कार्यक्रम में करते लेकिन ऐ प्रथा देखने को मिलती है इससे हिंदी का प्रचार जनमानस तक नहीं हो पाता है.इसलिए जब तक अपने अंदर ने में जुटे हुए हैं और भागवत दूसरी ओर देख रहे हैं और संभवत: अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे के आगे बढ़ने से खुश होंगे। हर्ष मंदर स्क्रोल में लिखे लेख में बताते हैं कि हेमंत सरमा ने कहा था कि "मैं असमियों को इजराइल से प्रेरणा लेने का अनुरोध ऐ कुछ गिने चुने लोगों के हाथ में ना आकर पुरे देश में फैले और हम है हिंदुस्तानी की भावना पैदा हो तभी हिंदी को दर्जा मिलेगा जहाँ तक ऑफिस का सवाल है इसमें भी लॉबी चलती आ रही है शुरुआत में मैं जब ऑफिस में ज्वाइन किया हिंदी में ही अपने आदमी को बोलकर खुब काम कराया बाद में मैं रिपोर्ट एक ऐसे महिला को करने लगा जो काम कम इंग्लिश ज्यादा बोलती थी और हिंदी बोलना एक अपराध की तरह समझती थी एक दिन तो ऐसा हुआ की हिंदी के एक कार्यक्रम में जाते देख वहाँ से काम के बहाने बुला लिया हिंदी से आखिर इतना नफरत क्यों मेरी अगर फैमली नहीं होती तो कब का छोड़ चुका होता एक बार तो आत्महत्या के इरादे से निकला तभी भगवान राम ने समझाया।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। नवरात्रे की पूछपरख बढ़ने से सोमवार को किराना जिंसों में साबूदाने सहित अन्य फलिहारी जिंसों में चमक रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन में टिकाव देखा गया। दलहनों में चने में नरमी की स्थिति रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार साबूदाने में नवरात्रे की पूछपरख से बाजार तेजी के देखे गये। अन्य फलिहारी जिंसों में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही देखा गया। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिकाव पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही देखा गया। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिकाव पर रहे। दलहनों में सुस्त मॉंग के बीच चना नरमी पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4240, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2750-2900, विरूद्ध नगर 2950-3150, मीडियम 2900-3150, बोल्ड 3200-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3375-3400, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 825-850, एस.एस. डब्ल्यू 800-825, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3750, (160) 4300-4350, (200) 5200-5400, (250) 5800-6000

तेल- सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2150-2170, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1290, धूलिया 1295, कड़ी 1300,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5500-5600, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को भी स्थानीय सराफा बाजार में ग्राहकी अच्छी रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 130100, चॉंदी (99) 129600, टंच 129200, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 112800

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.15 पर बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को भारतीय रुपया 5 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.30 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पूंजी निकासी, आयातकों की डॉलर मांग और डॉलर की वैश्विक मजबूती प्रमुख कारण हैं। डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी बढ़कर 97.62 पर पहुंच गया है, जिससे अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर मजबूत हुआ है। इसके अलावा भारत और अमेरिका के बीच चल रहे शुल्क विवादों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण थोड़ा परेशान रहेंगे। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें। परिवार में किसी सदस्य से आपकी कहासुनी होने की संभावना है। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे और घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं। परिवार के सभी एकजुट नजर आएंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए शौक और मौज की चीजों की खरीदारी के लिए रहेगा। आपको अपने वाणी और व्यवहार पर संयम रखना होगा। आपका कोई मित्र आपके लिए खुशखबरी लेकर आने वाला है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी को कहीं लॉन्ग ड्राइव पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं।

मिथुन- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। बुद्धि और विवेक से आप अपने विरोधियों को आसानी से मात देने के कामयाब रहेंगे। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे। आपको किसी काम को पूरा करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने किसी परिजन से काम को लेकर कोई सलाह मशवरा करेंगे। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं।

कर्क- आज आपकी सेहत बिगड़ सकती हैं, इसलिए आप बाहर के खाने से परहेज रखें और अपने पेट का खास ख्याल रखें। आप बिजनेस में आधुनिक चीजों को शामिल करेंगे, जिससे आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार के लोग भी आपके कामों को पूरा साथ देंगे। आज आपका मन काफी खुश रहेगा। आप किसी मन की इच्छा की पूर्ति के लिए धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। मित्रों और परिवार के सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी आय और व्यय में बजट बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर परेशान रहेंगे। आप कहीं घूमने फिरने जाने की योजना बना सकते हैं। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

कन्या- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। दोस्तों से आपकी खूब पटेगी। आप किसी धार्मिक गतिविधि में भी शामिल हो सकते हैं। पूजा-पाठ में आपका खूब मन लगेगा। आप अपने किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध न करें। आप यदि किसी काम को लेकर भाई-बहनों को सलाह देंगे, तो वह उस पर अमल अवश्य करेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को यदि धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है।

तुला- आज आप परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे। आपके मन में कुछ नए विचार आएंगे, जिससे घर का माहौल भी अच्छा रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपने आत्मविश्वास को मजबूत रखें। आपका कोई विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने किसी समस्या को छोटा नहीं समझना है। आपके कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में कोई नई समस्या आ सकती है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। बिजनेस में कोई काम आज अटकने की समस्या के कारण लटक सकता है। आप अपनी संतान को कहीं पढ़ने के लिए बाहर भेज सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन आपके लिए समस्या बन सकता है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी काम को लेकर यदि तनाव था, तो वह भी दूर हो सकता है। आप अपने अधूरे पड़े कामों को पूरा करके राहत की सांस लेंगे। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपके मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधित प्लान लेकर आ सकते हैं। आप जीवनसाथी को कहीं घूमाने-फिराने लेकर जाएंगे। यदि कोई अनबन चल रही है, तो उसे बातचीत से दूर करने की कोशिश करें।

मकर- आज आपकी इनकम बेहतर रहेगी, क्योंकि आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। पार्टनरशिप में काम करने का मौका भी आपको मिलेगा। आप नौकरी में यदि बदलाव की योजना बना रहे हैं, तो किसी दूसरी जगह अप्लाई कर सकते हैं। आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलते होंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आप अपनी संतान को यदि कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उस पर खरी उतरेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको बिजनेस में कुछ कठिनाईयां तो आएंगी, लेकिन फिर भी आपके काम आसानी से पूरे होंगे। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। संतान को आप पढ़ाई-लिखाई के लिए कहीं बाहर भेज सकते हैं। अविवाहित जातकों के जीवन में नए साथी से मुलाकात हो सकती हैं।

मीन- आज आपके जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी, लेकिन रोजगार की दिशा में प्रयासरत लोगों को मेहनत जारी रखनी होगी, तभी उन्हें कोई अच्छा मुकाम हासिल होगा।

शब्दजाल - 8022

शब्द जाल में मनमोहन सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फ	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डे	जु	शि	या	इ	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	र	सा	वा	
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधि मारन

शब्दजाल - 8021 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 6966

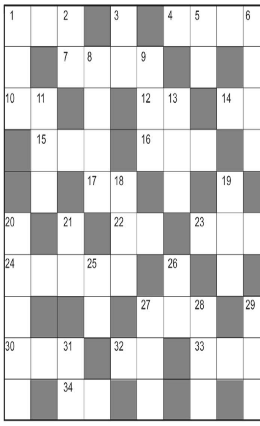

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6965

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.54 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.05 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.19 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.41 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.00 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.30 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.10 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	23.09 बजे से
		कर्क	01.22 बजे से
		सिंह	03.38 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 259 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 06.46 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 12.54 बजे तदनन्तर विष्टि 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872469 **जूलियन दिन** 2460934.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 23 **विशेष** दशमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मूर्खों की चिंता

महान दार्शनिक सुकरात बेहद साधारण जीवन जीते थे। उन्हें जो मिल जाता वह उसी में संतोष करते थे। उनके प्रशंसकों और मित्रों की एक बड़ी जमात थी। एक दिन दोपहर में सुकरात विश्राम कर रहे थे। तभी उनके कुछ मित्र आ गए। सुकरात ने आगे बढ़कर स्नेहपूर्वक उनका स्वागत किया। फिर अनेक मुद्दों पर बातचीत होने लगी। बात करते हुए अचानक सुकरात को ख्याल आया कि उन्होंने तो मित्रों से भोजन के बारे में पूछा ही नहीं। सुकरात ने अपने दोस्तों से कहा, 'माफकीजिए, मैं एक बात तो पूछना भूल ही गया। यह बताएं कि आप लोग भोजन करके आए हैं या आप सबका भोजन तैयार कराऊं ?' मित्रों ने कहा, 'भोजन हुआ तो नहीं है। यदि कष्ट न हो तो तैयार कराएं।' सुकरात घर के अंदर गए। उन्होंने पत्नी से कहा, 'मेरे कुछ दोस्त आए हुए हैं। उनके लिए भोजन का प्रबंध करना है।' पत्नी नाराज हुई। बोली, 'आप कैसी बात कर रहे हैं। आखिर घर में रखा ही क्या है जो मेहमानों को प्रस्तुत किया जाए। अभी तो प्रबंध होना संभव नहीं।' सुकरात ने कहा, 'घर में जो कुछ है, वही तैयार कर मेहमानों को परोस दो। कोई परेशानी नहीं है।' पत्नी बोली, 'अच्छा नहीं लगेगा। अपनी बात अलग है। मेहमान क्या सोचेंगे और क्या कहेंगे।' सुकरात हंसे और बोले, 'तुम जो कुछ है वही तैयार कर लो। यदि वे बुद्धिमान होंगे तो हमारी मजबूरी समझेंगे और कुछ न कहेंगे और यदि बुद्धिमान न हुए, मूर्ख हुए तो जो कहना चाहें कहें। हम मूर्खों की चिंता क्यों करें।'

सूडोकु नवताल- 7275

★★★✫✩ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7274 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 8490

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9. रुपया,पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण,ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला,हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा,प्रार्थना-4
2. मार्ग,पथ-2
3. यमराज,मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा,वरदान-2
6. द्वेष,ईर्ष्या-4
8. तमीज,तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद,खाद्य सामग्री-3
18. भयानक,डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज,सत्य-2
26. ईश्वर,भगवान-2
27. रुदन,क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -8489 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 118.96 अंक टूटकर 81,785.74 और 50 शेयरों वाला एनएसइ निफ्टी 44.80 अंक नीचे आकर 25,069.20 पर बंद हुआ। वहीं लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 258.90 अंक बढ़कर 58,486.10 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 137.10 अंक ऊपर आकर 18,127 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, कंजप्शन और सर्विसेज के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक टॉप के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टीसीएस, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयरों में नुकसान हुआ। भारतीय इक्विटी बाजारों की आज मिली-जुली शुरुआत हुई थी, लेकिन अंतिम कारोबारी घंटों में बिकवाली रही। इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति घोषणा को लेकर भी निवेशकों ने सावधानी बरती। बाजार की आज सुबह सपाट शुरुआत हुई।

सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स 20 अंक की हल्की ब ?त के साथ ही 81,925.51 अंक पर खुला। वहीं कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह सेंसेक्स 39.76 अंक टूटकर 81,864.94 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर खुला पर कुछ देर बाद ही नीचे आने लगा। कुछ समय बाद ही ये 25,092 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती और इस महीने वस्तु एवं सेवा कर में बदलाव के बाद भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने भारतीय शेयरों में बिकवाली जारी रखी है। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट पर नैस्डैक कंपोजिट ने एक और रिकॉर्ड हाई दर्ज किया। यह लगातार दूसरे सप्ताह 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अगस्त की शुरुआत के बाद से इसका बेस्ट वीकली प्रदर्शन है। जबकि डॉव में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

विदेशी संस्थागत निवेशक निकाल रहे भारत से पैसा....चीन और जापान में निवेश

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं और बिकवाली का स्तर करीब रिकॉर्ड तक पहुंच गया है। जानकार का कहना है कि इसका बड़ा हिस्सा चीन और अन्य एशियाई बाजारों में जा रहा है, जहां वैल्यूएशन भारत की तुलना में सस्ता है और इस साल का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक भारतीय बाजार को हमेशा प्रीमियम मिला है लेकिन हाल की कमजोर तिमाही नतीजों और सुस्त अर्निंग ग्रोथ ने विदेशी निवेशकों का भरोसा तोड़ा। इसके उलट घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआईएस) लगातार खरीदारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगर आने वाले महीनों में अर्निंग्स में सुधार होता है, तब एफआईआई निवेश फिर से लौट सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और कंपनियों के निराशाजनक रिजल्ट्स ने विदेशी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया है। सर्वे के अनुसार, 30 प्रतिशत ग्लोबल फंड मैनेजर्स फिलहाल भारत को अंडरवेट मान रहे हैं, जबकि जापान और चीन उनकी नई पसंद बने हुए हैं। सिर्फ जुलाई में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय टेक शेयरों से करीब 20,000 करोड़ की हिस्सेदारी घटाई। आईटी कंपनियों के कमजोर आउटलुक, डॉलर की मजबूती और ऊंची बॉन्ड यील्ड्स ने मिलकर बाजार पर दबाव बढ़ाया है। नतीजतन, बीते डेढ़ महीने में भारत ने अपने एशियाई साथियों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है।

नया प्रस्ताव- दो दशक तक डेटा सेंटर डेवलपर्स को मिलेगी कर में छूट

नई दिल्ली। सरकारी नियम और गाइडलाइन को फॉलो करने वाले देश दुनिया के तमाम डेटा सेंटर डेवलपरों को दो दशक तक टैक्स में छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मसौदे के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नए डेटा सेंटर के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग के लिए उपकरणों और डेटा सेंटर में चलने वाले बिजली के अन्य सिस्टमों जैसी पूंजीगत संपत्तियों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर इनपुट टैक्स क्रेडिट देने का अनुरोध वित्त मंत्रालय से कर सकता है। 2025 की डेटा सेंटर नीति के मसौदे के अनुसार कम से कम 100 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर चलाने वाले या भारतीय कंपनियों से उन्हें पट्टे पर लेने वाली विदेशी कंपनियों को भी स्थायी प्रतिष्ठान का दर्जा दिया जा सकता है। इसके लिए जल्द ही दिशानिर्देश तैयार होने की उम्मीद है। मसौदे में प्रस्ताव है कि राज्यों को डेटा सेंटर का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए औद्योगिक गलियारों, आईटी हब या विनिर्माण क्लस्टरों के पास जमीन मुहैया करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस जमीन पर भी ऐसे केंद्रों के लिए खास क्षेत्र तय किए जाएंगे। नई नीति के मसौदे में यह भी कहा गया है कि आईटी मंत्रालय को बिजली मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया तथा अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाओं के साथ तालमेल बिठाकर डेटा सेंटरों के लिए बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उक्त अधिकारी ने कहा, बिजली की उपलब्धता डेटा सेंटरों की प्रमुख मांगों में है। हमारे लिए जरूरी है कि नए डेटा सेंटरों को अक्षय ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हमने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और भंडारण के लिए समान दिशा निर्देश जैसे कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं तथा डेटा सेंटर पार्कों के पास छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों को प्रोत्साहन देने का भी विचार है। नई नीति में कहा गया है कि इसका लाभ लेने की पात्र कंपनियों को उसी शहर में या किसी नई जगह नया आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपमेंट या मॉडलिंग सेंटर या ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने का हौसला मिल सकता है।

भगवान विश्वकर्मा जयंती कल

जयंती मनाने को लेकर तैयारियां जोरों पर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में आगामी 17 सितंबर दिन बुधवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती का पर्व बड़े ही उत्साह, उमंग और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। सृष्टि के सबसे बड़े और अद्भुत शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर के रूप में पूजे जाने वाले भगवान विश्वकर्मा की पूजा का यह पर्व लांजी क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। इस दिन छोटे-बड़े कारखानों, प्रतिष्ठानों, दुकानों और निर्माण कार्य से जुड़े औजारों व मशीनों की पूजा-अर्चना की जाएगी।

भगवान विश्वकर्मा- सृष्टि के प्रथम शिल्पकार

हिंदू शास्त्रों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर माना जाता है। धर्म ग्रंथों में उल्लेख है कि जब ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की, तब इसके निर्माण और विकास की जिम्मेदारी भगवान विश्वकर्मा को सौंपी गई थी। शास्त्रों के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा ब्रह्माजी के सातवें पुत्र हैं। उनकी अद्भुत रचनात्मक शक्ति और कौशल के कारण उन्हें यंत्रों और निर्माण कार्य का देवता माना जाता है।

विश्वकर्मा पूजा का महत्व

विश्वकर्मा जयंती का पर्व उन लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है जो निर्माण, शिल्पकला, इंजीनियरिंग और तकनीकी कार्यों से जुड़े हैं। इस दिन कारखानों, कार्यशालाओं, दुकानों और औद्योगिक इकाइयों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। लोग अपने औजारों, मशीनों और यंत्रों की पूजा करते हैं, ताकि उनके कार्य में प्रगति हो और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त हो। यह पर्व न केवल तकनीकी और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह कारीगरों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और श्रमिकों के लिए भी एक विशेष अवसर है।

भगवान विश्वकर्मा की महान रचनाएं

हिंदू धर्म ग्रंथों में भगवान विश्वकर्मा की कई महान रचनाओं का उल्लेख मिलता है। प्राचीन काल में उन्होंने देवी-देवताओं के लिए भव्य महल, अस्त्र-शस्त्र और अन्य निर्माण कार्य किए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा ने ही निम्नलिखित रचनाएं की थीं- इंद्रलोक- देवराज इंद्र का भव्य लोक। लंका- त्रेता युग में रावण की स्वर्णमयी लंका। द्वारिका- द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण की नगरी। हस्तिनापुर- कौरवों और पांडवों की राजधानी। जगन्नाथपुरी- कलयुग में प्रसिद्ध तीर्थ स्थल। इसके अलावा, भगवान विश्वकर्मा ने शिवजी का त्रिशूल, भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र, इंद्र का वज्र और पुष्पक विमान जैसी अद्भुत रचनाएं भी की थीं। इन रचनाओं ने उनकी शिल्पकला और रचनात्मकता को अमर बना दिया।

लांजी में उत्सव की तैयारियां

लांजी में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विभिन्न कारखानों, कार्यशालाओं और दुकानों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। लोग अपने कार्यस्थलों को सजाने, औजारों और मशीनों की साफ-सफाई करने और पूजा की व्यवस्था करने में जुटे हैं। इस दिन सुबह से ही पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो जाएगा। पूजा में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति या चित्र स्थापित किए जाएंगे, और विधि-विधान से हवन, मंत्रोच्चार और आरती की जाएगी। कई जगहों पर सामूहिक पूजा और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

विश्वकर्मा जयंती का पर्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह पर्व समाज में कारीगरों, शिल्पकारों और श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन रचनात्मकता, कठिन परिश्रम और तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करने का भी प्रतीक है। लांजी क्षेत्र में इस पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, और सभी इस दिन को भक्ति और उमंग के साथ मनाने की तैयारी में हैं।

लांजी से दो बालिकाओं का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र से एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है यहां की भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी से जुड़ी दो प्रतिभाशाली बालिकाओं, दिव्या घोंगड़े और मानसी वाकले का चयन राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हो गया है। ये दोनों खिलाड़ी अंडर-14 आयु वर्ग में जबलपुर संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह चयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दौरान हुआ, जो जिला मुरैना के तहसील अम्बाह में संपन्न हुई। प्रतियोगिता का आयोजन हाल ही में अम्बाह में किया गया था, जिसमें मध्य प्रदेश के सभी संभागों से अंडर-14 आयु वर्ग के बालक और बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट राज्य स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने और चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। प्रतियोगिता में विभिन्न संभागों की टीमें कड़ी मेहनत और रणनीति के साथ मैदान पर उतरीं, जहां जबलपुर संभाग की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन कर इन दोनों लांजी की बालिकाओं को टीम में स्थान दिलाया। भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी में निरंतर अभ्यास कर रही इन खिलाड़ियों ने ब्लॉक समन्वयक एवं प्रशिक्षक प्रज्ञात वासनिक के कुशल नेतृत्व में बेहतरीन ट्रेनिंग प्राप्त की है। अकादमी अलग-अलग विद्यालयों से जुड़े युवा खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करती है, जहां वे दैनिक अभ्यास के माध्यम से अपनी स्किल्स को मजबूत करते हैं। दिव्या घोंगड़े और मानसी वाकले ने अकादमी के नियमित कैंप और मैच प्रैक्टिस के जरिए अपनी फिटनेस, सर्विंग, स्पाइकिंग और डिफेंस जैसी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया, जो उनके चयन का मुख्य कारण बना। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि पूरे लांजी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि यह स्थानीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने वाली पहल को रेखांकित करती है। चयन की खुशी में अकादमी के सदस्यों ने दोनों बालिकाओं को बधाई दी। अकादमी के प्रमुख सदस्यों में नवीन रामटेक्कर, राकेश मर्सकोले, महेंद्र खोबरागड़े, वरुण बड़मे, साहिल पांडे, नवीन मात्रे, विनोद चौधरी, विनय सातपुते, खुशाल खानोरकर, अजय कारसर्पे, मनसा घोंगड़े, कशिश बारसागढ़े, क्रिस्टी कोठारें, कीर्ति उपराड़े और भारती लहरोनिया शामिल हैं। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अकादमी के इन

सदस्यों ने कहा कि यह चयन अकादमी की मेहनत का फल है और आगे भी ऐसे ही सफलताओं की उम्मीद है। लांजी क्षेत्र में खेलों का विकास तेजी से हो रहा है। भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी जैसे संस्थान ग्रामीण युवाओं को राष्ट्रीय और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का मानना है कि ऐसे चयन न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि पूरे समुदाय में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने भी इस उपलब्धि की सराहना की है और भविष्य में और अधिक संसाधनों की व्यवस्था का आश्वासन दिया है।

शासकीय महाविद्यालय में हिन्दी दिवस पखवाड़े का हुआ समापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वामी विवेकानन्द कैरियर मागदर्शन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के संयुक्त तत्वधान में हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन 01 सितंबर से 15 सितंबर तक महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.आर.आर. सोनवाने के अध्यक्षता में एवं डॉ. डालेश कुमार विजयवार (हिन्दी विभाग) के संयोजन में तथा स्वामी विवेकानन्द प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. गौतमा कठाने के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरूआत में ज्ञान की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ 01 सितंबर 2025 को किया गया था। हिन्दी पखवाड़े के अर्न्तगत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन महावद्यािलय में किया गया, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन, हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के समापन के अवसर पर 15 सितंबर 2025 को कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। इस समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.आर.आर. सोनवाने द्वारा की गई। सर्वप्रथम मंच संचालन कर रहे विजय हटिले के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा रखी गई, तत्पश्चात भूगोल विभाग के प्राध्यापक आर. आर. टिकेश्वर द्वारा हिन्दी दिवस पर व्याख्यान छात्र/छात्राओं को दिया गया। इसके पश्चात ज्ञानदेव कुशले (हिन्दी विभाग) द्वारा हिन्दी की उपयोगिता पर छात्रों को सम्बोधित किया गया। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने द्वारा हिन्दी दिवस पखवाड़े के संदर्भ में विस्तृत रूप से छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई । अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी नितेश कुमार मेश्राम के द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही ।

स्व. राणा हनुमान सिंह की 111वीं जयंती पर हुई किसान संगोष्ठी

जन स्वास्थ्य व पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। स्व. राणा हनुमान सिंह की 111वीं जयंती के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव में किसान संगोष्ठी, जन स्वास्थ्य और पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने किया। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक हिना लिखीराम कावरे, राणा हनुमान सिंह फाउंडेशन के विनय सिंह सरसवार सहित कई गणमान्य व्यक्ति और 25-30 पंचायतों से 350 से अधिक किसान शामिल हुए। डॉ. धुवारे ने केंद्र की गतिविधियों की जानकारी दी, जिसमें डीएसआर विधि से धान की बुवाई, सुपर सीडर मशीन का उपयोग, किसान सारथी पोर्टल के माध्यम से 1,15,216 किसानों को एसएमएस द्वारा जानकारी और 500 से अधिक व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए मौसम व कृषि तकनीक संबंधी सूचनाएं शामिल हैं। इस वर्ष केंद्र द्वारा उत्पादित धान बीज बालाघाट, सिवनी और भंडारा (महाराष्ट्र) के किसानों को उपलब्ध कराए गए। उन्होंने किसानों को पशुपालन, मछली पालन, सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, मशरूम और औषधीय खेती के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार ने स्व. राणा हनुमान सिंह के कृषि क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए वैज्ञानिकों को किसानों के हित में एकजुट होकर काम करने का सुझाव दिया। उन्होंने केंद्र के रास्ते की मरम्मत के लिए 5 लाख रुपये की स्वीकृति दी। पूर्व विधायक हिना कावरे ने बढ़ती कृषि लागत

के बावजूद किसानों की मेहनत की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। राणा हनुमान सिंह फाउंडेशन के विनय सिंह सरसवार ने किसानों से वैज्ञानिकों के संपर्क में रहकर खेती में सुधार करने की अपील की। जिला महामंत्री अनुप सिंह बैस और झलेंद्र सिंह चौहान ने राणा हनुमान सिंह के सामाजिक, शैक्षणिक और खनिज क्षेत्र में योगदान को याद किया। रंजीत सिंह चौहान और कृषि सभापति तामेश्वर पटले ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। विकासखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ जगदीश कुतरिये के द्वारा कृषक संगोष्ठी आयोजन करने का उद्देश्य के बारे में बताते हुए, कृषि एवं फसल विविधीकरण, नरवाई प्रबंधन, जे फार्म, एनपीएसएस एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने यंत्रीकरण के लाभ बताए, जबकि डॉ. आर.के. पानसे और डॉ. उत्तम बिसेन ने धान कीट नियंत्रण और चूहों से बचाव की जानकारी दी। सहायक संचालक कृषि राजेश खोबरागड़े ने दलहनी फसलों की उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डाला। शिविर में 220 पशुपालकों का पंजीयन, 600 पशुओं का टीकाकरण, 6 गर्भ परीक्षण, 136 पशुओं को औषधि वितरण और 75 पशुओं का उपचार किया गया। जन स्वास्थ्य शिविर में 307 लोगों की जांच और दवाइयां वितरित की गईं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पेंडरई की रंजु बाजीराव पोरगड़े और कटंगी के रामेश्वर चौरीवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मौसम वैज्ञानिक धर्मेंद्र आगाशे ने किया और आभार चेतना अजय कुर्हे ने व्यक्त किया। केंद्र की अन्नपूर्णा शर्मा और दिलीप कुमार शिव का योगदान सराहनीय रहा।

एबीवीपी की नगर कार्यसमिति का गठन, ऋषभ रजक बने नगर मंत्री

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी की लांजी इकाई ने 15 सितंबर को एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित कर नगर कार्यसमिति का गठन किया। इस आयोजन ने स्थानीय युवाओं में संगठन के प्रति उत्साह जगाया और लांजी में एबीवीपी की सशक्त उपस्थिति को दर्शाया।

दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद और मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण के साथ हुई। यह परंपरा एबीवीपी की वैचारिक दृढ़ता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पण को दर्शाती है। युवाओं का अनुशासित उत्साह कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा।

प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति

सभा में पूर्व प्रांत सह मंत्री उज्वल श्रीवास्तव, जिला संगठन मंत्री राहुल जी, जिला समन्वयक आदित्य अग्रवाल, पूर्व क्षेत्र समन्वयक सफीक खान, शुभम मिश्रा और पूर्व नगर अध्यक्ष निलेश दुरूगकर उपस्थित रहे। संगठन की विचारधारा और कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया गया।

एबीवीपी का उद्देश्य- राष्ट्रसेवा के लिए युवा नेतृत्व

जिला समन्वयक आदित्य अग्रवाल ने कहा, एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है, जो छात्रों को जागरूक कर, नेतृत्व के लिए तैयार करता है और राष्ट्रसेवा के पथ पर अग्रसर करता है। जिला संगठन मंत्री राहुल जी ने सदस्यता अभियान की जानकारी साझा कर अधिक से अधिक छात्रों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया।

नई नगर कार्यसमिति की घोषणा

सभा में ऊर्जावान और समर्पित नगर कार्यसमिति की घोषणा की गई। प्रमुख पदाधिकारी इस प्रकार हैं- नगर मंत्री- ऋषभ भाथरे (रजक), नगर उपाध्यक्ष- पिंकी श्रीवास, नगर सह मंत्री- संस्कार अग्रवाल, सुमित ठाकरे, जाग्रति शुक्ला, महाविद्यालय प्रमुख- ललित भरने, सामाजिक माध्यम प्रमुख- राजा गुरदे, सामाजिक माध्यम सह प्रमुख- हर्ष भालाधरे, छात्र शक्ति विभाग प्रमुख- कमलेश गुरदे, छात्र सेवा विभाग प्रमुख- रेशमी उरोड़े , राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमुख- आशीष सोनवाने, 'खेलो भारत' प्रमुख- रितेश आमाडारे 'खेलो भारत' सह प्रमुख- शुभम रामटेके, नगर कार्यसमिति सदस्य- दिव्या अस्तने, निशा ठाकरे, सोनल लाडे, सुहाना बडघैया, तपेश कालबेले, विरेन्द्र इनवाती, जेसिका उरोड़े, आरती कलपुरे, श्रेयांश अग्रवाल, सुनैना चंदाहे, कीर्ति बावने, आकांक्षा पालेवार शामिल हैं।

भविष्य की योजनाएँ

सभा में आगामी गतिविधियों, छात्र हितों से जुड़े कार्यक्रमों और सामाजिक सहभागिता की योजनाओं पर चर्चा हुई। एबीवीपी ने छात्र समस्याओं के समाधान और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

लांजी में एबीवीपी की सक्रियता

यह आयोजन लांजी में एबीवीपी की वैचारिक और सामाजिक सक्रियता का प्रतीक बना। नई कार्यसमिति स्थानीय युवाओं में नेतृत्व, सेवाभाव और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

रमेशचंद्र जी अग्रवाल पंचतत्व मे विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी एवं गोंदिया के प्रतिष्ठित व्यापारी श्री रमेशचंद्र जी पिता श्री मानिकचंद अग्रवाल का 84 वर्ष की आयु मे 15 सितंबर को सुबह 5 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे 4 पुत्र ललित अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल सहित नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। जिनका अंतिम संस्कार 15 सितंबर को शाम पांच बजे गोंदिया स्थित स्थानीय मोक्ष धाम में सामजिक रीति रिवाजों के साथ किया गया। आपके निधन पर भाई नरेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल (भतीजा) सहित समस्त अग्रवाल व गोयल परिवार व्यापारी संघ लांजी, गोंदिया, जनप्रतिनिधि, मित्र मंडल के द्वारा शौक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परम पिता परमेश्वर से मृत आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान प्रदान करने तथा इस दुःख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु प्रर्थना की गई है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

शिक्षक भर्ती परीक्षा का 4 माह में नहीं आया रिजल्ट

राजधानी की सडक़ों पर उतरे अभ्यर्थी, डीपीआई का किया घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश में वर्ग-2 शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी न होने से नाराज अभ्यर्थी सोमवार को राजधानी की सडक़ों पर उतर आए। प्रदेश भर से आए सैकड़ों उम्मीदवार रिजल्ट जारी करने की मांग लेकर मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड पहुंचे जब वहां सुनवाई नहीं हुई तो उसके बाद पैदल मार्च करते हुए डीपीआई पहुंचे और वहीं बैठ गए। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाएगी प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की और विरोध दर्ज कराया।

अभ्यर्थियों ने बताया कि दिसंबर 2022 से शुरू हुई मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा वर्ग-2 की प्रक्रिया अभी तक परिणाम के इंतजार में अटकी हुई है। हाई कोर्ट की रोक हटने के बाद भी रिजल्ट में देरी से अभ्यर्थी मानसिक तनाव में हैं। अभ्यर्थियों ने कहा कि तीन साल से भर्ती प्रक्रिया ही चल रही है, यह पूरी नहीं की जा रही। रिजल्ट घोषित होने के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में भी समय लगेगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि वर्ग-2 शिक्षक भर्ती परिणाम तीन दिनों के भीतर घोषित किया जाए। यदि देरी का कारण तकनीकी या प्रशासनिक है, तो प्रेस नोट जारी किया जाए। देरी से हुए मानसिक तनाव की जिम्मेदारी ईएसबी को लेनी चाहिए।

2022 में जारी हुआ था भर्ती परीक्षा का विज्ञापन

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा का विज्ञापन दिसंबर 2022 में जारी हुआ था। इसके बाद पात्रता परीक्षा अप्रैल 2023 में और चयन परीक्षा अप्रैल 2025 में आयोजित की गई। हालांकि, अब तक इस परीक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया गया है, जिससे लगभग दो लाख उम्मीदवार मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। अभ्यर्थी लगातार से मप्र कर्मचारी चयन मंडल रिजल्ट के लिए गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकाला गया।

लगभग डेढ़ लाख उम्मीदवार परेशान

जानकारी के लिए बतादें कि कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) के जरिए आयोजित माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा का रिजल्ट चार महीने से अटका हुआ है। परीक्षा अप्रैल में आयोजित की गई थी, लेकिन अब तक इसका रिजल्ट जारी नहीं किया गया है। इस देरी के कारण परीक्षा में शामिल हुए लगभग डेढ़ लाख उम्मीदवार परेशान हैं। वहीं, अपनी परेशानियों को लेकर कई बार ईएसबी से संपर्क भी किया। लेकिन कोई सनवाई नहीं हई है।

स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी

अभ्यर्थियों ने यह भी बताया कि कुछ पदों, जैसे खेल और संगीत के शिक्षक में पिछले 20 वर्षों से भर्ती नहीं हुई है। हालांकि, स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। इसके पीछे की बड़ी वजह भर्ती प्रक्रिया में विफलता है। परिणाम घोषित होने के बाद भी डोक्यूमेंट वेरिफिकेशन में समय लगने से नियुक्ति प्रक्रिया में और देरी हो सकती है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी होने के बाद भी शिक्षक भर्ती उस अनुपात में नहीं हो रही। अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है।

मप्र में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा

- इंजीनियर-डे पर कार्यक्रम में सीएम ने कहा...

भोपाल। मप्र में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा। जिसमें ट्रेनिंग देकर इंजीनियरों को दक्ष बनाया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे इंजीनियर-डे पर सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियंता का मतलब आरंभ और शुभारंभ कर्ता है।

सीएम ने कहा कि वैज्ञानिक शोध करते हैं, लेकिन जनता की सुगमता के लिए बीच की कड़ी अभियंता होते हैं। कोरोना के दौर में हमने नमस्कार को चमत्कार देखा। अच्छे-अच्छे राष्ट्राध्यक्ष हाथ जोड़े खड़े थे। पार्लियामेंट की दोनों डिजाइन देखो तो पुरानी वाली मितावली पढ़ावली की है। नए भवन की डिजाइन हमारे बीजा मंडल की है। सृजन वालों से आज के समय में अभियंता ही जुड़ता है।

कई सरकार हमारे कामों को अपना रहीं

सीएम ने कहा कि देश में कई सरकारें हमारे कामों को अपना रही हैं। समय पर निर्माण करने वालों को सम्मानित करना चाहिए। वो जमाना गया जब ताजमहल बनने के बाद हाथ काट दिए जाते थे। अब तो ताजमहल जैसे कामों का ठेका लेने दस लोग खड़े रहते हैं। पुष्पक विमान की विशेषता थी कि कम लोग हों तो वह सिकुड़ जाता था और ज्यादा लोग हों तो साइज बढ़ जाता थे, लेकिन एक सीट खाली रह जाती थी। आज वैसा विमान बना नहीं। आप लोग बजरंगबली से कम थोड़े हो बुद्धि से रास्ते बनाने का काम इंजीनियर करते हैं चिनाव जैसे ब्रिज आप लोगों ने बनाए।

अच्छे काम के लिए पुरस्कार भी मिलना चाहिए

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि हम ईको फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे हैं। काम में गड़बड़ी न हो, इसलिए औचक निरीक्षण कर ठेकेदारों पर कड़ाई की जा रही है। दंड लगा रहे हैं। दंड सुधार के लिए होता है, अच्छे काम के लिए पुरस्कार भी मिलना चाहिए जो आज देंगे। उन्होंने कहा कि आज हम 7 इंजीनियर और 4 कॉन्ट्रेक्टर को पुरस्कार दे रहे हैं। अच्छा अभियंता केवल तकनीकी ज्ञान से नहीं बल्कि अच्छे वर्क से बनता है।

मध्यप्रदेश में पुलिस की भर्ती के विज्ञापन को लेकर नाराज युवा, आवेदन शुरु

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक ओर 7500 पदों पर पुलिस की भर्ती निकली है, लेकिन इस बार एक नई शर्त ने विवाद शुरू किया है। क्योंकि इस बार मोहन सरकार ने रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता हटा दी है, युवाओं का कहना है कि यह कदम गलत है, क्योंकि सरकार के इस फैसले से बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों को फायदा मिलेगा और मध्यप्रदेश के स्थानीय युवाओं का नुकसान होगा। इसलिए युवा शर्त पर अड़े हुए हैं कि यह शर्त हटनी चाहिए, लेकिन बताया जा रहा है कि यह शर्त पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई थी।

कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल की ओर से पुलिस विभाग में कांस्टेबल के 7,500 पदों पर भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है। जिसके लिए आवेदन आज यानि 15 सितंबर, 2025 से शुरू हो गए हैं।

रजिस्टर्ड उम्मीदवारों को 4 अक्टूबर, 2025 तक आवेदन फॉर्म में सुधार करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं परीक्षा का आयोजन अक्टूबर में होगा। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, यह परीक्षा दो पाली में होगी जिसमें पहली पाली सुबह 7.30 से 8.30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक। भर्ती से संबंधित अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवारों को ऑफिशियल नोटिफिकेशन देखने की सलाह दी जाती है।

'ईमानदारों' पर पड़ रही महंगी बिजली की मार

भोपाल। मप्र में बिजली कंपनियों की मनमानी ईमानदार उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है। इसकी वजह यह है कि बिजली कंपनियां सरकारी सहूलियतों और राहतों के बाद भी बिजली महंगी कर रहे हैं। इससे उन लोगों पर अधिक भार पड़ रहा है जो हर महीने बिजली बिल का भुगतान करते हैं। देश में एक तरफ जहां दूसरे राज्यों में बिजली सस्ती हो रही है, वहीं मप्र में बिजली बिलों का नियमित भुगतान करो तो भी बिजली महंगी और न करो तो भी महंगी। चुनाव, चोरी व बिलों की शत-प्रतिशत वसूली नहीं होना, इसकी मुख्य वजह है, जो ईमानदारी से बिल भुगतान करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के लिए सिरदर्द बना हुआ है। असल में तत्कालीन सरकार ने विधानसभा चुनाव 2023 से पहले अगस्त तक कई श्रेणी के करीब 89 लाख उपभोक्ताओं के लगभग 5 हजार करोड़ के बिल स्थगित कर दिए थे। उसके बाद नए सिरे से अगले महीने के बिल दिए। इनमें बकाया शामिल नहीं था।

20 से 50 पैसे तक महंगी बिजली

चुनाव के बाद से अब तक ये बिल माफ नहीं किए। तीनों विद्युत वितरण कंपनियां इन्हें वसूल तो नहीं पा रहीं, लेकिन अपनी बैलेंस बुक में घाटा दिखा विद्युत नियामक आयोग से आम उपभोक्ताओं के लिए बिजली के दाम बढ़वा लिए। बोझ नियमित बिल देने वालों पर भी पड़ रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 20 पैसे से 50 पैसे तक महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सरकारें और बिजली कंपनियां ठीक से काम करें तो घाटे जैसी स्थिति नहीं बनेगी। घाटा नहीं होगा तो दाम भी नहीं बढ़ाने पड़ेंगे। कहने को तो ऊर्जा विभाग बिजली कंपनियों के कामकाज पर नियमित निगरानी कर रहा है, लेकिन बिजली चोरी और लाइन लॉस नहीं रुकवा पा रहा। यह भी घाटे की बड़ी वजह है। इसके अलावा नियमित बिलों की वसूली में भी शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल नहीं हो रहे इन सबका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष असर सूबे के आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यह पहला मौका नहीं है, जब कंपनियों को अकेले बिलों की वसूली स्थगित करने व माफ करने में घाटा खाना पड़ रहा है, बल्कि 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले भी बिजली बिल माफी योजना लाई गई थी, जिसमें बिलों को माफ करने की घोषणा की, बिल माफ भी किए।

मप्र में लैंड पूलिंग एक्ट के विरोध में प्रदर्शन

भारतीय किसान संघ ने पीएम के नाम दिया ज्ञापन

भोपाल। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर सोमवार को पूरे प्रदेश में आंदोलन किया। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर किसान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। राजधानी में मुख्यमंत्री ने बिल पर सभी से संवाद की बात कही है।

2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए, किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मामले पर आरएसएस का अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ ने सोमवार को पूरे मप्र में विरोध प्रदर्शन किया। उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में करीब 17 गांवों के किसानों की जमीनों का स्थायी अधिग्रहण को लेकर किसान और भारतीय किसान संघ ने कलेक्टरों को ज्ञापन दिया। मंगलवार को उज्जैन में करीब 500 से ज्यादा ट्रेक्टरों की रैली निकाली जाएगी। उज्जैन के विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा शामिल होंगे। मिश्रा लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर किसान संघ के आगे के आंदोलन की भी घोषणा करेंगे।

पीएम के नाम किसानों की प्रमुख मांगें

- खेती में लगने वाले बीज, खाद, दवाइयों और यंत्रों से जीएसटी पूरी तरह हटाया जाए। आयात-निर्यात नीति किसानों के हित में बने, फसल तैयार होने पर आयात न किया जाए। कृषि यंत्र, बीज और दवाइयों पर जीएसटी की दर न्यूनतम रखी जाए। देश में जीएम बीजों (जीन परिवर्तित बीज) को किसी भी स्थिति में अनुमति न दी जाए। कपास पर हटाया गया आयात शुल्क दोबारा लागू किया जाए। जमीन अधिग्रहण केवल राष्ट्रीय महत्व और विकास योजनाओं के लिए हो, पूरे देश में एक समान कानून बने। किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हर जिले में नोडल अधिकारी और हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था की जाए। किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि लोन प्रक्रिया आसान, पारदर्शी और ऑनलाइन हो। बैंक अधिकारियों द्वारा अनावश्यक परेशानियां देने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जैसे मुद्रा लोन तुरंत मिलता है, वैसे ही किसानों को भी तुरंत कृषि लोन मिले। खेती में लगने वाले डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। हर ग्राम पंचायत में वर्षा मापक यंत्र लगाया जाए। प्रत्येक जिले में कृषि कॉलेज खोले जाएं और बच्चों को छोटी कक्षाओं से ही कृषि की पढ़ाई कराई जाए। सभी फसलों की खरीद पूरे साल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाए। किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर10,000 प्रति हेक्टेयर किया जाए। जैविक खेती करने वालों को भी खाद सब्सिडी जितना प्रोत्साहन दिया जाए। फसल बीमा योजना में सैटेलाइट सर्वे की जगह खेत में जाकर नुकसान का आकलन (नेत्रांकन) किया जाए। किसानों को 5 लाख तक का कृषि ऋण उपलब्ध कराया जाए।

विनोद / 15 सितम्बर 25

पीपीपी मॉडल पर बस संचालन की तैयारी अंतिम चरण में

मुनाफे के साथ घाटे वाले रूटों पर भी बसें चलाना पड़ेगी ऑपरेटरों को

भोपाल । रोडवेज को बंद हुए सालों बीत गए और अब एक बार फिर सरकारी लोक परिवहन सेवा के तहत पीपीपी मॉडल पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन शुरू होगा, जिसमें ई-बसें भी शामिल रहेंगी और निजी ऑपरेटरों को मुनाफे के साथ घाटे वाले रूटों पर भी बस सेवा देना पड़ेगी। इंदौर और उज्जैन संभाग से यह नई बस सेवा आने वाले समय में शुरू की जा सकती है, जिसके रूटों का सर्वे भी परिवहन विभाग ने करवा लिया है। एक सुझाव श्रीकृष्ण पाथेय से भी इन बसों को शुरू करने का आया है। मुख्यमंत्री ने भी पिछले दिनों इस बस सेवा का सिस्टम देखा और कुछ सुझाव भी दिए। न लाभ ना हानि के आधार पर ये बसें चलाई जाएंगी और इसके संचालन की त्रिस्तरीय व्यवस्था रहेगी।

जिस तरह इंदौर में एआईसीटीएसएल और अन्य बड़े शहरों में भी वहां की क्षेत्रीय कम्पनियों का गठन कर सिटी बसों के साथ-साथ दो शहरों और राज्यों के बीच भी बसें चलाई जा रही हैं। एआईसीटीएसएल द्वारा सिटी बसों के अलावा इंदौर-भोपाल सहित अन्य रूटों पर ऐसी बसों का संचालन किया जा रहा है। अब ये सभी क्षेत्रीय कम्पनियां भी राज्य स्तर पर गठित कम्पनी के अधीन आ गई है और उन पर पूरा नियंत्रण इस राज्य स्तरीय कम्पनी का रहेगा। सीसीटीवी कैमरे, एआई सिस्टम सहित इन बसों का संचालन पीपीपी मॉडल पर होगा और सरकार कोई भी बस नहीं खरीदेगी, बल्कि निजी ऑपरेटरों के माध्यम से ही संचालन करवाएगी। कम्पनी यात्रियों के साथ-साथ कार्गो परिवहन की सुविधा भी देगी और मोबाइल ऐप के जरिए बसों में होने वाली बुकिंग के साथ-साथ मेट्रो, ई-रिक्शा, ऑटो, ई-बाइक की सुविधा को भी जोड़ा जाएगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने इंदौर, उज्जैन संभाग से से इन बसों के संचालन को शुरू करने के निर्देश भी दिए। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री को जो प्रजेंटेशन दिया उसमें परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों और गांवों के नाम बसों की विंड शिल्ड पर स्पष्ट नजर आना चाहिए और सभी बस स्टॉपों पर भी नाम लिखे हों। ड्राइवर, कुशल योग्य और सभी दस्तावेज उसके पास हों। पुलिस सत्यापन भी ड्राइवर-कंडक्टर सहित अन्य स्टॉप का करवाया जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि 20 साल बाद इस तरह की परिवहन सेवा शुरू की जा रही है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को केबिनेट से मंजूरी भी दी गई और अब बसें दौड़ाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी इसमें थोड़ा समय और लगेगा। शासन ने इसके लिए गठित होर्डिंग कम्पनी के लिए 101 करोड़ रुपए की अंश पूंजी की मंजूरी भी दी है। शहर से लेकर गांव और खासकर आदिवासी अंचलों में भी ये बस सेवा मिलेगी। अभी दरअसल, निजी ऑपरेटरों द्वारा सिर्फ मुनाफे वाले रुटों पर ही बसें चलाई जाती है, जिसके चलते दुरस्त ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को सस्ती, सुगम और उपयोगी सेवा नहीं मिल पाती, जिसके चलते ट्रैक्टर, ट्रॉली, ट्रकों सहित अन्य वाहनों में भरकर लोगों को आना-जाना पड़ता है, जिसके चलते कई बार दुर्घटना भीती है। अब व्यवस्थित बस सेवा प्रदेशभर के यात्रियों को आने वाले कुछ महीनों में मिलने लगेगी।

संवाद से ही निकलेगा हल, सरकार सबके हित में काम कर रही है

भोपाल। मप्र में लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर किसानों के 16 सितंबर के प्रदर्शन से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा भाव है कि सबसे संवाद करके सबके हित की बात सोचकर चले। महाकुम्भ में सुरक्षा व्यवस्था,बेहतर प्रबंधन के साथ स्थायी संरचना के काम धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है। सरकार सभी किसानों को साथ लेकर चल रही। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि विकास के क्रम को बराबर बनाए रखें, विकास के रास्ते पर सभी साथ चलते है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि लगातार हमारे विकास के कामों को सबका समर्थन मिलता हैं उसी भाव से हम चल रहे है।

बता दें सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के लिए उज्जैन में किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन भारतीय किसान संघ ने प्रदेशव्यापी विरोध का ऐलान किया है। सोमवार को संगठन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री के नाम अलग-अलग जिलों में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपेंगे। मंगलवार यानी 16 सितंबर को उज्जैन में बड़ा प्रदर्शन होगा। किसान संघ की ओर से करीब 500 से ज्यादा ट्रैक्टरों की रैली निकाली जाएगी। इस प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा भी शामिल होंगे। मिश्रा यहां आंदोलन की आगे की रणनीति और चरणबद्ध कार्यक्रम का एलान कर सकते हैं।

नौ और जिलों में पीपीपी मॉडल से खुलेंगे प्राइवेट मेडिकल कॉलेज

सरकार 1 रुपये में 25 एकड़ जमीन निवेशक को देगी

भोपाल। राज्य सरकार ने वर्ष 2028 के पहले प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में सरकारी या सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से मेडिकल कॉलेज शुरू करने का लक्ष्य रखा है। 12 जिलों में पीपीपी से मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने के लिए दो बार निविदा जारी की गई, जिसमें पन्ना, बैतूल, धार और कटनी में एक निवेशक कॉलेज प्रारंभ करने के लिए तैयार हुआ।

अब लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में संचालक प्रोजेक्ट नीरज सिंह ने पुष्टि की है कि शेष बचे आठ जिलों और शाजापुर को मिलाकर नौ जिलों के लिए फिर ऑफर बुलाए जाएंगे। कॉलेज खुलने पर प्रदेश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी और मरीजों को लाभ मिलेगा। मध्य प्रदेश में अभी 19 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं।

नियमों में किया था परिवर्तन

इससे पहले कटनी, टीकमगढ़, बालाघाट, धार, सीधी, खरगोन, पन्ना, बैतूल, भिंड, नर्मदापुरम, देवास और मुरैना में पीपीपी से मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने के लिए निविदा बुलाई गई थी। इसमें कटनी, धार, पन्ना और बैतूल के लिए एमओयू हो चुका है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अप्रैल में कैबिनेट में पीपीपी से मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में परिवर्तन किया था। इसमें शर्त यह है कि निवेशक को सरकार एक रुपये की लीज पर 25 एकड़ जमीन देगी।

रोलिंग बजट विकसित मप्र का मजबूत आधार बनेगा

- मप्र में बजट की तैयारियां शुरू, विभागवार चर्चा में जुटे अधिकार

भोपाल। आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर सोमवार से अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है। पहले दिन योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, आनंद, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और ऊर्जा विभाग के अधिकारी बजट पर चर्चा हुई। दरअसल, मप्र सरकार अब बजट बनाने की नई प्रणाली अपनाने जा रही है। प्रदेश में पहली बार तीन साल का त्रिवर्षीय रोलिंग बजट तैयार किया जाएगा। इसका लक्ष्य है कि विकास योजनाएं लंबे समय तक प्रभावी रहें और 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। इसके साथ ही प्रदेश शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट वाला पहला राज्य बनेगा। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए बजट को अगले पांच वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। सरकार का कहना है कि इस प्रणाली से योजनाएं केवल कागजों में नहीं रहेंगी, बल्कि जमीनी स्तर पर उनका असर दिखेगा। इससे वित्तीय अनुशासन, जवाबदेही और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह पहल विकसित मध्य प्रदेश 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस आधार बनेगी और देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श साबित होगी। देवड़ा ने कहा कि शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट से न केवल प्रदेश की योजनाओं का ठोस मूल्यांकन होगा, बल्कि प्रत्येक खर्च का सीधा संबंध समाज की आवश्यकताओं और राज्य की प्राथमिकताओं से जोड़ा जा सकेगा। यह कदम मध्यप्रदेश को विकसित भारत और विकसित मध्य प्रदेश 2047 की दिशा में सबसे मजबूत आधार प्रदान करेगा।

तीन वर्षों की रूपरेखा

रोलिंग बजट में वर्ष 2026-27, 2027-28 और 2028-29 को शामिल किया जाएगा। हर योजना की स्वीकृति से पहले उसका मूल्यांकन होगा। यह देखा जाएगा कि योजना पर कितना खर्च आएगा, उसका आर्थिक असर क्या होगा और वह जनता तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। सरकार ने तय किया है कि जिन विभागों को केंद्र सरकार से फंड मिलता है, उनकी निगरानी भी की जाएगी। इसके अलावा ऑफ-बजट खर्च, ऋण, प्रोत्साहन योजनाएं और नई योजनाओं की स्वीकृति की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया जाएगा। कर्मचारियों के वेतन में चार प्रतिशत सालाना वृद्धि का प्रावधान रहेगा। साथ ही अनुसूचित जाति के लिए 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के लिए 23 प्रतिशत बजट सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में इस साल पिछले वर्षों के मुकाबले महीने भर पहले से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वित्त विभाग के अपर सचिव व उप सचिव अन्य विभागों के अपर सचिव, उप सचिव रैंक के अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ विभागवार बजट की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। प्रथम बजट चर्चा के बाद 31 अक्टूबर तक विभागों को नई योजनाओं के प्रस्ताव भेजना होंगे। एक अक्टूबर से 15 नवंबर तक द्वितीय चरण की चर्चा होगी। सभी बैठकें वल्लभ भवन में आयोजित की जाएंगी।

विभागवार इस तरह होगी चर्चा

आज से शुरू हुई बजट चर्चा 29 सितंबर तक चलेगी। पहले दिन सोमवार को योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, आनंद, विमानन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने चर्चा की।

न्यूजीलैंड के लिए खेलेंगे मगर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का नहीं होंगे हिस्सा

विलियमसन समेत न्यूजीलैंड के 5 खिलाड़ियों ने चुना कैजुअल एग्रीमेंट

नई दिल्ली,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक नए बदलाव की शुरूआत की है। बोर्ड ने टीम के पांच बड़े खिलाड़ियों के साथ सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की बजाय कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट साइन किया है। इनमें पूर्व कप्तान केन विलियमसन का नाम भी शामिल है।

उनके अलावा फिन एलन, डेवन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम साइफर्ट का नाम शामिल है, जो 2025-26 के सत्र में न्यूजीलैंड के लिए खेलेंगे, लेकिन सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट का हिस्सा नहीं होंगे। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के इतर इस कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट्स को बनाने का मकसद ये है कि खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए बड़े टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहें और दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग्स में खेलते रहें। कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट सिस्टम सुनिश्चित करता है कि ये खिलाड़ी न्यूजीलैंड की टीम के हाई परफॉर्मेंस सिस्टम का हिस्सा बने रहें, जहां उन्हें कोचिंग, मेडिकल फैसिलिटी और मानसिक कौशल सहायता के साथ-साथ जिम और क्रिकेट सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त हो। कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट के लिए, पात्र होने के लिए, खिलाड़ियों को ब्लैककैप्स के आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप अभियान के लिए प्रतिबद्ध होना आवश्यक था, जिसमें फरवरी और मार्च में भारत में होने वाले टूर्नामेंट से पहले एक निश्चित संख्या में सीरीज और मैचों के लिए उपलब्ध रहना भी शामिल था।

केन को छोड़कर सभी खिलाड़ियों ने आगामी सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया

केन विलियमसन को छोड़कर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध नहीं बताया है, सभी खिलाड़ी न्यूजीलैंड की टीम की आगामी टी-20 होम सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध होंगे। विलियमसन ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज और टी-20 ट्राई सीरीज नहीं खेली। इसकी बजाय उन्होंने इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट, काउंटी चैम्पियनशिप और द हंड्रेड में हिस्सा लिया। कॉनवे, एलन, फर्ग्यूसन और सीफर्ट 1 से 4 अक्टूबर तक माउंट माउंगानुई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, विलियमसन ने इस सीरीज से खुद को अनुपलब्ध बताया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि टी-20 विश्व कप वर्ष में ये कैजुअल एग्रीमेंट्स उचित थे। उन्होंने कहा, इस तरह के शिखर आयोजन के मद्देनजर हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हमारे सर्वश्रेष्ठ टी-20 खिलाड़ी टूर्नामेंट के लिए शामिल होने के लिए तैयार और उपलब्ध रहें।

भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने से भड़का पीसीबी

खेल भावना के खिलाफ बताया, आईसीसी से की शिकायत

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए, एशिया कप 2025 मैच में पाकिस्तान टीम को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हराने के बाद उससे हाथ भी नहीं मिलाया जिससे पाक बोखलाया हुआ है। इस प्रकार भारतीय टीम ने पाक को एक कड़ा संदेश भी दिया है कि आतंकवाद सहन नहीं किया जाएगा।

इस मैच के दौरान कई अवसरों पर पाक खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने और खेल भावना दिखाने के प्रयास किये पर भारतीय टीम ने उसे अनदेखा कर दिया। इसी कारण टॉस के समय भी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। पूरे मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाक से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार और शिवम दुबे विजयी शॉट लगाकर पाक खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए बिना हाथ मिलाये ही सीधे सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए। इससे पाक खिलाड़ी उन्हें जीत के बाद वापस जाते हुए देखते रहे। इस मामले को पाक बोर्ड पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती मानते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी के टीम मैनेजर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और भारतीय टीम के रवैये पर नाराजगी जताई है। वहीं भारतीय टीम का इस प्रकार का व्यवहार स्वाभाविक था क्योंकि मैच से पहले ही टीम पाक की आतंक घटनाओं से रोष में थी पर उसने तय किया था कि पाक खिलाड़ियों से कोई हाथ नहीं मिलाएगा। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि और पाकिस्तान को करारा जवाब देने के तौर पर लिया गया। मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार ने पत्रकार वार्ता में ये जीत 'पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों' को समर्पित की और

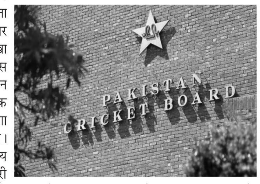

सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर के लिए आभार जताया।

वहीं पाक के पूर्व क्रिकेटरों ने इस मामले में नाराजगी जताई है। उसके पूर्व क्रिकेटरों बासित अली, कामरान अकमल और राशिद लतीफ ने भारतीय टीम के इस कदम को 'क्रिकेट भावना के खिलाफ' बताया है। राशिद लतीफ ने कहा कि आईसीसी को ये मामला क्यों नहीं दिख रहा है। वहीं भारत में सभी ने टीम के इस रवैये को सही करार देते हुए कहा कि क्रिकेट खेलना अलग बात है पर आतंक घटनाओं में शामिल देश के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया जा सकता है।

भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने पर भड़के शोएब, बोले खेल को राजनीति से दूर रखें

दुबई। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने पर नाराजगी जतायी है। शोएब ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को इस प्रकार किसी भी मैच में राजनीति नहीं लानी चाहिये थी। शोएब ने कहा, ये मैच है इसे राजनीति में न लायें। इसके अलावा उन्होंने पाक कप्तान सलमान अली आगा के पुरस्कार समारोह के बहिष्कार के फैसले को भी सही बताया।

इस मैच में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हराया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान ने पाक कप्तान की ओर देखा तक नहीं। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे भारत को जीत दिलाने के बाद सीधे ड्रेसिंग रूम लौट गए थे। जब पाकिस्तानी टीम हाथ मिलाने के लिए मैदान पर इंतजार कर रही थी तब भारत के सहयोगी स्टाफ ने ड्रेसिंग रूम के दरवाजे बंद कर दिये। इसी को लेकर शोएब ने कहा , मेरे पास शब्द नहीं हैं, । ये देखना दिल तोड़ने वाला है और मुझे नहीं पता कि क्या कहूं। भारत को शानदार खेल के लिए सलाम। चीजों को राजनीतिक मत बनाओ। क्रिकेट मैच है, इसको पॉलिटिकल मत बनाओ। झगड़े होते हैं, यहां तक कि आपके घर में भी होते हैं। उसे भूलिए और आगे बढ़िए। यह क्रिकेट का खेल है, हाथ मिलाइए, अपनी गरिमा दिखाइए।

हार के बाद अपनी टीम पर भड़के पाक प्रशंसक

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में मिली करारी हार से पाकिस्तान टीम के समर्थक भड़के हुए हैं। उनका कहना है भारतीय टीम के सामने उनकी टीम कहीं नहीं टिकती। भारतीय टीम के खिलाफ मिली एकतरफा हार के बाद पाक प्रशंसकों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर आई है। इसमें वे अपनी टीम और टीम के खिलाड़ियों और मुख्य कोच पर भड़के हुए दिखे। एक प्रशंसक ने कहा, भारतीय टीम दुनिया की सबसे अच्छी टीम है। उसको एशिया कप में हमारी टीम के साथ नहीं खेलना चाहिए। हमारी टीम उसके सामने छोटे बच्चों की टीम की तरह है। एक अन्य पाक प्रशंसक ने कहा, मैं एक मैच भी नहीं छोड़ता।

बुमराह टी20 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, भुवनेश्वर को पीछे छोड़ा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही बुमराह ने टी20आई क्रिकेट में भुवनेश्वर कुमार का सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ दिया। बुमराह ने 4 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसी के साथ ही अब बुमराह के 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17.67 की औसत और 6.29 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 92 विकेट हो गये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात रन देकर तीन विकेट है। इसी के साथ ही उन्होंने भुवनेश्वर के 87 मैचों में 90 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह के आगे अब हार्दिक पांड्या 116 मैचों में 95 विकेट, स्पिनर युजवेंद्र चहल 80 मैचों में 96 विकेट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 63 मैचों में 99 विकेट हैं।

बुमराह के अलावा कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ 18 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही स्पिनर अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन को भी पीछे छोड़ दिया। इस प्रकार कुलदीप टी20आई में भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 42 मैचों में 13.10 की औसत और 6.66 की इकॉनमी रेट से 76 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/17 का सर्वश्रेष्ठ स्पेल भी शामिल है। अब पाकिस्तान के खिलाफ आठ अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 8 मैचों में 12.66 की औसत और 5/25 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 18 विकेट लिए हैं।

वहीं अक्षर ने इस मैच में दो विकेट लेकर आर अश्विन को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 73 मैचों में 21.64 की औसत और 3/9 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 74 विकेट लिए हैं। अक्षर ने इस मैच में अपने 200 अंतरराष्ट्रीय विकेट भी पूरे किए।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने के पीछे थे गंभीर - रिपोर्ट

मुंबई। एशिया कप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। इससे एक प्रकार से भारतीय खिलाड़ियों ने पहगाम हमले को लेकर विरोध जताया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पाक टीम से हाथ नहीं मिलाने का फैसला पूरी टीम ने एकसाथ किया था और इसके पीछे मुख्य कोच गौतम गंभीर थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने मैच में पाक पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार करने की योजना बनाई थी। इसके साथ ही, गंभीर ने खिलाड़ियों को प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह की बहसबाजी नहीं करने कहा था।

रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच ने खिलाड़ियों को सोशल मीडिया से दूर रहने और मीडिया में मैच के बारे में चल रही सभी चर्चाओं को नजरअंदाज करने को भी कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांग चल रही थी।

ये भी कहा जा रहा है कि बोर्ड और सरकार की ओर से अनुमति दिए गए मैच में उनकी भागीदारी को लेकर लगातार उठ रहे सवालों से खिलाड़ी बेचैन थे, इसलिए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले ही अपनी टीम को ड्रेसिंग रूम में उत्साहित करने के लिए बुलाया था।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गंभीर ने टीम को मैच के दौरान और बाद में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने के लिए कहा था। रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने टीम से कहा था, सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं, शोर-शराबा पढ़ना बंद करें। आपका काम भारत के लिए खेलना है। पहलगाम में जो हुआ, उसे मत भूलना। हाथ मत मिलाओ, उलझो मत। बस मैदान पर जाओ, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो और भारत के लिए जीतो। खिलाड़ियों ने गंभीर के सुझाव का पालन किया और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस से पहले और बाद में किस्तानी टीम के कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया।

पीसीबी ने एसीसी में भारतीय टीम की शिकायत की

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप मैच में भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने से हताश हो गया है। पीबीसी ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) में आधिकारिक तौर पर एक शिकायत दर्ज करायी है। पीसीबी ने कहा, उसकी टीम के मैनेजर नवीद चीमा ने भारतीय खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने पर नाराजगी जताते हए अपनी शिकायत एसीसी में दर्ज करायी है। हमने इसे खेल भावना के विरुद्ध मानते हैं। इसी कारण हमने अपने कप्तान को मैच के बाद हुए अवार्ड समारोह में नहीं भेजा।पाकिस्तान के खिलाफ टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया।

पीसीबी ने कहा, मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने टॉस के समय आगा को भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कहा था। पाक टीम प्रबंधन ने इस व्यवहार को खेल भावना के विरुद्ध बताते हुए विरोध दर्ज कराया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में पाक टीम से हाथ नहीं मिलाया था। कप्तान सूर्या ने इस जीत को सशस्त्र बलों को समर्पित किया है।

अब लिवरपूल की ओर से खेलेंगे फॉरवर्ड ह्यूगो

लंदन। फांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे।

लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विर्ट्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जेरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।

वहीं डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। इसके अलावा फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री-सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं। कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है। सोमवार को क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, रेड्स और जर्मन टीम ने एक ट्रांसफर डील की, जिसकी कीमत 6.9 करोड़ पाउंड और 1 करोड़ पाउंड अतिरिक्त होने की बात कही जा रही है। 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी एकिटिके मेडिकल जांच कराने और मैनेजर आर्ने स्लॉट की टीम के साथ लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप देने के लिए मर्सीसाइड पहुंच गए। वहीं इससे पहले शनिवार को फ्रैंकफर्ट के प्री-सीजन मैत्री मैच में एकिटिके बेंच पर रहे और मैदान में नहीं उतरे, क्योंकि उनके भविष्य को लेकर बातचीत जारी थी।

भारतीय खिलाड़ी पाक से नहीं खेलना चाहते थे - रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहता था। साथ ही कहा कि भारतीय टीम ने मिलकर पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया था। रैना ने दावा किया है कि, एक भी खिलाड़ी एशिया कप में पाक से खेलने के लिए, तैयार नहीं था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सहमति दी थी। इसी वजह से खिलाड़ियों के पास इसका पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। रैना ने कहा, मुझे एक बात निश्चित रूप से पता है। अगर आप व्यक्तिगत रूप से खिलाड़ियों से पूछें, तो उनमें से कोई भी एशिया कप खेलना नहीं चाहता. एक तरह से वे मजबूर हैं क्योंकि बीसीसीआई ने इसके लिए सहमति दी थी। मुझे दुख है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेल गया लेकिन मैं यह भी कह सकता हूं कि अगर खिलाड़ियों से पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के बारे में उनकी व्यक्तिगत राय पूछी जाती. सारे खिलाड़ी इसको लेकर ना कहते. उनमें से कोई भी खेलना नहीं चाहता था। बीसीसीआई द्वारा भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए सहमति देने के बाद भी मैच का बहिष्कार करने की भी मांग उठीं थीं। मैच के प्रति सोशल मीडिया पर नाराजगी का माहौल था।

तेज गेंदबाज गुरजपनीत की शानदार वापसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने चोट के बाद वापसी करते हुए दिलीप ट्रॉफी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण क्षेत्र की ओर से दो पारियों में आठ विकेट लिए हैं। जिससे अब उनका करियर सही राह पर बढ़ता नजर आ रहा है। गुरजपनीत को आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपरकिंग्स ने शामिल किया था पर वह चोटिल होने के कारण बाहर हो गये थे। एक बार उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के शानदार बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा को भी शून्य पर आउट कर सभी का ध्यान खींचा था। गुरजपनीत ने कहा, 'मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा हूं। हमेशा एक दिन में कम से कम 20 ओवर गेंदबाजी करने की उम्मीद करता हूं। मुझे अपने कार्यभार को भी प्रबंधित करना है और हर गेंद पर अपना शत प्रतिशत देना है।'

गुरजपनीत ने जिस प्रकार से बल्लेबाज रजत पाटीदार के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए हुए खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी काफी बेहतर हुई है। यह तेज गेंदबाज 2022 से चोटों से परेशान रहा है जिसकी शुरुआत पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से हुई थी। गुरजपनीत ने कहा, 'उस साल तमिलनाडु में टीएनपीएल लीग के दौरान मुझे पीठ के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। जब मैं वापस आया तो मैं फिटनेस से जूझ रहा था। मैं अधिक ओवर नहीं कर पा रहा था लेकिन धीरे-धीरे, दिन-ब-दिन मैंने स्ट्रेंथ और अनुकूलन कोच और फिजियो के साथ मिलकर जो भी जरूरी था वह किया और इससे मुझे टीएनपीएल 2023 में खेलने में मदद मिली और यह एक अच्छा सत्र रहा।.'

वर्ष 2024 की शुरुआत गुरजपनीत के लिए शानदार रही जब उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में अनुभवी बल्लेबाज पुजारा को शून्य पर आउट कर दिया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर छह विकेट लिए। उन्हें 2024 के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले नेट गेंदबाज के रूप में चुना गया जहां उन्होंने कोहली के खिलाफ काफी अभ्यास किया और कोहली को भी प्रभावित किया।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से शुरु होगी, सुमित अंतिल पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप इसी माह 27 सितंबर से शुरु होगी। वाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली इस चैंपियनशिप में 104 देशों के 2,200 से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे। इसमें पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इसमें भारत को दो बार के विजेता सुमित अंतिल से पदकों की उम्मीदें रहेंगी। वह पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ64 श्रेणी में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियन हैं। वहीं पैरा ओलंपियन प्रवीन कुमार भी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने का प्रयास करेंगे। भारत की ध्वजवाहक प्रीति पाल रहेंगी। यह पहली बार है जब भारत इस प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इसमें कुल 186 पदक इवेंट होंगे, जो पिछली बार कोबे में हुए आयोजन से 15 अधिक हैं। इनमें 101 इवेंट पुरुषों के लिए, 84 महिलाओं के लिए और 1 मिश्रित इवेंट होगा। इसमें जर्मनी के मार्कस रेहम पर सबकी नजरें रहेंगी। वह जो पुरुषों की लंबी कूद टी64 में चार बार के पैरा ओलंपिक चैंपियन रहे हैं और सात बार के विश्व विजेता हैं। उन्हें ब्लेड जम्पर कहा जाता है। वहीं पेरिस पैरा ओलंपिक में पाँच स्वर्ण विजेता स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेबू्नर इस बार पाँच रेसों में हिस्सा लेंगी और अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने का प्रयास करेंगी। ब्राज़ील के पेट्रुसियो फेरेइरपुर्गो की 100 मीटर टी47 दौड़ में अपना लगातार पाँचवाँ विश्व खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की वेनेसा लो, जिन्होंने पेरिस में लंबी कूद टी63 में स्वर्ण पदक जीता था, अब एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के परिचित मैदान पर उतरेंगी और श्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अपनी अगुवाई जारी रखेंगी। सफिया जेजल, जेसी ज़ेस्रेउ और नसीमा सैफी जैसे अन्य ओलंपिक पदक विजेता भी इस आयोजन में उतरेंगे।

पाक के खिलाफ पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने पांड्या

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने यहां एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। हार्दिक ने मुकाबले में पहली ही गेंद पर पाक बल्लेबाज को आउट कर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की। हार्दिक ने सैम अयूब को आउट कर इतिहास रच दिया क्योंकि यह पहली बार था जब किसी भारतीय गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया।

भारत और अमेरिका के बीच पर्द के पीछे जारी हैं बातचीत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच क्या बात बनेगी। ट्रंप के टैरिफ के बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब तक भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। यह ऐसा मुद्दा बन गया है जो दोनों देशों की कूटनीति के साथ ही साथ राजनीति को प्रभावित कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप मान चुके हैं कि टैरिफ की वजह से भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में दरार पैदा हुई है। वहीं हाल ही पीएम मोदी की पुतिन और चीन के राष्ट्रपति के साथ हुई मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर नई बहस छिड़ी है। भारत-अमेरिका तनातनी के बीच दोनों देशों ने बातचीत बंद नहीं की और उम्मीद है कि जल्द रिश्ते सामान्य हो जाएंगे। इन घटनाक्रम के जरिए इस समझा जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहली अमेरिका यात्रा साल 2025 फरवरी में संपन्न हुई। इस यात्रा के ठीक पहले ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी और भारत को टॉप ऑफ द पैक बताया था। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने यह सुनिश्चित करना चाहा था कि ट्रंप की व्यापार नीतियों से भारत को कुछ राहत मिले। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा समझौतों पर बात की और साल 2030 तक 500 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय किया। टैरिफ की आहट के बीच यह मुलाकात कई मायनों में अहम थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अप्रैल के महीने में भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए। इस दौरे का मुख्य फोकस भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। बीते एक दशक में किसी भी मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा नहीं हुई थी। जिस वक्त जेडी वेंस भारत दौरे पर थे तभी पहलगाम में टूरिस्टों पर आतंकी हमले हुए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय दल कई देशों में गया। मई के महीने में कांग्रेस सासंद शशि थरूर ने अमेरिका की धरती पर जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख साफ किया। थरूर ने कहा कि पहलगाम हमला करके भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की। थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया कि किस तरह पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आंतकी ठिकानों और मुख्यालयों पर कार्रवाई हुई।

अमेरिका की स्पेस एंजेसी नासा और भारत की स्पेस एजेंसी इसरो ने कई सफल अंतरिक्ष मिशन पूरे किए हैं। नासा और इसरो का संयुक्त मिशन निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। 15 अगस्त को मिशन का सबसे अहम पड़ाव पूरा हुआ।

इसी महीने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती के संबंध में नया पोस्ट किया। ट्रंप के पोस्ट पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया है पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सबसे अहम बात ये है कि टैरिफ विवाद के बाद भी दोनों देशों के बीच बातचीत का कोई रास्ता बंद नहीं किया गया है।

हर थाने में सीसीटीवी जरूरी

-पुलिस स्टेशन का स्वतंत्र एजेंसी से इंस्पेक्शन कराएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे की कमी मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि थानों में सीसीटीवी न होने से निगरानी में मुश्किल हो रही है। कोर्ट इस मामले में 26 सितंबर को फैसला सुनाएगा। बेंच अपने आदेश में पुलिस थानों और जांच एजेंसियों में सीसीटीवी कैमरों को लेकर राज्यों और केंद्र सरकार को भी निर्देश दे सकती है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह मुद्दा निगरानी का है। कल को अधिकारी थाने में कैमरे बंद कर सकते हैं। लेकिन हम एक ऐसे नियंत्रण कक्ष के बारे में सोच रहे थे, जिसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप न हो। बेंच ने कहा कि कोर्ट यह सुनिश्चित करना चाहता है कि पुलिस थानों में पारदर्शिता बनी रहे और मानवाधिकारों का उल्लंघन न हो। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि पुलिस थानों का भी स्वतंत्र एजेंसी की ओर से निरीक्षण किया जाना चाहिए। हम आईआईटी को शामिल कर ऐसी व्यवस्था बनाने पर विचार कर सकते हैं, जिससे सीसीटीवी फुटेज की निगरानी बिना किसी हस्तक्षेप के की जा सके। दरअसल, 4 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था, जिसमें राजस्थान में पिछले 8 महीनों में 11 पुलिस कस्टडी मौतें हुईं, जिनमें से 7 सिर्फ उदयपुर डिवीजन में थीं।

वोटर अधिकार यात्रा के बाद बिहार अधिकार यात्रा' क्यों निकल रहे तेजस्वी

पटना। बिहार की सियासत में इनदिनों चुनावी यात्राओं का दौर जारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर 20 जिलों में 1300 किलोमीटर लंबी 'वोटर अधिकार यात्रा' पूरी की है। यात्रा से कांग्रेस को प्रदेश में नई ऊर्जा मिली और राजनीतिक हलकों में चर्चा हैं कि कांग्रेस अब आरजेडी पर निर्भर नहीं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होने की तैयारी में है। इसी पृष्ठभूमि में अब आरजेडी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार से 'बिहार अधिकार यात्रा' की शुरुआत कर रहे हैं।

तेजस्वी की यात्रा 16 को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी। पांच दिनों की यात्रा में वे नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल और समस्तीपुर से होकर कई जिलों से गुजरने वाले है।

यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी दे कहा, क्यों राजनैतिक दलों को इस कानून से बाहर रखा गया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाकर साफ किया कि राजनीतिक दलों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 (पाश कानून) के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में दायर अपील को खारिज कर कहा कि राजनीतिक दलों और उनके सदस्यों के बीच नियोक्ता-कर्मचारी संबंध नहीं होता, इसलिए इस कानून को उन पर लागू करना संभव नहीं है।

यह मामला केरल हाईकोर्ट के आदेश से जुड़ा था। दरअसल केरल हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि राजनीतिक दल पाश कानून के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाने के लिए बाध्य नहीं हैं, क्योंकि अधिनियम का दायरा केवल उन संस्थाओं तक है जहां रोजगार और भुगतान का रिश्ता है। हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

इस पर मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने अपील को

खारिज कर केरल हाईकोर्ट के निर्णय को कायम रखा। अदालत ने कहा कि राजनीतिक दलों की संरचना और उनका कार्यप्रणाली रोजगार से भिन्न है। सीजेआई गवई ने टिप्पणी में कहा कि जब कोई व्यक्ति राजनीतिक दल से जुड़ता है, तब यह नौकरी नहीं होती। इसमें न रोजगार मिलता है और न ही भुगतान होता है। इसलिए राजनीतिक दल को कार्यस्थल की श्रेणी में नहीं रख सकते।

पाश कानून का मकसद महिलाओं को कार्यस्थलों पर सुरक्षा प्रदान करना है, जहां रोजगार और भुगतान का रिश्ता होता है। राजनीतिक दल और उनके सदस्य के बीच ऐसा कोई संबंध नहीं है। अदालत ने सवाल उठाया कि ऋराजनीतिक दलों को कार्यस्थल कैसे माना जाए, जब पार्टी और सदस्य के बीच कोई रोजगार संबंध ही नहीं है?ऋ सीजेआई गवई ने टिप्पणी की कि अगर अधिनियम को राजनीतिक दलों पर लागू किया गया, तब यह कानून ऋब्लैकमेल का साधनऋ बन जाएगा और इससे इसतरह के मामलों की बाढ़ आ जाएगी। अदालत ने कहा कि यह राजनीतिक प्रक्रिया को भी प्रभावित कर सकता है। पाश कानून को 2013 में इसलिए लागू किया गया ताकि महिलाएं नौकरी की जगहों पर सुरक्षित महसूस कर सकें। लेकिन राजनीतिक दल ऐसी संस्था नहीं हैं, जहां रोजगार की परिभाषा लागू होती है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने साफ किया कि किसी राजनीतिक दल में शामिल होना रोजगार प्राप्त करना नहीं है। यह केवल सदस्यता का मामला है, जहां न नियमित वेतन है और न ही संविदात्मक रोजगार। इस आधार पर अदालत ने कहा कि राजनीतिक दलों को पाश कानून के तहत आंतरिक शिकायत समिति बनाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

रेस्टोरेंट में अज्ञात ने लगाई आग

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी से बोनकट्टा मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित नाईट फैमिली रेस्टारेंट में किसी अज्ञात शरारती तत्व ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी. जिससे रेस्टोरेंट संचालक को करीब 01 लाख रुपए की क्षति पहुंची है. संचालक ने कटंगी थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है. रेस्टोरेंट संचालक को जिस व्यक्ति पर घटना को अंजाम देने का संदेह है उसके द्वारा संदेही का भी नाम पुलिस को बताया गया है. यह पूरी घटना 13 सितंबर की है. सोमवार को रेस्टोरेंट संचालक राजू मासुरकर ने बताया कि 13 सितंबर की रात्रि तकरीबन 11 बजे वह रेस्टोरेंट बंद कर अपने घर चले गए. दूसरे दिन आकर जब रेस्टोरेंट खोला तो भीतर का दृश्य देखकर होश ही उड़ गए. राजू ने बताया कि शरारती तत्वों ने एग्जास्ट फैन की जगह से रेस्टोरेंट में पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी. जिससे रेस्टोरेंट में रखा काउंटर, बिजली के उपकरण, कुछ नगदी रकम सब कुछ जलकर बर्बाद हो गया. उन्होंने बताया कि गनीमत की बात यह रही कि कीचन के सिलेंण्डर में धमाका नहीं हुआ वरना बड़ा हादसा हो सकता था. शहर के बाद स्थित रेस्टोरेंटढ्ढ के पास पहले एक किराना दुकान में चोरी की वारदात भी हो चुकी है ऐसे में दुकानदारों में भय का माहौल बना हुआ है।

ग्राम पंचायत हिर्री में शव फीजर आने से ग्राम की जनता मे हर्ष

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। विगत वर्ष राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त 2024 के दिन पंचायत मे ग्राम सभा का आयोजन किया गया था जिसमे गांव की समस्या को ध्यान मे रखने वाले प्रबुद्धजनों के द्वारा पंचायत में एक फ्रीजर व स्वर्ग रथ की माँग की गयी थी।जिसको पंच, सरपंच व सचिव के द्वारा प्रमुखता से लेकर अमलीजामा पहनाते हुए आज दिनाक को ग्राम पंचायत हिर्री मे पंचायत निधि से शव फ्रीजर क्रय कर उसे पंचायत में पहुँचा दिया गया है। जिससे अब अपनी पंचायत के सभी लोगो को फ्रीजर की सुविधा मिल पाएगी। ग्रामीणों ने ग्राम की जनता के हित में लिए गए इस कार्य की सराहना करते हुए ग्राम पंचायत हिर्री के समस्त प्रबुद्धजनों एवं पंचायत प्रबंधन का आभार जताया है।

एम्स ऋषिकेश की स्टडी में सामने आई सडक़ हादसों की चौंकाने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में सडक़ हादसे हर साल लाखों लोगों की जान ले रहे हैं। अक्सर कहा जाता है कि तेज रफ्तार, खराब सडक़ें हैं या ओवरलोडिंग के कारण ये हादसे हो रहे हैं। लेकिन एम्स ऋषिकेश की नई स्टडी ने कुछ और कारण खोज निकाले हैं, जिस पर गंभीरता से सोचना होगा। इस स्टडी में सामने आया है कि सडक़ पर होने वाले आधे से ज्यादा हादसों में शराब जिम्मेदार होती है, वहीं हर पांचवें हादसे में गांजा या ड्रग्स और हर चौथे हादसे में थकान या नींद की झपकी का रोल होता है।

एम्स ऋषिकेश के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हुए 383 ड्राइवर पीड़ितों पर रिसर्च में सामने आया कि 57.7 प्रतिशत ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। वहीं 18.6 प्रतिशत ने गांजा और दूसरी साइकोट्रॉपिक दवाएं ली थीं। इसके अलावा 14.6 प्रतिशत ड्राइवर शराब और ड्रग्स दोनों के असर में थे। 21.7 प्रतिशत को दिन में जरूरत से ज्यादा नींद की समस्या थी। बाकी 26.6 प्रतिशत को थकान और नींद से जुड़ी दिक्कतें थीं। एम्स के न्यूरोसाइकेट्री विभाग के विशेषज्ञ डॉ. रवि गुप्ता बताते हैं कि एम्स में हमने हर मरीज का ब्लड और यूरिन टेस्ट किया और उनकी नींद का पैटर्न समझा। इससे जो नतीजे वो बताते हैं कि भारत में सडक़ हादसे केवल सडक़ और ट्रैफिक नियमों से जुड़े मुद्दे नहीं हैं बल्कि नशा और नींद की दिक्कतें भी इसमें सीधे जिम्मेदार हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों हादसे ऐसे होते हैं जिनमें ड्राइवर का झपकी लेना एक बड़ी वजह होती है। परिवहन मंत्रालय के अनुसार 27 प्रतिशत एक्सीडेंट ड्राइवर की नींद आने से होते हैं। कई हादसों में ड्राइवर ने खुद माना कि लंबी ड्यूटी और नींद न मिलने से कंट्रोल खो गया। आपको बता दें कि ड्राइवरों ने बातचीत में खुद माना कि ट्रक और बस ड्राइवर कई बार 24-30 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, जबकि नियम है कि एक दिन में 8 घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं होनी चाहिए। देखा जाए तो नियम-कानून तो हैं, लेकिन जमीनी सच अलग है।

नहीं हो रहा नियमों का पालन

परिवहन नियम कहते हैं कि एक ड्राइवर सप्ताह में 45 घंटे से ज्यादा गाड़ी नहीं चला सकता लेकिन निजी कंपनियां इन नियमों का कितना पालन करती हैं, ये किसी से छुपा नहीं है। सच्चाई ये है कि बस और ट्रक मालिक ड्राइवरों से कम से कम 220 से 250 किलोमीटर प्रतिदिन गाड़ी चलवाते हैं। सडक़ सुरक्षा परिषद के आंकड़े बताते हैं कि 40 से 45 प्रतिशत हादसे थकान और नींद की वजह से होते हैं।

आवंटन पत्र के बिना प्रवेश देने पर कोर्ट ने 3 कॉलेज पर लगाया 3 करोड़ का जुर्माना

-यह राशि सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष में की जाएगी जमा

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने तीन आयुर्वेदिक कॉलेज पर तीन करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका है। इन कॉलेजों ने कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) से आवंटन पत्र हासिल किए बिना छात्रों को प्रवेश दे दिया। पीठ ने इन कॉलेजों पर जुर्माना लगाया। यह राशि सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष में जमा की जाएगी। मतलब जुर्माने की राशि सेना कल्याण कोष में जमा होगी।

हाई कोर्ट ने टीएमएई सोसाइटी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, शिवमोग्गा को एक वर्षीय बीएएमएस पाठ्यक्रम के 2022-23 बैच में 20 छात्रों और 2023-24 के एक वर्षीय बीएएमएस पाठ्यक्रम में 27 छात्रों के प्रवेश के लिए 75-75 लाख रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। रामकृष्ण मेडिकल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, येलहंका, बेंगलुरु को 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में 31 छात्रों को स्वतंत्र रूप से प्रवेश देने के लिए 75 लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। अच्युत आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु पर भी एक वर्षीय बीएएमएस पाठ्यक्रम के लिए इसी अवधि में 39 छात्रों को प्रवेश देने के लिए 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

कॉलेजों ने खाली सीटों पर किए गए प्रवेशों की मंजूरी और उन छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति मांगने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अंतरिम आदेशों ने छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दे दी है। कॉलेज प्रबंधन ने तर्क दिया कि खाली सीटों पर छात्रों को प्रवेश देना किसी भी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन नहीं है। न्यायमूर्ति डीके सिंह और न्यायमूर्ति वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने उनकी दलीलें खारिज कर दी है।

पीठ ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि याचिकाकर्ता संस्थानों के केईए द्वारा काउंसलिंग के जरिए से किए गए आवंटन से परे छात्रों के प्रवेश राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के विरुद्ध हैं। याचिकाकर्ता संस्थानों को स्वीकृत प्रवेश के विरुद्ध छात्रों को प्रवेश देने का अधिकार हो सकता है। हालांकि, प्रवेश केवल एमएसएई विनियमों के मुताबिक ही किए जाने चाहिए और कॉलेजों का प्रबंधन स्वयं प्रवेश देने का हकदार नहीं है।

पीठ ने बताया कि याचिकाकर्ता संस्थानों का अधिकार पूरा नहीं है और यह संबंधित नियमों और प्रवेश प्रक्रियाओं के अधीन है। मानकों को बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने एनसीआईएसएम अधिनियम, 2020 लागू किया, जिसका उद्देश्य देश भर में गुणवत्तापूर्ण और सस्ती चिकित्सा शिक्षा और उच्च-गुणवत्ता वाले चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एनसीआईएसएम को शिक्षा और प्रवेश के मानकों को बनाए रखने के लिए नियम बनाने का अधिकार है। प्रवेश प्राप्त छात्रों के हितों की रक्षा के लिए कोर्ट ने कॉलेजों को केईए आवंटन के बाहर प्रवेश प्राप्त सभी छात्रों का विवरण केईए के पात्रता सत्यापन के लिए 10 दिनों के अंदर पेशर करने का निर्देश दिया।

राणा हनुमान सिंह एवं लिखिराम कावरे ने शिक्षा के क्षेत्र मे दिए अमूल्य योगदान

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। आज राणा हनुमान सिंह महाविद्यालय किरनापुर में दानवीर स्व.राणा हनुमान सिंह जी एवं म प्र.शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री स्व. लिखिराम कावरे जी की जन्म जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम स्व राणा हनुमान सिंह एवं स्व.लिखीराम कावरे के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। इस विशेष अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रणजीत सिंह चौहान जी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे वक्ताओं द्वारा बतलाया गया कि स्व राणा हनुमान सिंह एवं

लिखिराम कावरे जी दोनो ने शिक्षा को इस क्षेत्र में नई उचाईयो पर पहुंचाने के लिए अमूल्य योगदान दिया। इसके अलावा क्षेत्र एवं जिले के विकास में भी अनेकों कार्य किए। इन महापुरुषों के इस तरह के अनेकों महान कार्य को याद करते हुऐ इनके आदर्शो को अपनाए जाने के लिए प्रेरित कर अपने श्रद्धांसुमन अर्पित किये गए। तथा प्रतिभावान बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं पारितोषिक भेंट कर सम्मानित भी किया गया।इस कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व विधायक पुष्पलता कावरे, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे,जनपद अध्यक्ष लाँजी अर्चना खोगल, विनय सरस्वार, जिला पंचायत सदस्य डाली कावरे, चेतना कुराहे, मीरा सिंगनधूपे, जनपद सदस्यों में असीम चौहान, मनीष भिमटे, लाँजी जनपद पंचायत के जनपद सदस्य मेवालाल करहटकर,वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्त्ता मुन्नालाल समूने, रणजीत सिंह चौहान, सत्यनारायण शर्मा, लक्ष्मण सिंह कुर्राहे, देवेंद्र खोगल, मुकेश जोशी,हिम्मत लाल गढ़वंशी ,नरेंद्र अग्रवाल , खुमेशचन्द्र अजीत, संतोष तिवारी, ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द सरपंच प्रतिनिधि रविन्द्र तरवरे,सरपंच संघ अध्यक्ष प्रकाश बाहे, पवन कावरे, पंकज कावरे,संस्था प्राचार्य योगेश ब्रम्हे एवं समस्त स्टॉफ तथा संस्था के अध्ययनरत छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

अगस्त में थोक मूल्य मुद्रास्फीति 0.52 प्रतिशत रही

मुंबई। अगस्त में थोक मूल्य मुद्रास्फीति 0.52 प्रतिशत रही। जुलाई में यह (-) 0.58 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की वजह से थोक मूल्य मुद्रास्फीति अगस्त में दो महीने बाद 0.52 प्रतिशत पर सकारात्मक स्तर पर लौट आई। थोक मूल्य मुद्रास्फीति आधारित मुद्रास्फीति जुलाई (-) 0.58 और जून में (-) 0.19 प्रतिशत दर्ज की गई थी। पिछले साल अगस्त में यह 1.25 प्रतिशत थी।

उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अगस्त 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, विनिर्माण, गैर-खाद्य पदार्थों, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

अगस्त में खाद्य पदार्थों में अपस्फीति 3.06 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में 6.29 प्रतिशत थी। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी गई। अगस्त में सब्जियों में अपस्फीति 14.18 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में 28.96 प्रतिशत थी। निर्मित उत्पादों के मामले में अगस्त में मुद्रास्फीति बढक़र 2.55 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह 2.05 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली क्षेत्र में अगस्त में नकारात्मक मुद्रास्फीति या अपस्फीति 3.17 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में यह 2.43 प्रतिशत थी।

भारतीय रिजर्व बैंक खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। उसने पिछले महीने बेंचमार्क नीतिगत दरों को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। नवंबर 2024 से नौ महीनों तक गिरावट के बाद खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में बढक़र 2.07 प्रतिशत हो गई थी, जो सब्जियों, मांस, मछली और अंडे जैसी रसोई की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों से यह पता चला था।

नपा. ने प्रारंभ किया आवारा श्वानों को पकड़ने का अभियान शुरू

नपाध्यक्ष बोली डॉग लवर जनसुरक्षा में बन रहे बाधक, पुलिस के साथ मिलकर करेंगे श्वानो को पकडने का काम, डॉग लवर बोले वेक्सीनेशन सही पर, पहचान साबित हो

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर में इन दिनों आवारा मवेशी और आवारा श्वानों से शहर वासी बहुत अधिक परेशान है। रात्रि के समय आवारा श्वान आम जनों को घर जाते समय दौडाते हैं । जिससे शहर में कुछ घटनाएं भी सामने आई है , जिसको लेकर नगर पालिका अब आवारा श्वानों और आवारा मवेशियों को पकड़ना शुरू कर दिया है, किंतु आवारा श्वानों को पकड़ने और उनका वैक्सीनेशन करने सहित श्वानों पर हो रही कार्यवाही से डॉग प्रेमी नाराज है। जिसे लेकर नगर पालिका के सभागार में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आवारा श्वानों पर कार्रवाई हो ऐसे शहर वासियों को भी आमंत्रित किया गया और श्वान प्रेमी भी इस बैठक में उपस्थित हुए, किंतु नगर पालिका द्वारा की जा रही, इस कार्रवाई से श्वान प्रेमी नाराज है, उन्होंने कहा कि वह भी चाहते हैं कि आक्रामक हो रहे श्वानों पर कार्रवाई हो, लेकिन जिस प्रकार से नगर पालिका उन पर कार्यवाही कर रही है वैसा ना किया जाए, तो वहीं कुछ वार्ड वासियों द्वारा नगर पालिका की इस कार्रवाई की तारीफ की गई । जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह लगातार आवारा श्वानों को पकड़ कर वैक्सीनेशन करने सहित अवश्यकता पड़ने पर श्वानों को शहर के बाहर भी करने का काम करेंगें , यदि कोई उनकी कार्रवाई में हस्तक्षेप करता है तो वह पुलिस प्रशासन के साथ उपस्थित होकर आवारा श्वानों को पकड़ने का काम करवाएंगे , क्योंकि उनके लिए आमजन की सुरक्षा सबसे पहले है।

आपको बता दे कि नगरपालिका क्षेत्र में लगातार श्वानों के काटने की घटना अलग-अलग वार्डो से सामने आने के बाद नगरपालिका ने सोमवार से नगर के वार्डो में मौजूद श्वानों को पकड़कर उनके वेक्सीनेशन की शुरूआत की लेकिन शुरूआत में ही उन्हें डॉग लवर के विरोध का सामना करना पड़ा। नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि आमजनमानस की सुरक्षा को लेकर नगरपालिका गंभीर है और यदि ऐसे ही डॉग लवर, विरोध करेंगे तो हमे, पुलिस का सहारा लेकर, अभियान को पूरा करना होगा। वहीं उन्होंने वेक्सीनेशन करवाने के बाद श्वानों के काटने से होने वाली किसी भी प्रकार की घटना नहीं होने की गारंटी देने से इंकार कर दिया। नगरपालिका के आवारा श्वानों को पकड़कर वेक्सीनेशन कराने और उन्हें, उसी स्थान पर छोड़ने को लेकर, उठ रहे विरोध को लेकर, नगरपालिका में डॉग लवर, वार्डवासियों को बुलाया। नगरपालिका के सभागार में नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सीएमओ बी.डी. कतरोलिया, सभापति संगीता कावरे, समीर जायसवाल मौजूद थे। जहां नगरपालिका, डॉग लवर और वार्डवासियों ने श्वानों की समस्या पर अपनी-अपनी बात रखी। वार्डवासी चाहते है कि वार्ड से श्वानों को वेक्सीनेशन के लिए ले जाने के बाद, उसे वार्ड में ना लाया जाए। जबकि डॉग लवर, उनके सुरक्षित तरीके से वेक्सीनेशन चाहता है। वहीं नगरपालिका, नगरीय सीमा में शेल्टर होम के लिए जगह नहीं होने और इसे खर्चीला बताकर, शेल्टर होम के प्रस्ताव को सिरे से नकार रही है। वहीं नगरपालिका का कहना है कि श्वानों के वेक्सीनेशन के बाद उन्हें नगरपालिका सीमा से बाहर छोड़ना भी संभव नहीं है। जिसके कारण, जिस वार्ड से वेक्सीनेशन के लिए श्वानों को कैचर टीम से कलेक्ट कर रही है, उसे वेक्सीनेशन के बाद वहीं छोड़ा जाएगा।

हम श्वानों के वेक्सीनेशन का विरोध नहीं कर रहे हैं

बैठक में उपस्थित डॉग लवर ने कहा की नगरपालिका द्वारा श्वानों के वेक्सीनेशन का हम विरोध नहीं कर रहे है। बल्कि उनका कहना है कि सुरक्षित तरीके से वेक्सीनेशन कराया जाए। श्वानों की भलाई में काम कर रही एक संस्था की प्रतिनिधि ने बताया कि वेक्सीनेशन से हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन, वेक्सीनेटेड श्वानो की पहचान स्थापित किया जाए, ताकि केचर, उसे पहचान सके। अन्यथा दूसरी बार वेक्सीनेशन, श्वानों के जीवन के लिए जोखिम भरा हो सकता है। वहीं उन्होंने आम जनता से कहा कि वेक्सीनेशन के बाद यदि श्वान काटे तो प्रॉपर, उपचार से जीवन को कोई नुकसान नहीं है। अमूमन, श्वान, तब कि किसी को नहीं काटता, जब तक कोई उसे परेशान ना करे।

9 वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रूपझर थाने की सोनेवान पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम कसंगी मैं एक बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। 14 सितंबर को दोपहर में यह घटना उस समय हुई जब यह बालक अपने दोस्तों के साथ खेलने निकला अपने घर से निकला था। सोनेवानी पुलिस ने मृतक बालक अंकित पिता दौलत अड़मे 9 वर्ष का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनेवानी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम

कसंगी निवासी दौलत अड़मे में जो अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार पत्नी और चार बच्चे हैं जिनमे दो लड़की और दो लड़के हैं। अंकित परिवार में छोटा था और वह कक्षा चौथी की पढ़ाई कर रहा था। 14 सितंबर रविवार अवकाश होने से अंकित घर में ही था। दोपहर में अंकित अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए घर निकला था और वह घूमते घूमते अपने गांव के तालाब तरफ पहुंच गए ।अपने दोस्तों के साथ अंकित भी तालाब में नहाने के लिए उतरा था किंतु अंकित तालाब से बाहर नहीं आया। अंकित के दोस्त तालाब से बाहर आ गए थे। अंकित के तालाब से बाहर नहीं निकलने पर उसके दोस्त तालाब से घर चले गए जो कि डर गए थे। जिन्होंने तुरंत में अंकित के परिवार वालों को नहीं बताएं। 4-00 बजे करीब कुछ लड़कों ने अंकित के घर जाकर बताएं कि अंकित तालाब में नहाने के लिए उतरा बाहर नहीं निकला है। यह सुनते ही अंकित का पिता दौलत अड़मे गांव वालों और लड़कों के साथ तालाब पहुंचे। दौलत अड़मे ने तालाब में उतरकर बेटे अंकित को तालाब में तलाश कर बेटे अंकित की लाश बाहर निकाली। जिसकी रिपोर्ट सोनेवानी पुलिस चौकी में की थी। सोनेवानी पुलिस ने ग्राम कसंगी पहुँवहकर मौके की कार्यवाही करने के बाद 15 सितंबर को शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात अंकित का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने नवेगांव के छात्रावासों का किया निरीक्षण

अधीक्षक को कारण बताओं नोटिस जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने 15 सितम्बर को अनुसूचित जाति जूनियर बालक

छात्रावास नवेगांव का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की व्यवस्थाए संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अधीक्षक संदीप मडके को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही मंडल संयोजक सुश्री रीनल उइके को एक माह के भीतर छात्रावास की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिये गए है। छात्रावास के निरीक्षण के दौरान श्रीमती डामोर ने बच्चों से चर्चा की। इस दौरान छात्र आयुष उइके ने इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त की। इस पर श्रीमती डामोर ने आयुष से कहा कि उसे पढ़ाई के लिए सभी सुविधाए उपलब्ध करायी जाएगी। वह पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे। सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने महाविद्यालयीन बालक छात्रावास का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा तथा छात्रों से चर्चा कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने छात्रों के लिए अंग्रेजी की कोचिंग चालू करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान श्रीमती डामोर ने बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोड़ी, लालबर्रा, खैरलांजी, लांजी, किरनापुर के छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया कि छात्रावासों के संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही नही मिलना चाहिए अन्यथा अधीक्षक के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधीक्षकों कों छात्रावास की साफ-सफाई, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, जिससे बच्चों को छात्रावास में शिक्षा के लिए अच्छा वातावरण मिल सके। छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे छात्रावास में अनिवार्य रूप से निवास करें।

दो बुलेरो कार आपस में टकराई- हॉकफोर्स के दो प्रधान आरक्षक और चालक सहित तीन घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड गांगुलपारा घाट दो बुलेरो आपस में टकराने से एक बुलेरो में सवार हाकफोर्स के दो प्रधान आरक्षक और चालक सहित तीन लोग घायल हो गए। 15 सितंबर को 3.30बजे करीब हुई इस सड़क दुर्घटना में दोनों बुलेरो आपस में टकराने से सामने से क्षतिग्रस्त हो गई है। घायलों में हाकफोर्स के प्रधान आरक्षक रमेश पिता जय बहादुर विश्वकर्मा 37 वर्ष, प्रधान आरक्षक कालिदास पिता राधा मोहन्त बागरी 39, हाफ फोर्स कैंप डोरा और बुलेरो चालक मनोज पिता हीरऊ पुसाम 28 वर्ष नव्ही निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 सितंबर को हाफ फोर्स डोरा में पदस्थ प्रधान आरक्षक रमेश विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक कालिदास बागरी और प्रधान आरक्षक अंकित रजावत हॉक फोर्स के लिए अधिग्रहण की गई बुलेरो कार एमपी 03 ए 2100 मैं चालक मनोज पुसाम के साथ पुलिस चौकी डोरा से कनकी मुख्यालय आ रहे थे। 3-30 बजे करीब जब यह बुलेरो कार गांगुलपारा घाट से नीचे उतर रही थी। तभी बालाघाट की ओर से जा रही बुलेरो कार हाफ फोर्स की इस कार से टकरा गई। दोनों बुलेरो कार आपस में टकराने से क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में हाफ फोर्स की बुलेरो कार में सवार प्रधान आरक्षक रमेश विश्वकर्मा, प्रधान आरक्षक कालिदास बागरी और कार चालक मनोज पुसाम घायल हो गए। इस दुर्घटना में तीनों को मामूली चोटे आई। मुख्यालय कनकी में इस दुर्घटना की सूचना मिलने पर तुरंत 108 एम्बुलेंस भिजवाई गई और तीनों घायलों को जिला अस्पताल लाकर उनका का इलाज करवाया गया। हालांकि तीनों को मामूली चोंटे आई थी। जिन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी शिवदयाल पटले ने घायल हाफ फोर्स के जवानों का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

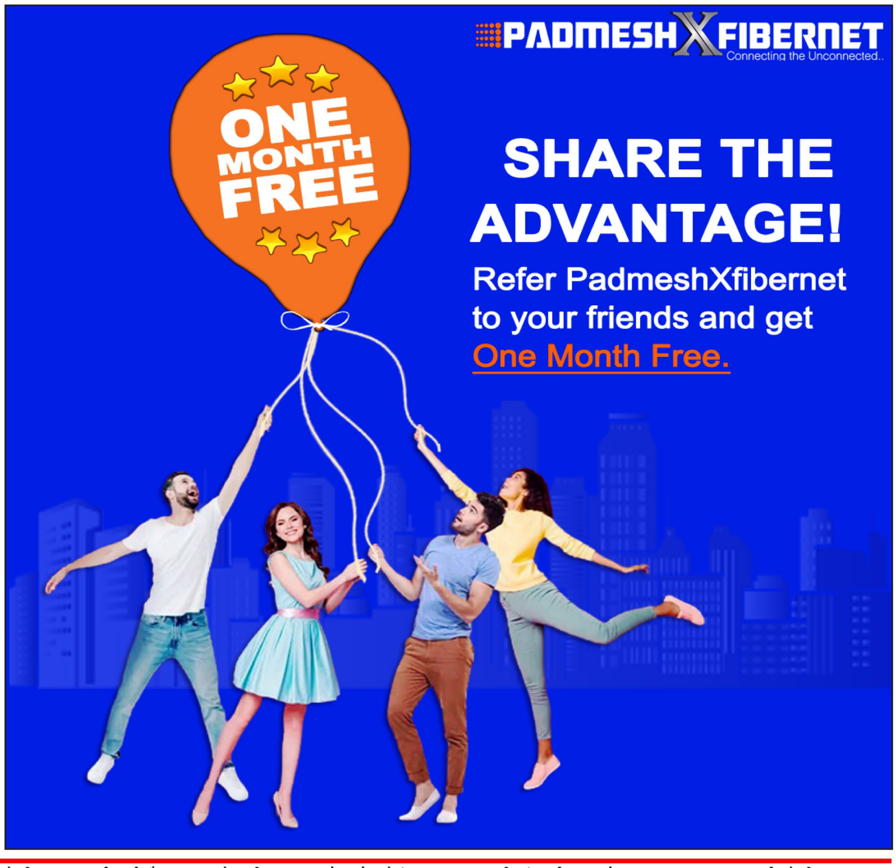

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट